फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 118 प्रभात जयपुर, मंगलवार 29 नवम्बर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

Having Your Cake And Eating It Too

In some Departments it was an open battle while in others it was covert. In surgery too this situation was present in a slightly different format.

WORLD CUP DIARIES: When Kolkata Become Brazil's Second Capital

In the Brazilians, the Bengalis find their non-white clones.

एक नए शोध के अनुसार बीवर (ऊदबिलाव) हमारे पानी की गुणवत्ता व ईकोसिस्टम हैल्थ को बचा सकते हैं। नेचर कम्युनिकेशन्स जर्नल में छपे इस शोध में यह निष्कर्ष दिया गया है, जिसमें कोलोराडो के रॉकी माउन्टेन्स के शहर रॉकी बट के बाहर एक बीवर डैम पर फोकस किया गया था। शोधकर्ता, स्टैनफर्ड युनिवर्सिटी में वॉटर एण्ड सॉइल साईन्स के विद्यार्थी क्रिस्टियान डूवी ने यह शोध कोलोराडो नदी की सहायक नदी ईस्ट रिवर के साथ बहने वाली धारा पर किया है, जो स्थान परिवर्तन करती है। डूवी ने उम्मीद जताई कि, यह शोध वैस्टर्न वॉटर शैड्स (हाई ग्राउण्ड का ऐसा क्षेत्र जो अलग-अलग नदियों के पानी को विभाजित करता है) पर मंडरा रहे संभावित खतरों पर ज्यादा प्रकाश डाल सकता है। डूवी शुरु में बीवर पर शोध नहीं करने वाले थे, लेकिन फिर धीरे-धीरे अति मेहनती बीवर्स उनके रिसर्च क्षेत्र पर छा गए। वर्ष 2018 में गर्मी के मौसम में उन्होंने देखा कि, नदी की मुख्य धारा पर एक बांध बन गया है, जिसके कारण छोटे तालाब में प्रवाह धीमा हो गया है। डूवी ने कहा, ''हम एकदम सही समय पर सही स्थान पर थे, यह देखने के लिए कि बीवर के बनाए डैम से क्या परिवर्तन हुए थे।'' बीवर्स ने दो माह तक बांध को बनाए रखा, जब तक कि पानी से मिट्टी और अन्य शाखाएं बहकर निकल नहीं गईं। डूवी ने धारा के प्रवाह व रासायनिक संरचना का सावधानी से अध्ययन करके पाया कि, बांध ने आसपास की मिट्टी को जलमग्न कर दिया, जिससे माइक्रोब्स ने अतिरिक्त नाइट्रोजन को हानिरहित गैस में बदल दिया। बारिश और बर्फ पिघलने का भी यही असर होता है, पर बीवर्स के बनाए बांधों से ज्यादा लाभ होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि बांध की वजह से 44 प्रतिशत ज्यादा नाइट्रोजन बाहर निकली।

'क्या आप गहलोत द्वारा पायलट को गद्दार कहने से सहमत हैं'

राहुल ने जवाब में कहा, ''मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता किसने क्या कहा, हमारे लिये दोनों बहुमूल्य हैं''

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

इन्दौर (मध्यप्रदेश), 28 नवम्बर। राहुल गाँधी ने कहा, अशोक गहलोत व सचिन पायलट दोनों ही पार्टी के लिए ''बहुमूल्य'' हैं, तथा वो इस बात में नहीं पड़ना चाहते कि, किसने किससे क्या कहा। उन्होंने आगे कहा, ''लेकिन मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि, किसी भी कीमत पर भारत जोड़ो यात्रा पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।''

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपनी सातवीं प्रेस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते समय राहुल गाँधी ने राजस्थान पॉलिटिक्स के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। उनसे पूछा गया था, ''क्या आप गहलोत द्वारा सचिन पायलट को गद्दार कहने से सहमत हैं।''

इस पर उन्होंने कहा, मैं इस बात में नहीं पड़ना चाहता कि किसने क्या कहा, लेकिन दोनों ही ''बहुमूल्य'' हैं।

जवाब से यह स्पष्ट है कि, राहुल गाँधी तथा पार्टी नेतृत्व की प्राथमिकता केवल यह है कि, राजस्थान में यात्रा बिना किसी अप्रिय घटना के सम्पन्न हो जाए। क्योंकि यदि परस्पर विरोधी गुट सड़क पर उतर आए तो यात्रा में समस्या पैदा हो सकती है। इसके अलावा, राहुल को राजस्थान की समस्या को सुलझाने में कतई रुचि नहीं है, जो कि, पार्टी के नेतृत्व द्वारा कोई निर्णय नहीं लेने के कारण अति कटु और विकट हो गई है।

- **जवाब से यह स्पष्ट है, राहुल की प्राथमिकता है कि, भारत जोड़ो यात्रा, बिना किसी अप्रिय घटना के राजस्थान में सम्पन्न हो जाये और इसीलिये वेणुगोपाल को 29 नवम्बर को जयपुर भेजा जा रहा है।**
- **प्रेस कॉन्फ्रैंस में राहुल का मुख्य प्रयास बार-बार यह समझाने में लगा कि, कैसे उनकी यात्रा राजनीति के बारे में नहीं बल्कि इसलिये है कि, कैसे भाजपा द्वारा जनित घृणा व भय के वातावरण में भी देश को एकजुट रखा जाये।**
- **राहुल ने यह भी कहा कि, भाजपा अपनी मनोस्थिति के अनुसार देश को चलाना चाहती है, जबकि देश जनता की इच्छा के अनुसार चलना चाहिये। पर, राहुल यह भूल गये, जनता ने भाजपा को चुन कर सरकार में भेजा है, अतः भाजपा उसी तरह सरकार चलायेगी, जैसा वह सही मानती है।**
- **राहुल ने यह भी कहा, वो लोग, जैसे ज्योतिरादित्य सिंधिया, यदि रिश्वत लेकर पार्टी छोड़ कर गये हैं, तो उनका पुनः पार्टी में वापस आना मुश्किल है।**

के.सी. वेणुगोपाल को जयपुर भेजा गया है, भारत जोड़ो यात्रा का सहज व सुचारु सफर सुनिश्चित करने के लिए। इसके अलावा दोनों पक्षों से कहा गया है कि, वो अपने समर्थकों को नियंत्रण में रखें तथा अपनी निष्ठा का सार्वजनिक प्रदर्शन ना करें।

प्रेस कॉन्फ्रैंस में राहुल गाँधी का मुख्य प्रयास बार-बार यह समझने में लगा कि, यह यात्रा राजनीति के बारे में नहीं और वो इस यात्रा से किसी तरह के राजनीतिक लाभ की आशा नहीं कर रहे है, बल्कि इसके द्वारा वो भाजपा द्वारा पैदा किए गए भय व नफरत के विरुद्ध देश को एकजुट करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा व आस.एस.एस. अपनी मनोस्थिति के अनुसार देश को चला रहे हैं, जबकि देश को जनता की इच्छा के अनुसार चलना चाहिए।

तथापि, वो यह भूल गए कि, जनता भाजपा को सत्ता में लाई तथा भाजपा जो सही समझती है उसके अनुसार देश को चलाएगी।

कांग्रेस के लिए अब इस स्थिति से निपटना बहुत मुश्किल होता जा रहा है,

(शेष पृष्ठ 7 पर)

राष्ट्रपति शी की लताड़ के बाद कैनेडा ने विदेश नीति का रूख बदला

बाली में चीन के राष्ट्रपति ने कैनेडा के प्र.मंत्री पर आपसी बातचीत को सार्वजनिक करने का आरोप लगाया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कैनेडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ हुई विकट मीटिंग के बाद कैनेडा ने अपनी विदेश नीति में आमूलचूल परिवर्तन करना शुरु कर दिया है।

कैनेडा के विदेशी संबंध अब तक अमेरिका और यूरोपीय देशों तक ही केन्द्रित थे, लेकिन बदली वैश्विक व्यवस्था में वह अपने सभी हितों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से चीन के अलावा एशिया के शेष देशों के साथ अपने संबंध विकसित करना चाहता है। बाली में आयोजित जी-20 देशों के बाली शिखर सम्मलेन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई तनावपूर्ण बातचीत के बाद कैनेडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपनी विदेश नीति को चीन से अलग रखने पर जोर दे रहे हैं।

- **कैनेडा के प्रधानमंत्री ने हिम्मत दिखाते हुए कहा, प्रजातंत्र व डिक्टेटरशिप में फर्क है तथा प्रजातंत्र में गोपनीयता पर उतना प्रीमियम नहीं है, जितना डिक्टेटरशिप में।**
- **अब तक कैनेडा की दृष्टि में, इण्डो- पैसिफिक क्षेत्र में व्यापारिक संबंधों की दृष्टि से चीन सबसे महत्वपूर्ण था। जितना चीन-कैनेडा का व्यापार है उसका आधा भी इस क्षेत्र के अन्य देशों से नहीं था।**
- **पर, अब लताड़ के बाद कैनेडा ने इस क्षेत्र के अन्य देशों, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, के साथ व्यापार बढ़ाने के प्रयास तेज किये।**
- **साथ ही चीन की वित्तीय मदद से, कई देशों, जैसे श्रीलंका में भारी भरकम प्रोजैक्ट लगते गये, पर, शुरू से घाटे के सौदे साबित हुए तथा ये देश कर्ज के दलदल में फंस गये। कैनेडा भी इससे सबक लेकर चीन से दूरी बनाने की नीति पर चलना चाह रहा है।**

कैनेडा अपनी सैन्य और नौसैनिक पैट्रोलिंग को पैसिफिक कमाण्ड में आगे बढ़ा रहा है और भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे ऐसे देशों के साथ विज्ञान और अनुसंधान को लेकर संबंध स्थापित कर रहा है जो अब तक उसकी दोस्ती से अछूते रहे हैं। वह चीन के अलावा एशिया के अन्य देशों के साथ आर्थिक मजबूत व्यापारिक संबंध मजबूत कर रहा है।

विदेश नीति को लेकर रविवार को जारी एक दस्तावेज में कैनेडा के विदेश मंत्री ने देश के पूर्व के अति निर्भर नीतिगत रूख के बारे में प्रैस को ब्रीफ किया। चीन के राष्ट्रपति के साथ हुई बातचीत ने कैनेडा के चीन के साथ रहे अति-निर्भर आर्थिक संबंधों की कमजोरियों को उजागर कर दिया।

अपने और ट्रूडो के साथ हुई बातचीत को एक न्यूज़ मीडिया को सार्वजनिक करने को लेकर शी ने ट्रूडो को फटकार लगाई थी। ट्रूडो ने इसके जवाब में कहा था कि लोकतंत्र के रूप में उनका देश चीन की गोपनीयता बरतने की आदत के विपरीत एक अलग सिद्धांत

(शेष पृष्ठ 7 पर)

समलैंगिक को दिल्ली हाई कोर्ट का जज बनाने से केन्द्र का इंकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। केन्द्र सरकार ने एडवोकेट सौरभ किरपाल को दिल्ली हाईकोर्ट के जज के रुप में पदोन्नत करने से इन्कार कर दिया है। किरपाल ने गत 17 नवम्बर को मीडिया को बताया था कि उनके ''सैक्सुअल ओरिएन्टेशन'' के कारण उनके प्रमोशन में वर्ष 2017 से ही विलम्ब किया जाता रहा है। इण्डिया अहेड की एक रिपोर्ट के

- **इंडिया अहैड की रिपोर्ट के अनुसार एडवोकेट सौरभ किरपाल का नाम पुनर्विचार के लिए कोलीजियम को भेजा गया है। किरपाल का कहना है कि 2017 से उनका प्रमोशन उनके ''गे'' होने की वजह से लटकाया जा रहा है।**

(शेष पृष्ठ 7 पर)

महाराष्ट्र के राज्यपाल कोश्यारी ने इस्तीफा देने की पेशकश की

कोश्यारी, आये दिन, अपनी टिप्पणियों से केन्द्रीय सरकार के लिये अटपटी स्थिति पैदा कर रहे हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। बताया जाता है कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में उनकी हाल ही टिप्पणियों को लेकर सभी तरफ से घिर गये हैं तथा केन्द्र सरकार भी उन्हें इन विवादों से बाहर निकालने की इच्छुक दिखाई नहीं दे रही है, ने अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी है।

विवादों में बने रहने वाले कोश्यारी ने अभी हाल ही उस समय मराठी संवेदनाओं की नाज़ुक रग को दबा दिया, जब उन्होंने शिवाजी को ''पुराने ज़माने का नायक (आइकन) बताते हुये, उन्हें बाबा साहेब अम्बेडकर तथा नितिन गडकरी जैसे ''राज्य के आधुनिक आइकनों'' की श्रेणी में रख दिया। राज्यपाल की इस टिप्पणी से शिवाजी के वंशजों तथा शिव सेना (यू.बी.टी.) एवं एन.सी.पी. सहित विपक्षी दलों का

- **छत्रपति शिवाजी पर उनकी टिप्पणी के बाद केन्द्रीय सरकार ने भी राज्यपाल से दूरी बनाने का मन बनाया।**
- **अकेले पड़ने के कारण कोश्यारी ने इस्तीफा देने की पेशकश की है।**

क्रोध भड़क गया। भाजपा से जुड़े तीन नेताओं- उदयनराजे भौंसले, संभाजी राजे छत्रपति तथा शिवेन्द्र सिंह भौंस के-ने माँग कर डाली कि या तो केन्द्र राज्यपाल को वापस बुलाये या उनसे माफीनामा माँगे।

भाजपा के राज्यसभा सांसद भौंसले ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर, कोश्यारी को वापस बुलाये जाने की माँग की है। इस बीच, शिव सेना यू.बी.टी. तथा एन.सी.पी. राज्यपाल को हटाये जाने की माँग करते हुये, राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन आयोजित कर रही हैं।

भाजपा नेताओं ने कोश्यारी से संबंधित इस विवाद से दूरी बना ली है। सत्तारूढ़ दल के कुछ वर्गों का मत है कि राज्यपाल अपनी बार-बार की गलतियों एवं अपराधों के कारण पार्टी के लिये एक बोझ (लाइबिलिटी) बन गये हैं। जुलाई में उन्होंने उस समय मराठी लोगों को चिढ़ा दिया था, जब उन्होंने एक समारोह में बोलते हुये कह दिया था कि ''अगर गुजराती और राजस्थानी मुम्बई छोड़ जायें, तो इस महानगर में पैसा ही नहीं रहेगा।'' मार्च में, उस समय उन्हें जबरदस्त आलोचना का सामना करना पड़ रहा था, जब उन्होंने ऐतिहासिक समाज सुधारकों सावित्री बाई एवं ज्योतिबा फूले के विवाह को लेकर

(शेष पृष्ठ 7 पर)

जबरन धर्म परिवर्तन की अनुमति नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। केन्द्र ने सर्वोच्च न्यायालय से कहा है कि धर्म की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार में लोगों का धर्मान्तरण करने का अधिकार

- **केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में लोगों का धर्मान्तरण कराना शामिल नहीं है। सरकार ने यह दलील सुप्रीम कोर्ट में तब दी जब वह फर्जी धर्मान्तरण के खिलाफ दायर याचिका पर विचार कर रहा था।**

(शेष पृष्ठ 7 पर)

'एक अच्छे ''गॉल्फर'' की भांति राहुल आगे बढ़ रहे हैं, अपने व्यक्तिगत अठारहवें होल की तरफ'

''गॉल्फ में आपका कोई प्रतिद्वंदी नहीं, आप अपने ही खिलाफ खेल रहे हैं। अपना ही टारगेट तय करके, आप उसकी ओर बढ़ते हो। कोई फर्क नहीं पड़ता और कौन-कौन अपने टारगेट को प्राप्त कर लेता है''

-सुजीत चक्रवती-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। युवा गांधी, मुझसे 11 साल छोटे, अकेले चल रहे हैं जैसे गॉल्फ का खेल होता है अकेले ही खेला जाता है। अचरज की बात है कि लाखों लोग उनके साथ चल रहे हैं।

गॉल्फ के खिलाड़ी दिगराज मारवाह ने मुझे एक बार बताया था कि, ''गॉल्फ ही एक मात्र ऐसा खेल है जिसमें आप खुद के खिलाफ खेलते हैं इसमें कोई प्रतिस्पर्धी नहीं होता है। आप ही अपने लिए लक्ष्य तय करते हैं और उसे हासिल करते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन ज्यादा हासिल करता है कौन कम। जो आप कर सकते हैं, उतना हासिल कर सकते हैं कोई भी आपको रोक नहीं सकता है।''

गॉल्फ में कोई और मैदान तैयार करता है, इसमें कई अड़चने और बाधाएं होती हैं जो जानबूझ कर डाली जाती है, जैसे वॉटरहोल्स, सैंड बंकर्स, खाई आदि आदि आपको इन बाधाओं को पार करना पड़ता था। इसके अलावा हवा भी होती है जो कभी आपके पक्ष में होती है तो कभी विपरीत, फिर आपको हवा की दिशा और गति का हिसाब लगाकर शॉट मारना पड़ता है।

विशेषज्ञ हैरान हैं उन्हें कोई आईडिया नहीं है कि असल में कुछ राजनैतिक विश्लेषक अभी भी सोच रहे हैं कि इसके कुछ अलग मायने हैं। आखिरकार राजनीति में आखिरी खेल जीतने वाली पार्टी का होता है।

मैं शर्त लगा सकता हूँ कि राहुल की भारत का प्रधानमंत्री बनने की कोई योजना नहीं है। वो गॉल्फ के गेम में हैं। अपनी ही निजी इच्छाओं के खिलाफ खेल रहे हैं और स्ट्रीट पॉलिटिक्स से ऊपर उठ रहे हैं। एक और गांधी एम.के. (मोहन दास करमचंद) भी कभी भी प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते थे।

राहुल के लिए यह गोल्फ टर्फ अन्य लोगों ने गत 70 साल में बनाया है। कई मुश्किलें हैं। सबसे पहली तो उनके परनाना पं. जवाहर लाला नेहरू की गलतियां। दूसरे तानाशाही की विरासत जैसी उनकी स्वर्गीय दादी मां इंदिरा गांधी की, जिन्होंने बांग्लादेश को आजादी दिलाई और अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन द्वारा समर्थित पाकिस्तान को हराया। तीसरी उनके पिता की विरासत जिन्हें लिट्टे आतंकवादियों ने बम से उड़ा दिया था।

किसी भी अन्य खेल की तहत इसमें बहुत सा अनुशासन चाहिए, धैर्य, ध्यान और निश्चित रूप से शारीरिक क्षमता और ध्यान केन्द्रित करने की समक्षा की भी जरूरत है।

और सबसे बड़ी बाधा उनकी इटली में जन्मी भारतीय नागरिक मां है, जब मैं सिक्किम में काम कर रहा था तब किसी काम के तहत मैं उनसे मिलने गया था तो मैंने उनके कार्यालय में लिखा देखा था कि ''मुझे बहु नहीं बेटी बोलो''

इतनी सारी बाधाएं है और वे अभी भी अठारहवें होल की तरफ बढ़ रहे हैं। उन्हें क्या हासिल हुआ है, या कहे कि वे क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं?

आप देखिए गॉल्फ में कई तरह के स्कोर होते हैं जैसे बर्डी, ईगल या

- **वरिष्ठ पत्रकार सुजीत चक्रवर्ती अपने ''गॉल्फिंग सबकों'' को राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में परिलक्षित देख रहे हैं।**
- **''गॉल्फ कोर्स'' कोई और सैट करता है, उसमें नाले, पानी के वॉटर-होल्स, गड्ढे कोई और बनता है, गॉल्फ कोर्स में कृत्रिम कठिनाईयाँ उत्पन्न करता है।**
- **राहुल के लिये राजनीति के गॉल्फ कोर्स को परपितामह नेहरू, दादी इंदिरा गांधी ने अपनी ''गल्तियों'' और ''उपलब्धियों'' से ''क्यूरेट'' किया (बनाया) अब इस गॉल्फ कोर्स पर राहुल को अपना खेल खेलना है।**

(शेष पृष्ठ 7 पर)

अल्पसंख्यक छात्र को आतंकवादी कहना भारी पड़ा

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। बैंगलोर में एक ऐसी घटना हुई जिसमें एक युवा छात्र को सिर्फ धर्म के आधार पर आतंकवादी बताकर उसके साथ एक तरह से अन्याय किया गया। शायद इस घटना पर किसी का ध्यान नहीं जाता, लेकिन अल्पसंख्यक समुदाय का यह छात्र गुस्से में आकर अपना पक्ष साबित करने पर अड़ा रहा और उसने प्रोफेसर

- **बैंगलोर मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलजी ने आरोपी प्रोफेसर को निलम्बित कर दिया। तीन-चार दिन पुरानी इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।**

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विचार बिन्दु

आतंक का जन्म असंतोष से होता है असमानता से इसे हवा मिलती है और यह अपनी आग में हज़ारों को लेकर जल मरता है।

–मुक्ता

ऐसा जवाबदेही कानून किस काम का?

देश में जब भी कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसका हल कानून के माध्यम से करने का प्रयास किया जाता है। यह माना जाता है कि उस विषय पर कानून बन गया तो वह समस्या हल हो जाएगी। कानून बनाने के लिए केंद्र सरकार, संसद में एवं राज्य सरकारें विधानसभाओं में विधेयक प्रस्तुत करती हैं और सदन में पारित होने के पश्चात ये कानून का रूप ले लेते हैं। यह एक सर्व ज्ञात तथ्य है कि जितने कानून भारत में हैं, उतने शायद ही किसी अन्य देश में होंगे। कई बार प्रधानमंत्री एवं अन्य प्रबुद्धजनों के द्वारा यह विचार व्यक्त किया गया है कि कानूनों को कम किया जाए। इसी प्रक्रिया में, कई कानून समय-समय पर समाप्त भी किए गए हैं, क्योंकि उनकी उपादेयता बदलते समय के संदर्भ में समाप्त हो गई थी।

उल्लेखनीय है कि केंद्र एवं राज्य सरकार के कानूनों में एक समानता दिखाई देती है और वह है कानूनी भाषा की जटिलता ।जिस भाषा में और जिस शब्दावली में सभी कानून लिखे जाते हैं, वे जिस व्यक्ति के लिए बनते हैं, वह उन्हें समझने में कतई समर्थ नहीं होते हैं। यही कारण है कि इन कानूनों के कारण उत्पन्न विवाद न्यायालयों के विभिन्न स्तरों पर सालों चलते रहते हैं।

साधारण नागरिक, एक मूक दर्शक की तरह यह सब होते हुए देखते रहने के लिए बाध्य है। यही कारण है कि एक ही प्रकार के कानून के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के निर्णय अलग-अलग स्तरों पर होते हैं जो कई बार विरोधाभासी होते हैं।

मैंने राजकीय सेवा में सन 1974 में प्रवेश किया था, किंतु तब से अब तक 48 वर्षों में कानून बनाने वालों की भाषा में कोई बदलाव नहीं आया है। आप चाहे कोई कानून उठा कर देख लें, यहां तक कि सरकारी नियम और प्रक्रिया भी देख लें तो उसकी भाषा इतनी जटिल एवं शब्द इतने क्लिष्ट हैं कि उसका अर्थ समझना संभव नहीं है। भाषा हिंदी हो अथवा अंग्रेजी, जटिलता दोनों में समान रूप से दिखाई देती है। इस लेख में हम एक ऐसे कानून की बात करेंगे, जिसका उद्देश्य सरकारी तंत्र की जवाबदेही तय करना है। जवाबदेही कानून बनाने के लिए विभिन्न नागरिक संगठन कई वर्षों से प्रयासरत थे, विशेषकर प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय एवं उनके साथी। 'सूचना का अधिकार' कानून बनने के बाद किसी भी निर्णय प्रक्रिया के पीछे क्या आधार रहा, उसे जानने का एक अवसर जनता को मिला है, किंतु विभिन्न समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्रों का निस्तारण समय पर नहीं होने से वह अब भी सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर है। विलंब और परेशानी से बचने के लिए उसे कई बार 'सुविधा शुल्क', किसी न किसी नाम से देना पड़ता है। मेरा विचार है कि जब कानून नियम एवं प्रक्रिया स्पष्ट और सरल होगी तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना भी सरल होगा। इसी उद्देश्य से कानून बनाने की मांग करते रहे हैं। इससे पूर्व, राजकीय सेवाओं प्रदान करने का गारंटी कानून, सुनवाई का अधिकार कानून, राजस्थान सरकार ने पारित कर देश में एक प्रकार से पहल की थी। इन सभी कानूनों में कमी, पदाधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित कर उन्हें दण्डित करने की थी। इस हेतु संगठनो द्वारा जवाबदेही कानून का प्रारूप प्रस्तुत किया गया। अब सरकार ने प्रस्तावित कानून के प्रारूप को वेबसाइट पर डाल कर नागरिकों से सुझाव एवं आपत्तियां मांगी हैं। यह एक ऐसा अवसर है जब इस कानून की भाषा पर विचार किया जाए एवं यह भी देखा जाए कि इस कानून का लाभ वास्तव में जवाबदेही सुनिश्चित करने में कितना मिल पाएगा?

पहले तो हम इस कानून की भाषा एवं इसमें प्रयुक्त शब्दावली पर ही गौर करें तो पाएंगे कि यह आम जनता की भाषा से कहीं दूर है। उदाहरण के लिए इस कानून के कुछ अंश नीचे उद्धृत हैं:–

'शिकायत' से सेवा के परिदान में सदोष प्रत्याख्यान या अननुपालन के संबंध में जैसा विहित किया जाए, सरकार की नीति कार्यक्रम या योजना के अधीन सेवाएं प्रदान करने में विफल होने पर अनुतोष चाहने के लिए। आशयित हिताधिकारी या हिताधिकारियो द्वारा लोक प्राधिकारी के समक्ष किया गया कोई आवेदन अभिप्रेत है।

उपरोक्त पंक्तियाँ केवल शिकायत को परिभाषित करने के लिए हैं। पाठक इस बात से सहमत होंगे कि यह भाषा किसी भी साधारण व्यक्ति की समझ से परे है। इसमें ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया है,जिसका अर्थ समझने के लिए डिक्शनरी देखनी पडेगी। अभी तक समझ में नहीं आया कि क्यों हम सामान्य बोलचाल की भाषा में कानून नहीं बना सकते ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कोर्ट - कचहरी के चक्कर न लगाने पड़े। भाषा चाहे हिंदी हो अथवा अंग्रेजी, दोनों में ही, छोटे वाक्य और सरल शब्दों का प्रयोग करते हुए सामान्य बोलचाल की एवं समझ में आने वाली भाषा में कानून बनाए जा सकते हैं। इसका एक प्रयोग, सरकार चाहे तो इस कानून के माध्यम से कर सकती है। सरकार यदि हिंदी को अधिक प्रचलन की भाषा बनाना चाहती है तो हिन्दी को राजभाषा विभाग के चंगुल से निकालना होगा और उसे सामान्य समझ में आने वाली भाषा के रूप में काम लेना होगा। यदि ऐसा किया गया तो न केवल इससे हिंदी अधिक प्रचलित होगी अपितु उसकी मान्यता भी बढ़ेगी। साथ ही, इस प्रकार की भाषा के माध्यम से, नागरिक, उसके लिए बनाए गए विभिन्न योजनाओं का उपयोग बिना किसी बिचौलियों की सहायता के कर पाएगा। इससे सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार समाप्त करने में भी सहायता मिलेगी।

अभी तक समझ में नहीं आया कि क्यों हम सामान्य बोलचाल की भाषा में कानून नहीं बना सकते ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कोर्ट - कचहरी के चक्कर न लगाने पड़े। भाषा चाहे हिंदी हो अथवा अंग्रेजी, दोनों में ही, छोटे वाक्य और सरल शब्दों का प्रयोग करते हुए सामान्य बोलचाल की एवं समझ में आने वाली भाषा में कानून बनाए जा सकते हैं।

जो प्रारूप स्वैच्छिक संगठनों ने सरकार को दिया था, उसे बिल्कुल ही बदल दिया गया है और इसमें जिम्मेदार अधिकारियों को दंड का प्रावधान नहीं है। यह स्पष्ट नहीं कि कितने समय में कौन सा काम किया जाएगा एवं जब यह काम नहीं होगा तो उसके लिए संबंधित अधिकारी को कितना दंड मिलेगा? दंड देने के लिए अधिकार किसके पास होगा, इसका उल्लेख नहीं है। जवाबदेही के अभाव का मुख्य कारण यह है कि किसी भी प्रकरण को लंबित रखकर या उसमें विभिन्न प्रकार की कमियां निकाल कर परेशान किया जा सकता है। एक ही प्रकार के प्रकरण में अलग-अलग तरह के निर्णय होते हैं। निर्णय इस पर निर्भर करता है कि आप किसी बिचौलिए अथवा एजेंट के माध्यम से गए हैं, किसी बड़े अधिकारी या जनप्रतिनिधि से सिफारिश करा के गए हैं या सीधे ही कार्यालय गए हैं। होना तो यह चाहिए कि चाहे सीधा जाए अथवा किसी के माध्यम से,उसके कार्य के निस्तारण की गति एवं गुणवत्ता में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। कानून में यह स्पष्ट होना आवश्यक है किसी भी विभाग में कार्य करने के लिए जिम्मेदारी किसकी होगी एवं किस प्रकार की प्रक्रिया होगी? यह स्पष्ट होगा तो कोई भी अधिकारी बिना काम को अटकाए, समय पर काम करने के लिए बाध्य हो जाएगा। साधारण नागरिक चाहे वह बहुत पढ़ा-लिखा न भी हो, इतना तो समझता ही है कि उसके हित में क्या है? जब उसे स्पष्ट होगा कि किसी भी विषय संबंधी उसका कार्य कराने हेतु क्या-क्या दस्तावेज लगाने हैं एवं एक बार आवश्यक दस्तावेज लगाने के बाद उसे दोबारा कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं होगी, तो फिर क्यों भला किसी व्यक्ति को रिश्वत देगा या अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाएगा? ऐसा होगा, तभी हम कह पाएंगे कि वास्तव में राज्य में सुशासन स्थापित करने में सफल हो पाए हैं। साधारण नागरिक को बड़ी-बड़ी बातों से कोई मतलब नहीं है। उसे तो रोजमर्रा के छोटे-छोटे विषय बिजली, पानी का कनेक्शन, भूखंड पर भवन निर्माण की स्वीकृति, भूखंड का भूमि रूपांतरण, आवंटन, अपनी भूमि का उत्तराधिकारी के आधार पर बंटवारा, करना हो या भूमि का विक्रय पर नाम हस्तांतरण आदि से अधिक जुझना पडता है।

संविधान में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार दिया है तो फिर अलग-अलग लोगों से अलग-अलग व्यवहार क्यों? अभी हाल ही में पूरे देश में संविधान दिवस 26 नवंबर को मनाया गया। नागरिक को संविधान की मूल भावना के अनुसार, कानून के अंतर्गत समान रूप से न्याय प्राप्त करने का अधिकार तो मिले। यह तभी संभव है, जब हमारे कानून बहुत सरल एवं स्पष्ट होंगे। इसकी शुरुआत, इस जवाबदेही कानून से कर सकते हैं। जवाबदेही कानून को जटिल बनाने वालों की भी जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। विधि प्रारूप कारों को भी इस विषय पर साधारण नागरिक की दृष्टि से विचार करना होगा और तब अपना प्रारूप बनाना होगा। ऐसा होने पर लोगों के सुझाव भी इस बारे में बहुत मिलेंगे तथा जब इस पर विधानसभा में चर्चा होगी, उस पर विधायक गण भी सरलता के साथ इस कानून के विभिन्न प्रावधानों पर चर्चा कर सकेंगे। हम यह मानकर चलते हैं कि कानून केवल विधि वेत्ता के लिए है। मेरी दृष्टि में। विधि रचनाकार तो केवल इसके माध्यम हैं, इसका असली प्रभाव तो साधारण जनता पर पडता है। हमें विधि विशेषज्ञों के बारे में अधिक चिंतित करने की आवश्यकता नहीं है। अपितु बिना किसी पूर्वाग्रह के नागरिकों के हित में व्यवस्था बनाने हेतु कार्य करना होगा। भारत के नए मुख्य न्यायाधीश ने भी इसी प्रकार की बात कही है कि न्यायालयों को, न्याय त्वरित न्याय प्रदान करने हेतु नागरिक के पास जाना होगा न कि नागरिकों को अनावश्यक रूप से न्यायालयों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर किया जाय। इस प्रकार की व्यवस्था का प्रारंभ तो हमें, कानून को सरल बनाने से ही करना होगा।

राज्य सरकार से यह आशा है कि वह प्रस्तावित जवाबदेही कानून का प्रारूप सरल भाषा में जारी करे ताकि सर्व साधारण, उसे समझ कर अपनी टिप्पणियां दे पाए। इसमें अधिकारियों पर तत्काल दंड का प्रावधान भी करना होगा और साथ ही, जिस व्यक्ति पर दंड देने की जिम्मेदारी है, उसकी भी जवाबदेही तय करनी होगी। यह भी हमें समझना होगा कि प्रत्येक स्तर की जवाबदेही केवल और केवल मात्र नागरिक के प्रति है। यही जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए संविधान निर्माताओं ने संविधान का निर्माण किया था। सभी कानून, संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करने हेतु ही बनाए जा रहे हैं। इससे अच्छा क्या होगा कि हम नागरिक के हित में प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय करने में सफल हो सकें?

यदि ऐसा नहीं किया गया तो, वर्तमान रूप में जो जवाबदेही कानून सामने आया है, उससे तो कोई आशा नहीं बनती है कि नागरिक को कोई न्याय मिलेगा एवं अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उन्हें दंड मिलेगा। जब तक कोई भी कानून दंत विहीन और नख विहीन होगा तो उसकी परवाह प्रशासनिक तंत्र करेगा, इसकी आशा करना व्यर्थ है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

आहार में मुख्य पोषक तत्वों के अतिरिक्त कुछ अन्य तत्व भी वांछनीय होते हैं क्या?

शरीर में वृद्धि अथवा परिवर्तन के लिए वांछित पोषण आवश्यक होता है। यह पोषण भोजन के द्वारा शरीर को प्रतिदिन प्राप्त होता है । चूंकि शरीर की वृद्धि में अनेक तत्व आवश्यक होते हैं अत: उन सभी तत्व की आहार से पूर्ती होना चाहिए।

शरीर की अवस्थाओं और शारीरिक श्रम के अनुसार पोषक तत्वों की मांग बढ़ती-घटती है। अत: शरीर आवश्यकता के अनरूप आहार में सभी पोषक तत्वों की प्रचुरता विध्यमान होनी आवश्यक है। पोषक तत्वों के मुख्य घटक ऊर्जा (शर्करा एवं वसा) के अतिरिक्त, वसा प्रोटीन, खनिज, विटामिन्स आते हैं। ये सभी पोषण के तत्व हैं। इनके अलावा कुछ और तत्व भी खोज लिए गए हैं जिनसे न तो पोषण मिलता है और न ही कोई ऊर्जा। वैज्ञानिकों ने ऐसे आहार जिनमे ऐसे तत्व मौजूद होते हैं उन्हें पोषण से परे खाद्य (फ़ूड बियॉन्ड नुट्रिशन) की संज्ञा दी है। आगे हम ऐसे ही कुछ महत्वपूर्ण खाद्य व् उनमे मौजूद तत्वों की व्याख्या करेंगे जिनसे आम आदमी अभी तक अनभिज्ञ बना हुआ है।

सर्व प्रथम हम लेते हैं :–

1. फाइबर अथवा रेशा :– खाद्य के फाइबर का पोषण में बड़ा योगदान है। कोई ऊर्जा नहीं देने पर भी फाइबर आमाशय और आँतों में अधपचे पदार्थ को ठोस या सीमेंट सदृश होने से रोकता है जिससे पाचन किण्वकों (एन्ज़ाइम्स) की भोजन पचाने में सक्रियता बढ़ती है और आहार सुगमता से पाचन तंत्र में आगे बढ़ता रहता है। फाइबर भी घुलनशील और अघुलनशील दो प्रकार के होते हैं। घुलनशील फाइबर बड़ी आंत में किण्वित (फरमेंट) होते हैं। वहां उपस्थित कुछ लाभकारी जीवाणुओं द्वारा ऐसे तत्व पैदा करते हैं जिनकी उपस्थित से हानिकारक जीवाणु मर जाते हैं और उत्पन्न हुए पदार्थों विशेष रूप से अम्लों से आहार का कैल्शियम घुलनशील होकर आंत से सुगमता से अवशोषित हो जाता है। यह कार्य बड़ी आंत अथवा कोलन में संपन्न होता है, अन्यथा बड़ी आंत में आहार के किसी मुख्य तत्व का पाचन नहीं होता और न ही वहां कोई किण्वक (एंजाइम) स्त्रावित होता है। इसलिए भोजन में फाइबर का भोजन में प्रचुरता से रहना परम आवश्यक है। जिसके लिए सभी अनाज, दालें आदि छिलके सहित ही खाना चाहिए। वनस्पति स्त्रोत से मिलने वाले फाइबर में इनुलिन, सीड गम, इसवगोल, बबूल का गोंद, तथा जीवाणुओं से उत्पन्न गोंद जैसे– ज़ेंथेन, गेलंन आदि।

2. फ़ायटो नूटीऐंट्स :– इस श्रेणी के तत्वों में कैरोटेनॉयड्स, फ्लवोनोइड्स, फ़ायटोस्टेरॉल्स, पॉलीफेनोलिक्स, फायटो एस्ट्रोजेन्स, ऑर्गनॉसल्फर और ग्लूकोसिनोलेट्स शामिल हैं। इनके खाद्य स्त्रोतों में गाजर, काशीफल, पपीता, नारंगी संतरा और हरी पत्तेवाली सब्जियां मुख्य हैं। पोषण की दृष्टि से ये अवयव इनर्ट अथवा निष्क्रिय होते हैं लेकिन ग्रीन चाय में मौजूद कटेचिन कैंसर इलाज में कीमोथेरेपी को सहायता देते हैं। फ्लवोनोइड्स में चोकोलेट, कोका,

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

साइट्रस फल और बेरीज एंटीऑक्सीडेंट और मधुमेह रोधक का कार्य करते हैं। लिकोपिन लाल रंजक जो टमाटर और अनार, तरबूज आदि में रहता है शरीर की कोशिकाओं से हानिकारक विचरती सिंगल ऑक्सीजन को पकड़ कर बाहर कर देता है।

वसा से सम्बंधित ब्यूटिरिक अम्ल,; मोनो असंतृप्त ग्लीसेरीड ; कंजुगेटेड लिनोलिक अम्ल ; और ओमेगा वसीय अम्ल स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। गाय भैस का दूध अमूमन इन सब का अच्छा स्त्रोत है। दूध साधारणत: लेक्टोफेरिन ; व्हेय प्रोटीन ; कंजुगेटेड लिनोलीक एसिड ; ग्लीकोप्रोटीन्स ; बायोएक्टिव पेप्टाइड ; और ओलिगो सकारीड की उपस्तिथि से अनेक हेल्थ लाभ प्रदान करता है जिनमे हृदय सम्बन्धी व्याधि भी शामिल हैं।

3. फ़ायटोस्टरॉल और असंतृप्त वसीय अम्ल :– यह स्टेरोल टरपीन होने से आंत में कोलेस्ट्रॉल से अवशोषण में संघर्ष करते हैं, तथा कोलेस्ट्रॉल को शरीर से बाहर करने में सहायक है। ओमेगा वसीय अम्ल (डी एच ए, व् ए अल ए) का अवसाद रोकने, एकाग्रता में कमी, अल्झाइमर और डेमेंशिया नामक बीमारिओं को रोकने में सहायक होते हैं और आँखों की रेटिना (पर्दा) के स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है।

वैसे अम्लों में मूफ़ा (ऍम यु ऍफ़ ए) और पूफ़ा (पॉली असंतृप्त वसीय अम्ल) की उपस्तिथि शरीर की अनेक क्रियाओं में सहायक होते हैं। मोनो असंतृप्त के स्त्रोत जैतून का तेल, केनोला व् सरसों का तेल, और बहुअसंतृप्त अम्लों के स्त्रोत अखरोट, अलसी, मछली का तेल, सूरजमुखी तेल, कुसुम का तेल तथा कॉर्न का तेल इन ओमेगा वसीय अम्लों के अच्छे स्त्रोत हैं।

4. ग्लूकोसिनोलेट और ओर्गनो सल्फर :– ये तत्व वनस्पति यथा, सरसों प्रजाति की, फूलगोभी, पत्तागोभी, हरीगोभी (ब्रोकली), शलजम, मूली आदि में मिलते हैं। ये तत्व ताकतवर कैंसररोधी होते हैं। ऑर्गनॉसल्फुर, लहसुन, प्याज, स्कालिओं (हरा प्याज) में मौजूद होते हैं, ये शरीर के विषैले पदार्थों को निकाल रोगप्रतिरोधक क्षमता और हृदय को शक्ति प्रदान करते हैं। ये रक्त चाप, और कोलेस्ट्रॉल को भी कम करते हैं, जिससे हृदयघात होने की सम्भावना कम हो जाती है।

5. अन्य अवयव :– वैसे तो सूची लम्बी है लेकिन प्रोबिओटिक्स की बात बताना जरूरी है। प्रोबिओटिक्स लाभकारी जीवाणु होते हैं जिन्ह हम नित्य दही, छाछ, दूध के अन्य किण्वित उत्पाद यथा चीज़, माखन, लस्सी-छाछ सरीखे, कुछ अचार में भी किण्वन से लाभकारी जीवाणु उत्पन्न हो जाते हैं। सिरका (विनेगार) ऐसा ही एक उत्पाद है जो गन्ना सेव जामुन आदि से किण्वन कर बनाया जाता हैं।

लैक्टिक अम्ल पैदा करने वाले जीवाणु जैसे स्ट्रेप्टोकॉकस लैक्टिस , लैक्टोबैसिलस थर्मोफिलस , एसिडोफिलस, बीफेडोबक्टेरियम आदि जीवाणु पाचन तंत्र की बड़ी आंत में पनप कर और वहां रहकर कमाल के फायदे पहुँचाते हैं।

उपरोक्त वर्णन को भलीभांति समझ कर पाठक अपने आहार के अवयवों का समुचित चयन करें। उपरोक्त वर्णित सूक्ष्मतम तत्वों की पूर्ती तभी संभव होगी जब हम आहार के अवयवों की भिन्नता को प्रतिदिन वरीयता से छांटकर आहार में सम्मिलित करेंगे।

खाद्य वस्तुएं चयन करते समय सात रंगों की सब्जियां और फल ही अशरीर अपने आहार में सम्मिलित करे प्रतिदिन बदल-बदल कर। जहाँ तक हो सके सब्जिओं और फलों को अच्छी प्रकार जल से साफ़ कर छिलके सहित ही खाने की प्राथमिकता रखें। ऐसा करने से आपका शरीर अनेक रोगों से बचा रहेगा।

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ
एमपीयूएटी उदयपुर

आधा सत्र बीत जाने के बाद भी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी

चाकसू, (निसं)। वर्ष 2022-23 के शैक्षिणक सत्र का आधा समय गुजर चुका है। कांग्रेस सरकार खाली पदों पर नियुक्ति नहीं निकाल रही। विद्यालय एवं महाविद्यालयों की घोषणा अवश्य कर दी गई है लेकिन भौतिक संसाधनों के साथ साथ शिक्षकों की कमी को लेकर अविभावक परेशानी में हैं वहीं बालकों की पढ़ाई नहीं हो पा रही। मासिक टेस्ट, अर्धवार्षिक परीक्षा कैसे हो रही है यह सच्चाई शिक्षक ही जानते हैं अथवा विद्यार्थी।

सरकार ने एक माह पहले ही नई नियुक्ति होने तक सभी माध्यमिक उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों को गेस्ट फैकल्टी पर विषय के अनुसार अस्थाई रूप से शिक्षक लगाने के निर्देश जारी किए गए थे। हमेशा की तरह इस बार भी सरकार ने एनवक्त आरक्षण का हवाला देते हुए गेस्ट फैकल्टी भर्ती योजना ही निरस्त कर बेरोजगार युवकों की आशाओं पर पानी फेर दिया। केवल चाकसू तहसील के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अंग्रेजी विषय के 12, गणित विषय के 5, हिंदी विषय के 10, शारीरिक शिक्षकों के 9, सामान्य शिक्षकों के 10 पद रिक्त चल रहे हैं। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मानपुर, सांवलिया,सवाई माधोसिंह पुरा एवं स्वामी का वास में साइंस मैथ्स विषय तो है लेकिन अध्यापक ही नहीं है। इसी प्रकार गिरधारीलाल लाल पुरा, सांवलिया एवं माधोसिंह पुरा में भूगोल के व्याख्याता नहीं है। निमोडिया विद्यालय में इतिहास एवं टूमली का वास विद्यालय में अर्थशास्त्र का व्याख्याता नहीं है। आजम नगर में उर्दू अध्यापक की पोस्ट खाली चल रही है। बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शारीरिक शिक्षक का पद रिक्त पड़ा है। एक दर्जन से अधिक पद तो सामान्य शिक्षकों के ही रिक्त चल रहे हैं। जानकारी के अनुसार कोटखावदा तहसील के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में लगभग 53 पद शिक्षकों के रिक्त चल रहे हैं। इस विषय को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने पत्र व्यवहार करने के अलावा कुछ नहीं किया तो जनप्रतिनिधियों को जैसे इस विषय को लेकर कोई सरोकार ही नहीं है। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा के अध्यक्ष रामप्रसाद चौधरी, जिलाध्यक्ष रामावतार शर्मा, प्रदेश प्रतिनिधि महावीर प्रसाद गुप्ता ने उपखंड के सभी विद्यालयों में खाली चल रहे पदों पर यथाशीघ्र नियुक्ति के लिए आदेश जारी करने की मांग की है।

- **कांग्रेस सरकार खाली पदों पर नियुक्ति नहीं निकाल रही**
- **मानपुर, सांवलिया, सवाई माधोसिंह पुरा एवं स्वामी का वास स्कूल में गणित के अध्यापक ही नहीं**

दो दर्जन दुकानों से जब्त की दो क्विंटल से अधिक पॉलीथिन

सिंघाना, (निसं)। खेतड़ी नगरपालिका व सिंघाना प्रशासनिक टीम द्वारा सोमवार को सिंघाना कस्बे के मुख्य बाजारों में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापामार कार्यवाही को अंजाम दिया। इस दौरान दो दर्जन दुकानों पर कार्यवाही करते हुए दो क्विंटल प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त कर 36 हजार रुपए जूर्माना वसूल किया है। पालिका ईओ सुरेश कुमार वर्मा ने बताया कि पर्यावरण मंत्रालय व जिला कलेक्टर के निर्देश पर शहर में पालिका की टीम द्वारा सिंघाना बाजार में अलग-अलग दुकानों पर छापामार अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पालिका की टीमों ने करीब दो दर्जन दुकानों से दो क्विंटल सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री जब्त की । जिन दुकानों पर प्रतिबंधित पॉलीथिन पाई गई। उनका चालान कर 36 हजार रुपए की राशि वसूल की गई।

खेतड़ी नगरपालिका व सिंघाना की प्रशासनिक टीम ने पॉलीथिन जब्त करने की कार्रवाई की।

इस दौरान दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि सिंगल यूज प्लास्टिक काम में लेते पाए जाने पर सौ रुपए से लेकर 25 हजार रूपए तक जुर्माना राशि वसूल की जाएगी। ईओ वर्मा ने बताया कि अभी व्यापारियों से पॉलीथिन के प्रतिबंध को लेकर अपील की जा रही है। यदि वह जल्द ही सरकार के नियमों के अनुरूप पालना नहीं करेंगे तो अभियान में तेजी लाई जाएगी और प्रभावी रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। इस दौरान नगरपालिका की टीम ने व्यापारियों से पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने की अपील भी की। मुख्य बाजार में पॉलीथिन के खिलाफ कार्यवाही होते देख व्यापारियों मे हडकंप मच गया। टीम में सिंघाना कार्यवाहक थानाधिकारी अजय सिंह, एएसआई धुड़सिंह, नगेंद्र कुमार, संजना मीणा, नरेश कुमार, संदीप शर्मा, सफाई निरीक्षक सुनील सैनी, फायरमैन लोकेश सिंह, अमीलाल, अनिल कुमार, गौतम चौधरी आदि शामिल थे।

106 वर्षीय राजा देवी का निधन

सुजानगढ़, (निसं)। शिव बाडी के पास रहने वाली 106 वर्षीय राजा देवी स्वामी के निधन पर उनकी अंतिम यात्रा में सैकडों गणमान्य जनों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की ।

किशोर दास स्वामी ने बताया कि शहर में शिव बाडी के पास, नयाबास निवासी राजा देवी स्वामी का 106 वर्ष की उम्र में निधन होने पर सैकडों लोगों ने बैकुंठी यात्रा निकालकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वर्गीय रणछोड दास स्वामी की धर्मपत्नी व रतनदास स्वामी और लक्ष्मणदास स्वामी की मां राजा देवी स्वामी सुजानगढ की सबसे उम्रदराज महिलाओं में शामिल थी ।

27 नवंबर की शाम उनका निधन होने के पश्चात 28 नवंबर को नयाबास स्थित उनके पौत्र पुसराज स्वामी के घर से नाथो तालाब स्थित मोक्ष धाम तक बैकुंठ यात्रा निकाली गई।

जिसमें शहर के सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक क्षेत्र से जुडे सैकडों लोग शामिल होकर शहर की सबसे वयोवृद्ध महिला राजा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की ।

राशिफल मंगलवार 29 नवम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीष मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, श्रवण नक्षत्र प्रात: 8:38 तक, धुव्र योग दिन 2:52 तक, तैतिल करण दिन 11:05 तक, चन्द्रमा सांय 7:51 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृष, बुध-वृश्चिक, गुरू-मीन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग और रवियोग दिन 10:29 से आरम्भ होगा। द्विपुष्कर योग दिन 11:05 से सूर्योदय तक है। राजयोग दिन 11:05 से आरम्भ होगा। आज श्री रामकलेवा, स्कन्ध षष्ठि, मित्र सप्तमी है। पंचक सांय 7:51 से आरम्भ होंगे।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:38 से 10:56 तक, लाभ-अमृत 10:56 से 1:33 तक, शुभ 2:52 से 4:10 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:01, सूर्यास्त 5:29

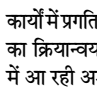

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

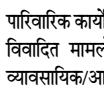

सिंह

सिंह: घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों में में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

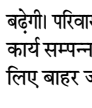

धनु

परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष

घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटके हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

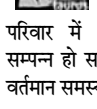

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का भय बना रहेगा।

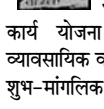

तुला

परिवार में आपसी अनबन, वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

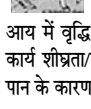

कुंभ

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यक्तिगत कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

कर्क

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण मामलों में भाई-बंधुओं से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। शुभ-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

राजस्थान पुलिस ने एक हजार किलो अवैध गांजे से भरा ट्रक मध्यप्रदेश में पकड़ा

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मध्यप्रदेश के गुना इलाके में एक हजार किलो अवैध गांजे से भरे ट्रक को पकड़ा है। राजस्थान नंबर का यह ट्रक जलपाईगुड़ी से गांजे की तस्करी करके ला रहा था। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 करोड़ रुपये की कीमत का गांजा भी जब्त किया। मध्यप्रदेश की गुना पुलिस ने ट्रक सवार तस्कर को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) डॉ. रविप्रकाश मेहरडा ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि झालावाड़ निवासी तस्कर महेंद्र सिंह ने राजस्थान में सप्लाई के लिए अवैध गांजे की बड़ी खेप मंगवाई है। सूचना पर एक विशेष टीम गठित कर मध्यप्रदेश की तरफ रवाना की गई। सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मध्यप्रदेश तक ट्रक का पीछा किया और गुना से कुछ दूरी पहले राजस्थान नंबर के संदिग्ध ट्रक को रुकवाने की कोशिश की। ट्रक चालक तस्कर ने पुलिस जीप पर ट्रक चढ़ाकर पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश की। सीआईडी टीम किसी प्रकार से बाल-बाल बच गई, इसके बाद गुना पुलिस की मदद लेकर आगे नाकाबंदी करवाकर ट्रक का पीछा किया।

गुना बाईपास प्रसार भारती दूरदर्शन केंद्र के सामने नाकाबंदी में स्थानीय पुलिस ने ट्रक को रुकवा लिया। इस बीच ट्रक का पीछा करते हुए राजस्थान सीआईडी की टीम भी पहुंच गई। इस ट्रक में रबर मैटेरियल भरा हुआ था, जिसके नीचे पैकेट छुपाए हुए थे। तलाशी में 10-10 किलो के 100 पैकेट मिले, जिनमें 1 हजार किलो गांजा भरा हुआ था। ट्रक सवार तस्कर बद्रीलाल यादव (41) निवासी गांव रतन खेड़ी आगर मालवा मध्य प्रदेश से पूछताछ की गई तो उसने जलपाईगुड़ी के पास माता बंगा क्षेत्र से गांजा लाने की बात स्वीकारी। आरोपी यह गांजा झालावाड़ के दाता का खेड़ा निवासी महेंद्र सिंह तथा आगर मध्य प्रदेश निवासी कमल सिंह व चेन सिंह ठाकुर को सौंपने वाला था। पुलिस ने अवैध गांजे से भरे ट्रक को जब्त कर आरोपी बद्री लाल यादव को गिरफ्तार कर लिया।

- मध्यप्रदेश के गुना में सीआईडी की टीम ने ट्रक रुकवाना चाहा तो ड्राईवर ने पुलिस जीप को टक्कर मारकर भागने की कोशिश की
- रबर मैटेरियल से भरे ट्रक में गांजे के 10-10 किलो के 100 पैकेट छुपा कर रखे हुए थे
- बरामद गांजे की कीमत करीब दो करोड़ रुपए आंकी गई है

राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मध्यप्रदेश के गुना इलाके में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो करोड़ रुपये की कीमत का गांजा भी जब्त किया।

ब्रज संस्कृति से महका जवाहर कला केन्द्र का प्रांगण

राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने भगवान कृष्ण और राधा बने कलाकारों को पुष्पहार अर्पित किया।

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र के मुक्ताकाशी मंच पर सोमवार को ब्रज संस्कृति से महक उठा। राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी के 38वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में ब्रज संस्कृति की अनुपम छटा बिखरेते रंगारंग कार्यक्रम हुए।

अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण शर्मा और सचिव गोपाल लाल गुप्ता ने बताया कि समारोह में डीग के भारतीय कला संस्थान के अशोक कुमार शर्मा के निर्देशन में राजस्थान के ब्रज क्षेत्र से आए कलाकारों ने श्रीकृष्ण रास, बम रसिया, शिव तांडव, रसिया नृत्य, चरकुला नृत्य आदि के मन मोहक प्रदर्शन से वहां मौजूद लोगों का दिल जीत लिया। सभी नृत्यों में कलाकारों के परिधान और नृत्यों की दृश्य संरचना देखने योग्य थी। इस मौके पर हिण्डौन के छैल बिहारी पाठक के निर्देशन में कलाकारों ने लांगुरिया नृत्य पेश किया। इस नृत्य के गीत की लय-ताल और नृत्य कलाकारों की भाव मुद्राएं ऐसी थीं कि कार्यक्रम बैठे लोगों के कदम खुद-ब-खुद थिरकने लगे। समारोह की अंतिम प्रस्तुत बेहतरीन रही। विभिन्न प्रस्तुतियों में शामिल 54 कलाकारों ने एक साथ मंच पर आकर एक सुर और एक लय पर फूलों की होली के जरिए भगवान श्रीकृष्ण के महारास को जीवंत कर दिया। सचिव गोपाल लाल गुप्ता ने अकादमी का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।समारोह के दौरान पर आए अतिथियों ने राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी के नए लोगों का लोकार्पण किया।

कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री डॉ. बीडी कल्ला और कला एवं संस्कृति विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ के सानिध्य में हुए इस समारोह की शुरुआत में ब्रज भाषा अकादमी के दो पूर्व अध्यक्ष हीरालाल शर्मा और कृष्णचंद गोस्वामी तथा दो पूर्व सचिव नाथूलाल महावर और पारीक को ब्रज भाषा सेवा सम्मान से नवाजा गया। कल्ला तथा राठौर ने चारों विभूतियों को शॉल स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने तीन निजी विश्वविद्यालयों के विधेयक पुनर्विचार के लिए लौटाए

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने पन्द्रहवीं विधानसभा के सप्तम सत्र द्वारा पारित तीन निजी विश्वविद्यालयों-ड्यून्स विश्वविद्यालय, जोधपुर, व्यास विद्या पीठ विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा सौरभ विश्वविद्यालय, हिन्डौन सिटी, करौली के अलग-अलग विधेयकों को पुनर्विचार हेतु लौटा दिया है। मिश्र ने संविधान के अनुच्छेद 200 और उसके परन्तुक के अनुसरण में प्रस्तावित निजी विश्वविद्यालयों के इन विधेयकों को निर्धारित नियमों के अंतर्गत प्रक्रिया पूर्ण नहीं किए जाने के कारण लौटाया है।

राज्यपाल ने कहा है कि इनकी पत्रावली देखने से स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि प्रस्तावित निजी विश्वविद्यालय भूमि, भवनों के निर्धारित नियमों की बगैर पालना ही स्थापित किए जा रहे हैं। इनसे राज्य के राजस्व का भी सीधे तौर पर नुकसान होता प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बगैर भू रूपांतरण, भवन के बगैर संचालित पाठ्यक्रमों पर भी आपत्ति जताई है।

राज्यपाल ने इस संबंध में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पृथक से पत्र भी लिखा है। इसमें प्रस्तावित निजी विश्वविद्यालयों द्वारा निर्धारित नियमों के अंतर्गत भवन एवं भूमि तथा पाठ्यक्रमों के संचालन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं किए जाने का उल्लेख किया है। मिश्र ने विधेयक पुनर्विचार के लिए लौटाने सबंधित मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में लिखा है कि विधेयकों के संबंध में पत्रावलियों के अवलोकन से पता चलता है कि राज्य में यह जो निजी विश्वविद्यालय स्थापित हो रहे हैं, वे नियमों और समय समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों की कमियों को सम्भागीय, राजस्व अधिकारियों की उच्च स्तर पर कमेटी गठित कर विस्तृत जांच कराने के भी निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने विधेयक लौटाते हुए पत्र में स्पष्ट कहा है कि निजी विश्वविद्यालय की स्थापना के संबंध में व्यापक विचार विमर्श कर राज्य सरकार एक समग्र नीति निर्माण कर कार्यवाही करें।

न्यायिक कर्मियों का सामूहिक अवकाश जारी

जयपुर, (का.सं.)। न्यायिक अफसर के निवास पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुभाष मेहरा के आत्मदाह से जुड़े मामले को लेकर जिला न्यायालय सहित जयपुर मेट्रो प्रथम व द्वितीय के न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश सोमवार को 11 वें दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों के अवकाश के कारण अदालतों का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है। वहीं आमरण अनशन कर रहे संघ के प्रांतीय महामंत्री सतबीर सिंह और रामावतार मीणा के साथ अब संघ के संरक्षक नत्थू सिंह तंवर व संघर्ष समिति के अध्यक्ष बद्रीलाल चौधरी ने भी आमरण अनशन शुरू कर दिया है।

धर्मेन्द्र भल्ला को मिला डिजाइन इनोवेशन नेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सोमवार को हुए भव्य समारोह में मिनिस्टर ऑफ टेक्सटाइल पीयूष गोयल ने जयपुर के आर्टिस्ट धर्मेन्द्र भल्ला (बायें से दूसरे) को कुंदन जड़ाऊ मीनाकारी की बेजोड़ कारीगरी के लिए भारत का पहला डिजाइन इनोवेशन अवॉर्ड प्रदान किया।

जयपुर, (का.सं.)। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सोमवार को हुए भव्य समारोह में मिनिस्टर ऑफ टेक्सटाइल पीयूष गोयल ने जयपुर के आर्टिस्ट धर्मेन्द्र भल्ला को कुंदन जड़ाऊ मीनाकारी की बेजोड़ कारीगरी के लिए भारत का पहला डिजाइन इनोवेशन अवॉर्ड प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप आर्टिस्ट भल्ला को प्रशस्ति व ताम्र पत्र, अंगवस्त्र समेत 6 लाख रुपए की नकद राशि भेंट की गई। आर्टिस्ट भल्ला को उनकी आईना फ्रेम, पर्स और वाकिंग स्टिक कलाकृतियों में खूबसूरत कुंदन जड़ाऊ मीनाकारी व नवीनीकरण के लिए डिजाइन इनोवेशन नेशनल अवॉर्ड दिया गया। इसी कैटेगरी में जयपुर की डिजाइनर नेहा भाटिया को भी अवॉर्ड प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय की ओर से विभिन्न कला विधाओं में देश भर के करीब सवा सौ से अधिक एमिनेंट आर्टिस्ट्स को डिजाइन इनोवेशन समेत राष्ट्रीय और शिल्पगुरु अवॉर्ड प्रदान किए गए। समारोह के कुछ अवॉर्ड उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने प्रदान किए। इसके बाद बाकी अवॉर्ड्स मिनिस्टर ऑफ टेक्सटाइल पीयूष गोयल ने प्रदान किए।

पार्किंग समस्या को लेकर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट परिसर में पार्किंग की समस्या को लेकर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से जवाब मांगा है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश टीएन शर्मा की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट परिसर में वकीलों सहित अन्य लोगों के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। जिसके चलते वाहनों को हाईकोर्ट के बाहर जनपथ पर खड़ा करना पडता है। ऐसे में यहां लंबा जाम लग जाता है। कई बार तो अंबेडकर सर्किल से हाईकोर्ट पहुंचने में ही आधे घंटे से अधिक का समय लग जाता है। याचिका में कहा गया कि यह वीआईपी एरिया है, जहां हाईकोर्ट के अलावा विधानसभा और सचिवालय सहित अन्य सरकारी विभाग मौजूद हैं।

राहुल गांधी ने अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच समझौते की संभावनाओं को बल दिया

वैसे भी राजस्थान पहला कांग्रेस शासित प्रदेश होगा, जहां कन्याकुमारी से चली भारत जोड़ो यात्रा आ रही है, जिसमें कि आलाकमान विवादित स्थिति से बचना चाहता है

जयपुर, (का.प्र.)। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जब मीडिया ने राहुल गांधी से सवाल किया कि राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पायलट को गद्दार कहा है तो क्या आप मानते हैं कि उन्होंने गद्दारी की है? इस सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि वह इसमें नहीं जाना चाहते हैं कि किसने क्या कहा है। लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि दोनों ही नेता पार्टी की एसेट हैं और भारत जोड़ो यात्रा पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। यह बयान राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के मध्यप्रदेश में छठे दिन इंदौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया के सवालों के जवाब में दिया। राहुल गांधी ने जहां बीजेपी सरकार पर आरोप लगाए, वहीं राजस्थान की सियासत में चल रही गहमागहमी पर भी बड़ा ही नपा तुला बयान दिया। राहुल गांधी ने कहा कि किसने क्या कहा, मैं इस पर नहीं जाना चाहता, लेकिन दोनों ही नेता पार्टी की एसेट है। हां, मैं इतना जरूर कहता हूं कि इसका भारत जोड़ो यात्रा पर कोई प्रभाव नहीं पडेगा। यह कहकर राहुल गांधी ने एक तरह से राजस्थान को लेकर समझौतावादी स्थिति खड़ी की है। इससे असमंजस भी बढ़ता लग रहा है।

राहुल गांधी के बयान को लेकर जानकारों का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा से पहले कांग्रेस आलाकमान दोनों नेताओं के विवाद को हवा देने की बजाय फिलहाल ठंडा रखना चाहता है, ताकि करीब 2 सप्ताह से ज्यादा की राजस्थान से गुजरने वाली भारत जोड़ो यात्रा में किसी तरह का विवाद खड़ा नहीं हो। इसका बड़ा कारण यह है कि तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा पहली बार किसी कांग्रेस शासित राज्य से गुजरने वाली है।

इधर राजस्थान से गुजरने वाली भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक होने वाली है। जिसमें यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को आना है, लेकिन सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान इंदौर में धक्का-मुक्की में उन्हें चोट लगी है। ऐसे में वह बैठक में आएंगे या नहीं, इसे लेकर असमंजस है।

इस बीच भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में 3 या 4 दिसंबर को प्रवेश करेगी और 17 या 18 दिसंबर को हरियाणा में प्रवेश करेगी। पहले राजस्थान में यह यात्रा 17 से 21 दिन की होने वाली थी, लेकिन अब यात्रा के अभी तक के प्रोग्राम के अनुसार 14 दिन में यात्रा पूरी हो जाएगी। इसका कारण यह बताया जा रहा है कि यात्रा मार्ग में पड़ने वाले सेंचुरी क्षेत्र में यात्रा को वाहनों से पूरी करवाया जा सकता है, ताकि वन अधिनियम का उल्लंघन नहीं हो। यात्रा के दौरान राहुल गांधी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे, वहीं अलवर जिले के मालाखेड़ा में उनकी बड़ी जनसभा होगी। इसके अलावा रास्ते में होने वाली नुक्कड़ सभाएं अलग से रखी गई है।

- राजस्थान में यात्रा की अवधि घटकर अब 14 दिन की रहेगी, मंगलवार की बैठक में तैयारियों को दिया जाएगा अंतिम रूप

नड्डा 1 को जनाक्रोश यात्रा के रथों को रवाना करेंगे

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की जन आक्रोश यात्रा के रथों को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा 1 दिसंबर को जयपुर दशहरा मैदान से रवाना करेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि, 51 रथों को रवाना करने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करेंगे। 2 दिसंबर को प्रत्येक जिले से रथ रवाना होंगे, जिसमें प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेता शामिल होंगे, 3 और 4 दिसंबर को राजस्थान की सभी 200 विधानसभाओं में रथ रवाना किए जाएंगे। इस यात्रा के दौरान भाजपा के केंद्रीय नेता, प्रदेश के वरिष्ठ नेता, राजस्थान के सभी सांसद, विधायक व प्रदेश पदाधिकारी शामिल होंगे। यात्रा के दौरान अनेक स्थान पर भाजपा के वरिष्ठ नेता गांव में रात्रि चौपाल करेंगे।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अनुराग ठाकुर ने चिरंजीवी को इंडियन फिल्म पर्सनैलिटी पुरस्कार से नवाजा

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने गोवा में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में मेगास्टार चिरंजीवी को सम्मानित किया।

जयपुर (कासं)। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को मेगास्टार चिरंजीवी को इंडियन फिल्म पर्सनैलिटी पुरस्कार से नवाजा। टॉलीवुड के मेगास्टार और पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित कोनिदेला शिव शंकर वरा प्रसाद, जिन्हें लोकप्रिय रूप से चिरंजीवी के नाम से जाना जाता है, उन्हें गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के 53वें संस्करण के समापन समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। अनुराग ठाकुर ने तेलुगू अभिनेता चिरंजीवी को इंडियन पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, "चिरंजीवी का लगभग चार दशकों का शानदार करियर रहा और 150 से अधिक फिल्मों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।"

इस सम्मान के लिए इफ्फी, भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए मेगास्टार चिरंजीवी ने अपने माता-पिता और तेलुगु फिल्म उद्योग के प्रति भी आभार जताया। उन्होंने कहा, मैं हमेशा अपने माता-पिता का आभारी रहूंगा जिन्होंने मुझे कोनिदेला शिव शंकर वरा प्रसाद के रूप में जन्म दिया और तेलुगु फिल्म उद्योग का भी, जिसने मुझे चिरंजीवी के रूप में पुनर्जन्म दिया। मैं इस उद्योग के प्रति आजीवन ऋणी हूं।

केन्द्रीय सूचना-प्रसारण, युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'इफ्फी ने न सिर्फ हमारा मनोरंजन किया, बल्कि हमारा ज्ञान भी बढ़ाया। इफ्फी ने हमारे हास्य को गुदगुदाया और हमारे अनुभवों को अभिभूत कर दिया।' 'पिछले नौ दिनों में इफ्फी के दौरान कुल मिलाकर 35 हजार मिनटों के समय वाली 282 फिल्में दिखाई गईं। इस महोत्सव में दुनिया भर के 78 देशों की 183 अंतर्राष्ट्रीय फिल्में और 15 भारतीय भाषाओं में 97 भारतीय फिल्में दिखाई गईं। 20 से अधिक मास्टरक्लास, बातचीत सत्र और अनगिनत सेलिब्रिटी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से कई सत्र न केवल वास्तविक रूप में, बल्कि वर्चुअल भी सुलभ थे।' श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, 'इफ्फी में दिखाई गई व्यापक विविधता 'वसुधैव कुटुम्बकम' की जीवंत अभिव्यक्ति है जिसने दुनिया भर के रचनात्मक विचारकों, फिल्म निर्माताओं, सिनेमा प्रेमियों और संस्कृति प्रेमी लोगों को एक मंच प्रदान किया।'

उन्होंने क्षेत्रीय सिनेमा पर विशेष जोर देने और इसके विकास के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करने की जरूरत जताई। अनुराग ठाकुर ने कहा कि क्षेत्रीय सिनेमा अब क्षेत्रीय नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो गया है। उन्होंने कहा, 'इस साल कई फिल्मों जैसे कि आरआरआर, केजीएफ और अन्य ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम फहराया है। हाल ही में हमारे पास बांग्लादेश और मध्य एशियाई देशों से एक प्रतिनिधिमंडल आया था जिसमें 80 से भी अधिक युवा शामिल थे। वे केवल हिंदी फिल्मी गाने और क्षेत्रीय फिल्मी गाने सुनना चाहते थे। उन्होंने मिथुन चक्रवर्ती के दौर से लेकर अक्षय कुमार और चिरंजीवी तक की फिल्मों के बारे में चर्चा की, जो विभिन्न देशों की सीमाओं को मिटा देती हैं। यदि कंटेंट दमदार है, तो यह किसी विशेष क्षेत्र या देश की सीमा तक ही सीमित नहीं रहता है।'

- इफ्फी में दिखाई गई व्यापक विविधता 'वसुधैव कुटुम्बकम' की जीवंत अभिव्यक्ति : अनुराग ठाकुर
- 'क्षेत्रीय सिनेमा अब क्षेत्रीय नहीं रह गया है, यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो गया है'

सम्पत्ति-क्रय-विक्रय

इंद्रागांधीनगर/मालवीयनगर/सिद्धार्थ नगर/प्रतापनगर, (JLN-रोड/ रिंगरोड), जगतपुरा/मॉडलटाउन आसपास सभी हाउसिंगबोर्ड कॉलोनी, सेक्टर-रेजिडेंशियल/कमर्शियल/एग्रीकल्चर/इण्डस्ट्रियल/ हॉस्पिटल/इन्स्टीट्यूशन्स/फार्महाउसेस/रिसोर्ट, लेण्डस -(बेचने-खरीदने) हेतुः-भावना एंटरप्राइजेज, रियलिटी चेम्बरः-7599912345

कार्यालय नगर पालिका चाकसू (जयपुर)
क्रमांक : न.पा.चा./कृ.भू./2022-23/4133 दिनांक : 28.11.22
लोक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम चाकसू के खसरा नम्बर 5352 रकबा 0.36 हैक्टर 5353 रकबा 0.50 हैक्टर खसरा नं. 5354 रकबा 0.07 हैक्टर खसरा 5355 रकबा 0.90 कुल किता 4 कुल रकबा 1.83 हैक्टर भूमि के खातेदार आवेदक श्री धोकल राम पुत्र श्री रामगोपाल की ओर से जनरल पावर ऑफ एटॉर्नी होल्डर श्री आनन्द सोनी द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर उक्त भूमि पर पालिका अनुमोदित कैलाशपुरी आवासीय योजना के स्थान पर अन्य योजना विकसित करने के कारण उक्त अनुमोदित आवासीय ले-आऊट प्लान को निरस्त करने का निवेदन किया है अतः उक्त कैलाशपुरी आवासीय योजना के ले-आऊट प्लॉन को निरस्त करने के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति है तो वह आपत्ति को लिखित में इस सूचना प्रकाशन की तिथी से 7 दिवस के अन्दर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। अवधी पश्चात प्राप्त आपत्ति अंगीकार - स्वीकार नही की जावेगी।
अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका चाकसू

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email id:dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/2203 दिनांक-28.11.2022
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 14/163, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 92.250 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री बालचन्द पुत्र श्री कैवर मल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4711 दिनांक 09.01.1990 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 03.09.1992 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 2026 दिनांक 09.01.2004 के द्वारा श्री रमेश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री नारायण प्रसाद शर्मा के नाम नियमितीकरण पत्र जारी कर दिया गया है। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास में पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 09.01.2013 को करवाया गया। इसके पश्चात् श्री रमेश चन्द्र शर्मा की मृत्यु दिनांक 04.05.2021 को हो जाने के कारण इनका पुत्र श्री आमोद शर्मा पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द्र शर्मा ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत वटावारनामा प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री आमोद शर्मा पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द्र शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

खोया पाया

मेरी दुकान संख्या 6/BS/03, इन्दिरा गांधी नगर जगतपुरा जयपुर का आवंटन पत्र, अदेय प्रमाण पत्र, कब्जा पत्र, डिक्लरेशन लेटर एवं कहीं खो गये हैं। यदि किसी को मिले तो निम्न नम्बरों पर सूचित करे। मो.9782767079

मेरे आवास संख्या 14/MB/273 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं खो गया है। यदि किसी को मिले तो निम्न नम्बरों पर सूचित करे। मो. 9414135984

have lost of original documents 1. Registration, 2 Byelaws, 3. Working Committee List and 4. Other Related Documents of Chinab Apartment Vikas Samiti, Sec-28, Pratap Nagar Jaipur. Any body found please contact-9782560666, Ranveer Singh Secretary.

नाम परिवर्तन

मैं मधु कौर तलवार/मधु तलवार पुत्री श्री महेन्द्र सिंह तलवार निवासी 1768, रेड़ियों मार्केट, नेहरू बाजार, जयपुर (राजस्थान) ने अपना नाम बदलकर मधु कौर कर लिया है। भविष्य में मुझे मधु कौर के नाम से जाना जाये।

Army No. 18005781X NK कात्रे आशीष कुमार पताः 60, इंजीनियर रेजीमेंट मार्फत 56 APO 14060 जयपुर, यह कि मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम Jyothi (ज्योति) दर्ज है। जो कि गलत नाम है जबकि मेरी पत्नी का सही वास्तविक नाम Katre Jyothi (कात्रे ज्योति) है।

मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम दिव्या शर्मा, जन्मतिथि 23.05.2015 गलत दर्ज है। सही नाम दिव्या सिंह (Divya Singh) पुत्री दीप नारायण, जन्मतिथि 23.03.2015 है। Army No. 18002431A Hav दीप नारायण, पताः 60, इंजीनियर रेजीमेंट C/o 56, APO एरिया, जयपुर।

पुल के ब्लॉक टूटने से लोक निर्माण विभाग उदयपुर की पोल खुली?

घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल से पांच ब्लॉक धराशायी हुए, पुल का निर्माण कार्य कुछ समय पूर्व प्रारम्भ हुआ था

डूंगरपुर, (निसं)। एक ओर जहां राज्य सरकार यातायात सुगम बनाने के लिए बडे नदी नालों पर करोडों रूपये खर्च कर पुलों का निर्माण करा रही है वहीं सम्बंधित विभाग व कार्यकारी एजेंसियां घटिया निर्माण करा कर राजस्व को नुकसान पहुचाने में जुटे हुए हैं। इसी तरह का एक मामला डूंगरपुर जिले के आसपुर तहसील अंतर्गत देवला ग्राम पंचायत के संगमेश्वर महादेव मंदिर के निकट से गुजर रही संगमेश्वर नदी पर ग्रामीणों के अथक प्रयासों के बाद डूंगरपुर उदयपुर के बीच बनने वाले संगमेश्वर पुल का मामला सामने आया।

लोक निर्माण विभाग उदयपुर द्वारा कुछ समय पूर्व कार्य प्रारम्भ किया गया था और वर्तमान में कार्य प्रगति पर था। इसी बीच उदयपुर की ओर से आ रहे पुल के हिस्से के पांच ब्लॉक सोमवार प्रातः धराशाही हो गए गनीमत यह रही कि उस दौरान कोई भी मजदूर या अन्य आमजन पुल पर नही था अन्यथा जान माल का नुकसान भी हो सकता था।

- उदयपुर लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन और पुलिस अधिकारियों से सम्पर्क करने का प्रयास किया लेकिन सम्पर्क नहीं हो पाया
- मामले में एफ.आई. आर. दर्ज नहीं हुई है
- 50 करोड़ रुपये की लागत से होना था निर्माण कार्य

सूत्रों के अनुसार उक्त पुल का निर्माण 50 करोड़ की लागत से बनाना प्रस्तावित हुआ था और इसको लेकर विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया के पश्चात बांसवाड़ा की भारतीय कंस्ट्रक्शन कम्पनी को कार्य आदेश दिया था। पुल के निर्माण कार्य को लेकर कभी भी विभागीय अधिकारियों द्वारा गुणवत्ता की जांच नही की गई और उसी का परिणाम रहा कि घटिया निर्माण के चलते यह पुल अपने 5 ब्लॉकों के साथ धराशायी हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही बडी संख्या में देवला व सामने स्थित ग्राम पंचायत के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आक्रोश जताया। ग्रामीणों ने उक्त पुल के निर्माण में हुई निर्माण की जांच एसीबी से कराने की मांग की है तथा दोषी अधिकारी व फर्म के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

डूंगरपुर संवाददाता ने लोक निर्माण विभाग उदयपुर के एक्सईएन से सम्पर्क करने का प्रयास किया लेकिन सम्पर्क नहीं हो पाया। इस मामले में अभी तक एफआईआर भी दर्ज नहीं हुई है।

संगमेश्वर पुल का सोमवार को गिरा हिस्सा जो कि घटिया निर्माण की पोल खोल रहा है।

ट्रक व ट्रेलर में भिड़ंत के बाद लगी आग, दो जिंदा जले

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती जोधपुर बाड़मेर रोड पर सोमवार की सुबह दो वाहनों में भिडत के बाद भीषण आग लग गई। हादसे में दो लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। दुर्घटना राजमार्ग संख्या 25 पर हुई। जोधपुर, बालोतरा से पहुंची दमकलों ने काफी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। तब वाहनों में सवार जलकर खत्म हो गए। हादसा ट्रक और ट्रेलर के बीच हुआ है। दोपहर तक मृतकों की पहचान के प्रयास जारी थे। जोधपुर के बोरानाडा से दमकल की गाडिय़ों को वहां भेजा गया।

जानकारी के अनुसार राजमार्ग संख्या 25 पर सोमवार की सुबह जोधपुर से बालोतरा की तरफ आ रहे ट्रक का टायर फटने से वह सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गया। भिड़ंत के साथ अचानक दोनों वाहनों में आग लग गई। कुछ मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। आस-पास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बुझाने में विफल रहे। लोगों ने पुलिस व फायर बिग्रेड को सूचना दी।

- जोधपुर, बालोतरा से पहुंची दमकलों ने काफी मशक्कत कर आग पर काबू पाया
- ट्रक का टायर फटने से वह सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गया
- ट्रेलर चालक और खलासी फंस जाने से निकल नहीं पाए और जिंदा जल गए

पुलिस कुछ देर में घटना स्थल पर पहुंच गई। बताया जाता है कि हादसे के बाद ट्रक का ड्राइवर व खलासी बाहर निकल गए। मगर ट्रेलर चालक और उसका खलासी फंस गए और आग लगने से जिंदा जल गए। हालांकि घटना में कितने लोगों की मौत हुई इसकी पुष्टि दोपहर तक नहीं हो पाई। मगर दो लोगों के जिंदा जलने से मौत होना बताया जाता है। जानकारी के अनुसार ट्रक चावल के कट्टे भरे हुए था। जबकि ट्रेलर में प्लास्टिक का दाना था।

चार कॉन्स्टेबल को साप्ताहिक अवकाश

अजमेर, (कास)। पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने की योजना के तहत पहले दिन गेगल थाने के चार पुलिसकर्मियों को आज साप्ताहिक अवकाश दिए गए है। पहली बार पुलिस को यह सुविधा मिली है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत जयपुर रोड स्थित गेगल थाने का चयन किया गया है। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर एसपी चूनाराम जाट ने इसके लिए गेगल थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा को अधिकृत किया हैं। बेड़ा ने बताया कि पहले दिन सोमवार को चार कॉन्स्टेबल को ऑफ दिया है। इसमें थानाधिकारी अपने थाने में उपलब्ध नफरी के अनुपात में कांस्टेबल को 24 घंटे के लिए साप्ताहिक अवकाश मंजूर कर सात दिन तक योजना का पर्यवेक्षण करेंगे। आने वाली समस्याओं, उनके समाधान के लिए सुझाव और प्रस्ताव एसपी कार्यालय को भिजवाएंगे।

कोटा मंडल होकर जाने वाली ट्रेनों का मार्ग बदला

कोटा, (निसं)। पूर्व रेलवे, हावड़ा मण्डल में हावड़ा-वर्धमान के मध्य चौथी लाइन कार्य के सम्बंध में बरूईपाड़ा-चंदनपुर स्टेशन पर 28 नवम्बर से दो दिसम्बर (05 दिन) तक नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की अवधि में इस मार्ग से होकर गुजरने वाली कुछ कोटा मंडल होकर जाने वाली गाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है।

गाड़ी संख्या 12987 सियालदह-अजमेर सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग- नैहती-बंडेल-वर्धमान (यह ट्रेन दिनांक 28 नवम्बर, 29 नवम्बर, 30 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।) गाड़ी संख्या 12315 कोलकाता-उदयपुर सिटी सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग-नैहती-बंडेल-वर्धमान (यह ट्रेन 01 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।) गाड़ी संख्या 22308 बीकानेर-हावड़ा सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग-वर्धमान-बंडेल (यह ट्रेन 26 नवम्बर, 27 नवम्बर एवं 30 नवम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।) गाड़ी संख्या 12308 जोधपुर-हावड़ा सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग-वर्धमान-बंडेल (यह ट्रेन 28 नवम्बर एवं 29 नवम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।)

गाड़ी संख्या 12988 अजमेर-सियालदह सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग-वर्धमान-बंडेल-नैहती (यह ट्रेन 27 नवम्बर, 28 नवम्बर, 29 नवम्बर, 30 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।) गाड़ी संख्या 12988 बीकानेर-कोलकाता सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग-वर्धमान-बंडेल-नैहती (यह ट्रेन 01 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी। उपरोक्त ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करे।

पैंथर ने गाय का शिकार किया

उदयपुर, (कास.)। उदयपुर में कालारोही गांव के एकलिंग विहार में सोमवार अलसुबह पैंथर ने गाय को अपना शिकार बना लिया। अलसुबह जब कुछ लोगों को गाय रंभाने की तेज आवाज सुनाई दी,तो उन्होंने घर के बाहर निकलकर देखा तो वे दंग रह गए।

प्रत्यक्षदर्शियो के अनुसार पैंथर ने गाय को बुरी तरह जकडा हुआ था। जिससे गाय घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में पैंथर वहां से भाग निकला। इस घटना के बाद कॉलोनी वासियों में दहशत फैल गई। घटना जिस जगह हुई, वहां चारों तरफ मकान हैं और आबादी क्षेत्र है। ग्रामीणों का कहना है कि आज मवेशियों को पैंथर ने शिकार बनायाए कल को हमें भी शिकार बना सकते हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाकर पैंथर को पकडने की मांग की है।

एसीबी डीजी का जोधपुर की जनता से जन संवाद

जोधपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक बीएल सोनी ने जोधपुर में जनसंवाद कार्यक्रम में जनता के साथ संवाद किया और भ्रष्टाचार पर किस तरह लगाम लगाई जा सके उसको लेकर जनता से उनकी राय ली। उन्होंने इस अवसर पर अपना उद्बोधन भी दिया और कहा कि समाज को भ्रष्टाचार मुक्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा।

सोनी ने कहा कि हमें भ्रष्टाचार को स्वीकार करने की परंपरा को चुनौती देनी है। सरकार सरकारी कर्मचारियों को अच्छी तनख्वाह देती है फिर भी वह भ्रस्टाचार करते हैं। उन पर लगाम लगाई जाएगी। बीएल सोनी ने कहा कि कमाना बहुत कठिन परिश्रम के बाद होता है और उसे भ्रष्टाचारियों को क्यों दें अपने भाई बहन और परिवार के काम आने वाली रकम भ्रष्टाचारियों को नहीं देनी है। डीजी सोनी ने कहा कि भ्रष्टाचार के चलते ही हमारे देश की अच्छी प्रतिभाएं बाहर जा रही है। हमने भ्रष्टाचार की स्वीकृति दे दी है इसे चुनौती देनी है, अगर सरकारी कर्मचारी जायज काम के लिए पैसे मांगे तो उसे नहीं देने हैं।

- 'अपने भाई-बहन व परिवार के काम आने वाली रकम घूसखोरों को नहीं दें'

बीएल सोनी ने लोगों को 1064 और व्हाट्सएप नंबर के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि उनकी गोपनीयता रखी जाएगी। नाम पते उजागर नहीं किए जाएंगे। आप जानकारी दें, उसके बाद एसीबी आपके द्वार आएगी। एसीबी आपको जानकारी देने दफ्तर नहीं बुलाएगी। ऑफिस के बाहर आकर आपसे बात करेगी। एसीबी ट्रैप के अलावा आय से अधिक संपत्ति पद का दुरुपयोग जैसी कार्रवाईयों को अंजाम देती है। कार्यक्रम में मौजूद बडी संख्या में लोगों ने अपने विचार और अपनी पीड़ा में भी महानिदेशक को बताई।

मॉडल उत्तर कुंजियां वेबसाइट पर जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन (ग्रुप-सी) विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियाँ वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। आयोग द्वारा 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2022 तक इस परीक्षा का आयोजन किया गया था। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 30 नवंबर से 2 दिसंबर को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही करनी होगी प्रविष्टियां - आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी। इस परीक्षा के मॉडल प्रश्न-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाईन ही प्रविष्ट करें। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अवैध शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, दो फरार

हनुमानगढ़, (निसं)। अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने 3 अलग-अलग जगह कार्रवाई कर देसी शराब के 40 पव्वे और 4 लीटर हथकढ़ शराब बरामद की है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं 2 आरोपी अवैध शराब को छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

एएसआई विजेन्द्र सिंह ने बताया कि लखूवाली पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई सोहनलाल सांखला के नेतृत्व में गश्त कर रही पुलिस टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि इन्दिरा गांधी नहर के पुल पर गुरचरण सिंह नाम का व्यक्ति प्लास्टिक के कट्टे में अवैध शराब के पव्वे लेकर खड़ा है, जो कहीं शराब बेचने की फिराक में है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो पुल पर खड़ा आरोपी पुलिस को देख अपने हाथ में पकड़ा प्लास्टिक का कट्टा वहीं छोड़कर भाग गया। भागने वाले शख्स की पहचान गुरचरण सिंह पुत्र करतार सिंह बाजीगर निवासी रणजीतपुरा गांव के रूप में हुई। पुलिस ने प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी ली तो उसमें देसी शराब से भरे 40 पव्वे रखे हुए थे।

एएसआई सुरेश मीणा ने बताया कि टाउन थाना के एएसआई प्रकाश चन्द्र के नेतृत्व में गश्त कर रही पुलिस टीम सिकलीगर मोहल्ले पहुंची तो एक व्यक्ति पुलिस को देख दो लीटर हथकढ़ शराब छोड़ फरार हो गया। पुलिस ने शराब बरामद कर फरार हुए दारासिंह पुत्र हरनाम सिंह सिकलीगर निवासी सिकलीगर मोहल्ला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। एएसआई प्रकाश चन्द स्वामी ने बताया कि सदर पुलिस थाना के एएसआई लालचन्द ने गांव जंडावाली और रेयान कॉलेज के पास से मोहनलाल (51) पुत्र माडूराम कुम्हार निवासी वार्ड 8, गांव जंडावाली को गिरफ्तार किया है।

रिश्वत लेने के मामले में साढ़े सात साल बाद सजा सुनाई

अलवर, (निसं)। हैंडपंप लगाने के एवज में 11 हजार रुपए की रिश्वत लेने के मामले में अशोक कुमार गुप्ता एसीबी कोर्ट ने साढे 7 साल बाद 4 साल की सजा व 3०हजार रुपए का जुर्माना आदेश दिया है। अलवर के ब्लॉक राजगढ में 2015 में कार्यरत रहे अशोक कुमार गुप्ता ने हैंडपंप लगाने वाले ठेकेदार से भुगतान के एवज में 11 हजार रुपए मांगे थे। मांग सत्यापन के समय 5 हजार रुपए लिए। इसके बाद 6 हजार रुपए लेते हुए एसीबी ने मई 2015 में आरोपी को ट्रैप किया था। एसीबी के विशिष्ट लोक अभियोजक अशोक भारद्वाज ने बताया सर्व शिक्षा अभियान में अशोक कुमार गुप्ता बतौर जेईएन कार्यरत थे। जिसे 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने ट्रैप किया था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद विशिष्ट न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम शिवानी सिंह ने अशोक कुमार गुप्ता को 4 वर्ष की सजा व तीस हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। राजगढ़ के छोटा राजपुर बड़ा निवासी ठेकेदार हरी लाल सैनी ने हैंडपंप का कार्य सर्व शिक्षा अभियान के तहत लगाया था। इसके बिल पास करने के एवज में जेईएन अशोक कुमार गुप्ता ने ग्यारह हजार की रिश्वत मांगी थी।

- हैंडपंप लगाने के लिए ली थी 11 हजार रूपए की रिश्वत

एसीबी के विशिष्ट न्यायाधीश ने आरोपी को सजा सुनाई।

जी-20 शेरपा बैठक: शेरपा अमिताभ कांत और विदेश मंत्रालय का दल पहुंचा उदयपुर

तैयारियों का जायजा लिया, बेहतर व्यवस्थाओं के लिए दिए निर्देश

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में 5 से 7 दिसंबर तक आयोजित होने वाली जी-20 शेरपा बैठक की तैयारियां जोरों पर हैं। जी-20 की पहली बैठक उदयपुर में होने के कारण इसकी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए भारत के शेरपा अमिताभ कांत खुद विदेश मंत्रालय के आला अधिकारियों के साथ सोमवार को उदयपुर पहुंचे और दिनभर तैयारियों का जायजा लिया।

विदेश मंत्रालय जी-20 सचिवालय के संयुक्त सचिव नगराज नायडू व भावना सक्सेना तथा विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के दल के साथ उदयपुर पहुंचे। शेरपा अमिताभ कांत ने शाम को संभागीय आयुक्तालय सभागार में बैठक ली और कहा कि जी-20 शेरपा बैठक हमारे लिए एक अच्छा मौका है, इसके माध्यम से उदयपुर और राजस्थान को पर्यटन की दृष्टि से दुनियाभर में पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले मेहमान राजस्थान की कला के विविध रंग, सांस्कृतिक विशिष्टता, और यहां के प्राकृतिक सौंदर्य की बेहतरीन छवि को अपने साथ ले जा सकेंगे।

समीक्षा बैठक में शेरपा अमिताभ कांत इस बैठक के आयोजन के लिए की गई तैयारियों से अभिभूत दिखे। उन्होंने संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट व जिला कलक्टर ताराचंद मीणा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समन्वित प्रयासों से इस बैठक को सफलतम आयोजन साबित किया जा सकेगा। शेरपा कांत ने कहा कि चूंकि जी-20 के तहत उदयपुर में यह पहली बैठक है ऐसे में सभी इस आयोजन को सर्वश्रेष्ठ आयोजन बनावें। हम विदेशी अतिथियों की सुरक्षा, आवभगत, बैठक आयोजन, बोट्स की व्यवस्था, पर्यटन स्थलों के भ्रमण आदि की बेहतर व्यवस्था करें और यह भी सुनिश्चित करें कि कोई भी आयोजन निर्धारित समय सीमा से एक मिनट भी लेट न हो। उन्होंने शिल्पग्राम में राजस्थान की कला-संस्कृति की झलक को प्रस्तुत करने के लिए व्यवस्थाओं के साथ डिजीटल प्रस्तुति की व्यवस्था के लिए भी कहा। उन्होंने इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारियों की बैठक को तत्काल आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

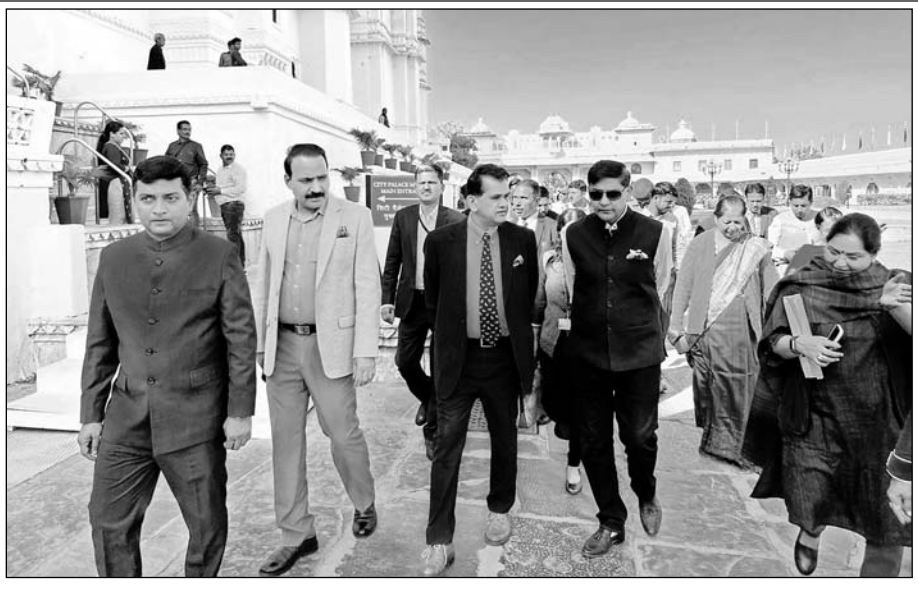

उदयपुर में होने वाली जी-20 शेरपा बैठक के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों का भारत के शेरपा अमिताभ कांत व विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने जायजा लिया।

- 'शेरपा बैठक से उदयपुर व राजस्थान का नाम दुनियाभर में पहुंचाया जा सकेगा'

शेरपा कांत ने कहा कि कोटडा इलाका जहां 98 प्रतिशत ट्राईबल निवासरत है, वहां की कला-संस्कृति विदेशी मेहमानों के सम्मुख प्रस्तुत कर जनजाति संस्कृति को प्रमोट किया जा सकता है। उन्होंने कलक्टर मीणा द्वारा कोटडा के ट्राईबल्स द्वारा अतिथियों के स्वागत की व्यवस्था को भी सराहा।

बैठक दौरान गृह विभाग के प्रमुख सचिव आनंद कुमार, एडीजी एस सेंगाथिर, संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, आईजी प्रफुल्ल कुमार, कलक्टर ताराचंद मीणा, एसपी विकास कुमार ने शेरपा बैठक के दौरान पुलिस व प्रशासनिक स्तर पर की जा रही व्यवस्थाओं पर विस्तार से जानकारी दी। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने अतिथियों के स्वागत, सुरक्षा, चिकित्सा दलों, मोबाइल चिकित्सा यूनिट, सौंदर्यीकरण कार्य, गाईड्स की व्यवस्था आदि के बारे में विस्तार से बताया। इसी प्रकार आईजी प्रफुल्ल कुमार ने थ्री लेयर सिक्योरिटी, सीसीटीवी कवरेज, ट्रेफिक प्लान, वेरिफिकेशन प्रोसेस आदि के बारे में बताया। कलक्टर मीणा ने बोट्स के मूवमेंट व पूर्व निर्देशित कार्यों तथा एसपी शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों के दल ने सिटी पैलेस, फतेहप्रकाश, शिल्पग्राम आदि का दौरा किया। इस दौरान संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, जिला कलक्टर ताराचंद मीणा, पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की निदेशक किरण सोनी गुप्ता, पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने अब तक की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के बारे में अवगत कराया।

ओडा रेलवे ब्रिज ब्लास्ट मामले के आरोपियों को जेल भेजा

उदयपुर, (कास.)। उदयपुर के ओडा रेलवे ब्रिज ब्लास्ट मामले के मुख्य आरोपी धूलचंद और प्रकाश तथा विस्फोटक सामग्री उपलब्ध कराने वाले बाप-बेटे समेत 8 आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। सभी आरोपियों को लेकर एटीएस सोमवार को कोर्ट पहुंची, जहां पूरे मामले की सुनवाई करते हुए उन्हें जेल भेजने के आदेश हुए। इससे पहले एटीएस ने सभी आरोपियों को अलग-अलग रिमांड पर लिया था। सभी की रिमांड अवधि पूरी होने पर एटीएस के अधिकारियों द्वारा उन्हें कोर्ट में पेश किया। इस मामले में अब तक मुख्य आरोपी धूलचंद और प्रकाश पकड़े जा चुके हैं। वही विस्फोटक सामग्री धोल की पाटी निवासी बाप-बेटे बिहारी लाल और अंकुश सुहालका ने उन्हें उपलब्ध करवाई थी। वहीं अन्य 4 आरोपी लाइसेंसधारी होकर मैगजीन और विस्फोटक बेचने का कार्य करते हैं। इस मामले में बीतें दिनों एटीएस ने प्रताप नगर निवासी पिता लोकेश और उसके बेटे अमित के साथ से. 4 निवासी भरतराज सेंन और मल्लातलाई निवासी अशोक मीणा को गिरफ्तार किया था। उल्लेखनीय है कि गत 12 नवम्बर को उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे लाइन पर बने ओड़ा पुल पर आरोपियों ने ब्लास्ट की घटना को अंजाम दिया था। इससे पटरियों पर क्रैक आ गया था। आरोपियों की साजिश पुल कोउड़ाने और रेलवे ट्रैक को बर्बाद करने की थी। धमाके से कुछ घंटे पहले ही इस ट्रैक से ट्रेन गुजरी थी।

GEETANJALI UNIVERSITY, Udaipur
(Established by Government of Rajasthan; U/S 2(f) of the UGC Act 1956).

ADMISSION NOTICE OF VACANT / RESIDUAL SEATS IN MD/MS COURSES-2022-23

Applications are invited for admissions in vacant seats of MD/MS courses at Geetanjali Medical College & Hospital (Constituent Institute of Geetanjali University), Udaipur (Raj.) from the eligible students registered in NEET-PG admission/counseling Board-2022, Rajasthan. Students may apply on plain paper writing their Name, Father's Name, Address, copy of NEET-PG admission/counseling board - 2022 registration form, State Merit, Phone No. along with copy of NEET-PG score card-2022. Application must addressed to The Convener, PG Admission Board, Geetanjali University, Udaipur (Dean, GMCH Office) and must send it on email id counsellingmedical2022@geetanjaliuniversity.com

Last date of application is 30 Nov 2022 upto 03:00 PM. The allotment process and counseling will be held on 1st DEC 2022 at 08:00 AM at University Campus. The details of the documents and other information may be referred on University website.

Convener: PG Admission Board-2022-23, Geetanjali University, NH-8, By-pass, Near Ekling Pura Chouraha, Manva Kheda, UDAIPUR (Raj.) 313001
Website: www.geetanjaliuniversity.com

प्रदेशभर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

मुख्यमंत्री गहलोत व धारीवाल के पुतले फूंके एवं सरकार के विरोध में बजाई मातमी धुनें

जयपुर (कासं)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान के नेतृत्व में प्रदेशभर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा अल्पसंख्यक मामलात मंत्रालय व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा की गई वादाखिलाफी को लेकर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा विरोध प्रदर्शन किये गये व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल के पुतले फूंके गये।

जयपुर में शिक्षा संकुल के मुख्य द्वार पर विशाल धरना दिया गया व उसके पश्चात शिक्षा संकुल परिसर में अल्पसंख्यक मामलात मंत्रालय कार्यालय का घेराव किया गया एवं सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई। मुख्य द्वार पर धरने पर मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान ने कहा कि मदरसा पैराटीचर्स को लेकर किये गये वादों को मुख्यमंत्री पूरा करें व उनका स्थायीकरण करने का आदेश शीघ्र करें एवं मदरसा बोर्ड के चैयरमैन की नियुक्ति शीघ्र करें।

मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हमीद खान मेवाती ने कहा कि अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम में बैठे निष्क्रिय व भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों को शीघ्र वहां से हटाया जाये, ताकि अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को ऋण देने व छात्रवृत्ति देने का कार्य पुनः शुरू हो सके। प्रदेश में अल्पसंख्यक छात्रावासों का निर्माण शीघ्र करवाया जाये और जयपुर शहर में निरस्त की गई अल्पसंख्यक छात्रावास भूमि का पुनः भू-आवंटन किया जाये। मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष व जयपुर संभाग प्रभारी जावेद कुरैशी ने कहा कि आने वाले समय में पूरे संभाग में और बड़े विरोध प्रदर्शन मोर्चा द्वारा सरकार के खिलाफ किये जायेंगे। इस मौके पर अजमेर दरगाह कमेटी के उप-चैयरमैन मुनव्वर खां एवं मोर्चा के जयपुर शहर महामंत्री परवेज खान, फैसल कुरैशी ने भी अपने विचार रखें। इस मौके पर मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष फरमान कुरैशी, प्रदेश मंत्री शहजाद आमेर, प्रदेश कार्यालय मंत्री उस्मान चौहान, प्रदेश सह-कार्यालय मंत्री गुलजार कुरैशी, प्रदेश आईटी सह-प्रभारी इरशाद हसनपुरा, प्रदेश मीडिया प्रभारी महबूब कुरैशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भागचंद जैन, जयपुर देहात दक्षिण जिलाध्यक्ष इस्लाम नागौरी, जयपुर शहर उपाध्यक्ष हाजी मुश्ताक खान, शाहनवाज अंसारी, डॉ. शब्बीर खान, निसार पठान, फरहान कुरैशी, माजिद पठान, गुड्डू ताहिर, युनूस अली, रशीद पार्षद, इस्लामुद्दीन, शाहनवाज लाला, शौकत कुरैशी, नुजहत परवीन, निजाम भाटी, नवाब कुरैशी, फुरकान पठान, रशीद खान, रफीक खान, इश्तीयाक खान, चिराग कुरैशी, असलम खान, जुनेद अख्तर, नईम पहलवान, अब्दुल रशीद, हासिम खान, वसीम खान, अन्नू भाई सहित सैकड़ों मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने शिक्षा संकुल परिसर में धरना देकर गहलोत सरकार के खिलाफ धरना दिया और बैंड पर मातमी धुन बजाकर विरोध जताया।

■ अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम से भ्रष्ट अफसरों को हटाने, छात्र-छात्राओं को ऋण व छात्रवृत्ति देने, जयपुर शहर में निरस्त की गई छात्रावास भूमि का पुनः आवंटन कराने की मांग

बाइक की टक्कर से बच्ची की मौत

जयपुर (कासं)। शास्त्री नगर इलाके में नूरानी मस्जिद के पास सोमवार दोपहर में नाबालिग बाइक सवार ने घर के बाहर खेल रही 3 साल की बच्ची को टक्कर मार दी। सड़क दुर्घटना में घायल तीन वर्षीय नसीमा उर्फ खातून को कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया, उसकी गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टर्स ने एसएमएस अस्पताल के लिए रैफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। इस संबंध में नासीर के नसीमा के पिता नासीर ने शास्त्री नगर थाने में आजाद नगर निवासी नाबालिग किशोर के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करवाई है।

शास्त्रीनगर पुलिस ने बताया कि मृतका मासूम नसीमा के पिता नासीर मूल रूप से बिहार के रहने वाले है। वह शास्त्री नगर में रहकर मजदूरी करते है। उनके एक बेटा व बेटी है। परिजनों ने बताया कि सोमवार दोपहर नसीमा घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान तेज गति से आ रही बाइक ने दोपहर एक बजे बच्ची को टक्कर मार दी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है और बाइक जब्त कर ली है। पुलिस ने बताया कि बच्ची के परिजनों ने रिपोर्ट में बताया है कि घर के पास खेलते हुए नासिमा कुरकुरे लेने चली गई थी। तभी एक बाइक पर सवार तीन युवक आए और तेज गति होने के कारण मोड पर उनकी बाइक असंतुलित हो गई। उन्होंने मासूम को टक्कर मारी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इस दौरान दुकान पर बैठी महिला ने बाइक चालक को पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया।

पुलिसकर्मी को चाकू दिखाकर लूटने वाले बदमाश गिरफ्तार

■ ई-रिक्शा का किराया चुकाने के लिए चार बदमाशों ने रची थी लूट की साजिश

जयपुर (कासं)। आदर्श नगर पुलिस ने ए.टी.एस. पुलिसकर्मी के अपहरण और लूट का पर्दाफाश करते हुए चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूट के समय काम में लिया गया ई-रिक्शा बरामद कर लिया। डीसीपी (पूर्व) डॉ राजीव पचार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी इरशाद, शानवाज उर्फ शाना, नाजिर उर्फ भूषण और रिजवान उर्फ रज्जू खोह नागोरियान का रहने वाला है, पुलिस ने उन्हें बापर्दा गिरफ्तार किया हैं।

पुलिस ने बताया कि गत 25 नवंबर को परिवादी सुनील कुमार कांस्टेबल एटीएस मुख्यालय ने दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि 24 नवंबर को रात 11.30 बजे वह अपने किराए के मकान पिंक स्कवायर मॉल के पास जाने के लिए गुरुद्वारा मोड़ पर खड़ा था। तभी एक ई-रिक्शा ट्रांसपोर्ट नगर की तरफ से आया, जिसमें पहले से सवारी बैठी थी। जिसको रुकवाकर ई-रिक्शा में बैठ गया। पिंक स्कवॉयर मॉल के सामने उतरने लगा, तभी ई रिक्शा में बैठी सवारी ने चाकू दिखाकर चुपचाप बैठने के लिए कहा और ई-रिक्शा सुनसान इलाके में ले गए। जहां बदमाशों ने चाकू दिखाकर मारपीट कर पर्स, नगदी और मोबाइल फोन छीन लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी इरशाद उर्फ कपूरा बैटरी ई-रिक्शा को किराए पर लेकर चलाता है। जिसके द्वारा काफी समय से ई-रिक्शा का किराया नहीं चुकाया गया। जिससे वह आर्थिक तंगी से परेशान था, जिसमे अपने दोस्त शानवाज उर्फ शाना, आजिर, रिजवान के साथ राहगीर को ई-रिक्शा में बैठाकर लूट की योजना बनाी। गत 23 नवंबर को घाटगेट और ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे पर वारदात करनी चाही लेकिन वहां कोई नहीं मिला। इसके बाद 24 नवंबर को ई-रिक्शा लेकर राहगीर के साथ लूट करने की फिराक में घूम रहे थे, तभी उन्हें सुनील मिल गया। इस पर वह सुनील को बिठाकर सीबीआई फाटक जगतपुरा ले गए और मारपीट कर उसका मोबाइल फोन और बैग छीन लिया। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

बैडमिंटन लीग के विजेता डॉक्टर्स पुरस्कृत

जयपुर । पेटीएम डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग के चतुर्थ संस्करण में बॉयज वर्ग में आंच हॉस्पिटल और किड्स वर्ग में जयपुर गैस्ट्रो विजेता बनी। पुरुष वर्ग में मेडीस्पा विजेता और श्री हॉस्पिटल उपविजेता रहे। जबकि महिला वर्ग में रघुदीप आई हॉस्पिटल विजेता व जयपुर एलर्जी अस्थमा टीम उपविजेता रही।

लीग चेयरमैन डॉ.अनिल यादव ने बताया कि डीबीएल क्लोजिंग सैरेमनी के मुख्य अतिथि आरयूएचएस के प्राचार्य व नियंत्रक डॉ. विनोद जोशी ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। अनिल यादव ने बताया कि कल खेले गये मैचेज में पुरूष वर्ग की टीम इवेंट प्रतियोगिता में फाइनल में मेडिस्पा रॉयल्स ने श्री हॉस्पिटल को 3-0 से हराया तथा विजेता बनी।

लीग कोऑर्डिनेटर प्रेम चौधरी ने बताया कि गर्ल्स कैटेगरी में रघुदीप आई हॉस्पिटल ने जयपुर एलर्जी एन्ड अस्थमा हॉस्पिटल को 3-1 से हराया और विजेता बनी। लीग को चेयरमैन डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि बॉयज वर्ग में फाइनल में आँच हॉस्पिटल ने आइकॉन हॉस्पिटल को 3-2 से हराया तथा विजेता बनी। लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. निधि पूनिया ने बताया कि किड्स वर्ग में जयपुर गैस्ट्रो ने कांकरिया को हराकर जीत हासिल की।

लीग कोऑर्डिनेटर मोनिका शर्मा ने बताया कि कल खेले गये दबंग जोड़ी मुकाबलों के फाइनल में हर्षल टांक व प्रीति टांक की जोड़ी ने दीपक व नीलम की जोड़ी को 21-6 तथा 21-6 से हराया। डॉ. सत्यपाल ने बताया कि मलंग जोड़ी मुकाबलों के फाइनल में प्रेम चौधरी व हनुमान ने खुशबू व रजत टीना को शिकस्त देकर जीत हासिल की।

इसी प्रकार दबंग ओपन मुकाबलों के फाइनल मैच में पुनीत भार्गव व राकेश एम.एन.ने आदित्य सैनी और अपूर्व जेठवानी को 21-18 तथा 21-19 से मात देकर जीत हासिल की।

मलंग ओपन मुकाबलों के फाइनल मैच में मुकेश यादव व विशाल गुप्ता ने शरद बंसल व श्रीराम गुप्ता को 21-15 तथा 21-12 से हराकर जीत दर्ज की।

लेजेंड्स में नरेश सोमानी व शिवराज सिंह ने वसीम बेग व डी.के.शर्मा को हराया। विक्टर एकल मुकाबलों में राकेश एम.एन.ने मुकेश भामु को हराया। दबंग ट्रायो में अनिल व राकेश रजत विजेता रहे। मलंग ट्रायो में सुनीत, विकास और विष्णु की तिकड़ी विजेता रही।

गंदगी देख नाराज हुए निगम आयुक्त

जयपुर (कासं)। शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर मुख्य सचिव ऊषा शर्मा की फटकार के बाद हेरिटेज नगर निगम आयुक्त विश्राम मीणा शहर में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने निकले। इस दौरान जगह-जगह कचरा गंदगी मिली। इस पर एक सीएसआई व जमादार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए, वहीं दो सफाईकर्मियों का एक दिन का वेतन रोकने के स्वास्थ्य उपायुक्त को निर्देश दिए।

आयुक्त ने किशनपोल एवं आदर्श नगर जोन क्षेत्र का दौरा किया। आयुक्त ने बड़ी चौपड़ से सांगानेरी गेट होते हुए सोफिया स्कूल पहुंचे। यहां कचरा डिपो पर फिर से कचरा आने व कचरा नहीं उठने पर दो सफाईकर्मियों को नोटिस जारी कर एक दिन का वेतन रोकने के उपायुक्त को निर्देश दिए। घाटगेट स्थित बस स्टेण्ड के पास खाली पड़ी जमीन का मुआयना किया, वहां पर पड़े कचरे व मलबे के ढेर को लेकर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक नवल किशोर को नोटिस देने के निर्देश दिए। आयुक्त ने घाटगेट, टांसपोर्ट नगर चौराहा व दिल्ली बाईपास रोड से गलता गेट, रामगढ़ मोड़ होते हुए आमेर रोड का दौरा किया।

'3.71 लाख नए किसानों को ऋण से जोड़ा जाएगा'

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा ने सोमवार को सभी केन्द्रीय सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशकों की बैठक ली।

जयपुर । सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा ने कहा कि 1.29 लाख नए किसानों को 233 करोड़ रूपये का फसली ऋण उपलब्ध कराया गया है तथा मार्च, 2023 तक 3.71 लाख नए किसानों को सदस्य बनाकर फसली ऋण वितरण से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि 25 नवम्बर तक 26.92 लाख किसानों को 12 हजार 811 करोड़ रूपये का ब्याज मुक्त फसली ऋण वितरण किया गया है।

गुहा सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में सभी केन्द्रीय सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशकों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने प्रबंध निदेशक अपेक्स बैंक को निर्देश दिए कि फसली ऋण वितरण एवं नए सदस्यों किसानों को ऋण से जोड़ने की साप्ताहिक समीक्षा करें उन्होंने कहा कि सदस्य किसानों को समय पर ऋण वितरण हो, इसे सुनिश्चित किया जाए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि पात्र किसानों को मध्यकालीन कृषि एवं अकृषि ऋण वितरण पर भी फोकस किया जाए। इस प्रकार के ऋणों के लिए नाबार्ड की योजनाओं का भी लाभ लेकर किसानों को सुविधा दे ताकि उनकी जरूरतें स्थानीय स्तर पर पूरी हो सके। उन्होंने कहा कि पैक्स एज एमएससी योजना के तहत पैक्स को मल्टी सर्विस सेन्टर के रूप में विकसित कर सकते है।

सार-समाचार

प्रेमराज जैन और मीरा देवी सम्मानित

जयपुर । रवीन्द्र मंच, जयपुर के मुख्य सभागार में राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ के द्वारा निजी सचिव संवर्ग के अधिकारी-कर्मचारियों का प्रथम राज्य स्तरीय स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ, जिसमें प्रत्येक जिले के महासंघ के जिलाध्यक्षों ने अपनी टीम के साथ भाग लिया। महिलाओं की उपस्थिति भी अच्छी खासी रही। भरतपुर, अलवर, सीकर, जोधपुर, भीलवाड़ा, कोटा आदि जिलों से लोग बसों में उत्साह के साथ नाचते गाते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। कार्यक्रम में पीएचईडी मंत्री महेश जोशी, कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा, पूर्व सचिव, पुष्करराज शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल एवं राजस्थान सचिवालय निजी सचिव-निजी सहायक संघ के अध्यक्ष राकेश शर्मा अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 101 वर्ष की उम्र में भी आशुलिपि की कक्षाएं लेने वाले प्रसिद्ध आशुलिपि गुरु प्रेमराज जैन को साफा व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया, जब ऐसा किया जा रहा था तब हॉल तालियों की गडगडाहट से गूंज रहा था और "गुरु मेरी पूजा-गुरू गोविंद...." गाना चल रहा था जो उन लम्हों को बेहद खूबसूरत बना रहा था इस अवसर पर एक शिष्या निजी सहायक रश्मि पारीक ने गुरुजी को एक पुस्तक भेंट की। कार्यक्रम में मीरा देवी मेघवाल जिसने पति की अचानक मौत के बाद नरेगा में मजदूरी करके अपने तीन बच्चों एवं दामाद के भविष्य को संवारने के लिए कडा संघर्ष किया। जिसके परिणामस्वरूप चारों का निजी सहायक पद पर चयन हो सका इसी आधार पर प्रेणादायी मां के रूप में मीरा देवी को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही निजी सहायक पद हेतु एक ही परीक्षा में चयनित होने वाले एक ही परिवार के तीन सगे बहन-भाइयों के अतिरिक्त बेहद आर्थिक संकट का सामना कर सफल होने वाले सागर राजोरिया, लक्ष्मी प्रजापत पुष्पेंद्र चौधरी, संदीप, मोनू, मनीषा, खुशबू, वंदना, वर्षा, धनेश, महेंद्र, मनोज कुमारी के अतिरिक्त भर्ती में टॉपर रहे भानू प्रताप, दिनेश कुमार चौधरी एवं दिव्यांश पारीक जैसी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

महात्मा फुले को पुष्पाजंलि अर्पित

जयपुर (कासं)। समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 132वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को राजधानी में अनेक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया गया। सहकार मार्ग स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल पर बड़ी संख्या में लोगों ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। उधर मुहाना मंडी में महात्मा ज्योतिबा फुले की 132वीं पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर मंडी व्यापारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रार्थना सभा भी हुई, जिसमें महात्मा ज्योतिबा फुले को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग भी उठी। मंडी के किसान, मजदूर और व्यापारियों ने पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर राहुल तंवर, बाबू लाल गुप्ता, सत्यनारायण सैनी, इमरान कुरैशी, सुनील गोयल, विक्की मावर, पारस जैन, रामेश्वर सैनी, आकाश सैनी, प्रधान सैनी लड्डू सैनी, किसान नेता भंवर चौधरी गोपाल सैनी गोविंद सैनी, कैलाश सैनी सहित अन्य उपस्थित थे।

चेन तोड़ने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। महेश नगर पुलिस ने बुलेट बाइक से चेन स्नैचिंग करने वाले तीन लुटेरों को सोमवार को गिरफ्तार किया है। वारदात के बाद लुटेरे भाग रहे थे, तभी कुछ राहगीरों ने हिम्मत दिखाते हुए उनकी बाइक को पकड़ लिया। बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। लुटेरे पैदल भाग गए थे, जिन्हें तकनीकी आधार पर पुलिस ने दबोच लिया है। डीसीपी योगेश गोयल ने बताया कि अलवर निवासी संतोष अग्रवाल, मेघराज उर्फ मोनू जाटव व जतीन जाटव को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में मेघराज के खिलाफ कोतवाली थाने में मारपीट व आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। थानाधिकारी सरोज धायल ने बताया कि रूपनगर द्वितीय निवासी 48 वर्षीय माया जैन ने चेन स्नैचिंग की रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में बताया कि वह 13 नवम्बर को सुबह 9 बजे शक्ति नगर स्थित जैन मंदिर में दर्शन करने जा रही थी। कृष्णा नगर पार्क के पास बुलेट बाइक पर लुटेरे आए। बाइक पर पीछे बैठा लुटेरा पैदल परिवादिया के नजदीक आया और गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़कर अपने साथी के साथ बाइक पर बैठ भाग गया। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व तकनीकी टीम के सहयोग से आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकडा गया।

कार्यकारिणी मीटिंग से पहले दिखी पार्षदों की नाराजगी

जयपुर (कासं)। नगर निगम कार्यकारिणी समिति की बैठक के एक दिन पहले महापौर सौम्या गुर्जर ने पार्षदों की बैठक बुलाई। इस अघोषित साधारण सभा की बैठक में पार्षदों ने ईसी की बैठक के एजेंडों को लेकर सवाल उठाए। पार्षदों का कहना था कि ईसी की बैठक शहर के विकास के एजेंडों पर होती है, मगर बैठक में ज्यादातर प्रस्ताव कर्मचारियों की पदोन्नित से जुड़े हैं। बैठक में जयपुर समारोह के तहत होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई और पार्षदों से सुझाव लिए गए कि वो भी अगर कोई कार्यक्रम रखवाना चाहते हैं तो बताएं। बैठक में हर वार्ड में 50-50 लाख के विकास कार्यों की बात भी उठी। इस पर महापौर ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वो 15 दिन में रिपोर्ट पेश करें कि किस-किसी वार्ड में कितना काम हो चुका है। आपको बता दें कि लंबे इंतजार के बाद 29 नवंबर को ईसी की बैठक हो रही है। बैठक में 31 प्रस्ताव रखे गए हैं, लेकिन 25 प्रस्ताव कर्मचारियों से जुड़े हुए हैं।

नांगल जैसा बोहरा में गायत्री महायज्ञ

जयपुर (कासं)। नांगल जैसा बोहरा के योग पार्क में गायत्री चेतना केन्द्र, मुरलीपुरा के तत्वावधान में गायत्री महायज्ञ किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण की कामना के साथ यज्ञ देवता को आहुतियां अर्पित की। यज्ञाचार्य महेन्द्र कुमार ने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति का पिता है। बिना यज्ञ के कोई भी संस्कार संपन्न नहीं होता। प्रतिदिन यज्ञ करने वाले के यहां किसी भी तरह का अभाव नहीं रहता। उपाचार्य मनोज कुमार ने गायत्री और गुरू सत्ता का पूजन करवाया।

कचरे के ढेर में मिला नवजात का शव

■ सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय से महज 300 मीटर दूरी पर मिला है शव

जयपुर (कासं)। सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय से महज 300 मीटर दूर सोमवार सुबह नवजात का शव कचरे के ढेर में पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। मृत नवजात का सिर विकसित नहीं हो पाया था। नवजात की मौत पर शव को परिजनों ने कपड़े में लपेट कर फेंक दिया। लालकोठी थाना पुलिस ने सूचना पर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम करवाने के बाद अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

पुलिस ने बताया कि सांगानेरी गेट महिला हॉस्पिटल से 300 मीटर दूरी पर नवजात का शव पड़ा मिला है। निर्माण के दौरान रामनिवास बाग के बंद के गेट के पास कचरे का ढेर लगता है। देर रात अज्ञात परिजनों ने नवजात शिशु का शव कचरे के ढेर में फेंक दिया। सोमवार सुबह करीब 10 बजे नगर निगम की टीम कचरा उठाने पहुंची तो वहां कपड़े में लिपटा नवजात का शव पड़ा मिला। नवजात का शव मिलने का पता चलने पर लोगों में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर लालकोठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौका-मुआवना कर शव को कब्जे में लेकर जेकेलोन हॉस्पिटल पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक डॉक्टर्स का कहना है कि नवजात शिशु अर्ध विकसित था। उसका सिर नहीं बन पाया था। नवजात करीब 8 महीने का है। सिर विकसित नहीं होने से पहले पैदाई से उसकी मौत हुई है। पुलिस ने अज्ञात परिजनों के खिलाफ दर्ज कर ली गई है। पुलिस वारदातस्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने में जुटी है।

राम नाम की गूंज के साथ साढ़े 4 करोड़ मंत्रों से महायज्ञ में दी जाएंगी आहूतियां

कनक बिहारी मंदिर में 4 से 29 दिसंबर तक होगा 21 कुंडीय श्रीराम तारक ब्रह्म महायज्ञ

■ गाजे-बाजे के साथ गलताजी से तीन दिसंबर को निकाली जाएगी शोभायात्रा

जयपुर । राजधानी जयपुर में गलता गेट स्थित कनक बिहारी मंदिर में 4 से 29 दिसंबर तक 21 कुंडीय श्रीराम तारक ब्रह्म महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान में पहली बार जप की पूर्णाहूति के रूप में महायज्ञ में करीब साढ़े चार करोड़ आहुतियां अर्पित की जाएंगी। त्रिवेणी धाम के रामरिछपाल देवाचार्य महाराज के सान्निध्य में होने वाले महायज्ञ की तैयारियां जोर शोर से चल रही है।

यज्ञ का आयोजन महामंडलेश्वर सियारामदास महाराज द्वारा गत 12 साल में जपे गए 43 करोड़ 20 लाख श्रीराम तारक मंत्र की की पूर्णाहुति के रूप में होगा। सियारामदास महाराज ने वर्ष 2011 में ऋषि पंचमी से त्रिवेणी पीठाधीश्वर नारायणदेवाचार्य महाराज के आदेश पर प्रतिदिन 8 घंटे मौन रह कर श्रीराम तारक मंत्र जप किया। बारह साल में उन्होंने 43 करोड़ 20 लाख मंत्र का जप किया। जप की कुल संख्या के दशवें हिस्से की आहुति देकर यज्ञ का शास्त्रोक्त विधान है। ऐसे में 25 दिन में चार करोड़ 38 लाख आहुतियां अर्पित की जाएंगी। प्रतिदिन 16 लाख 32 हजार से अधिक मंत्रों से आहुतियां दी जाएंगी। अयोध्या में गणेशदास महाराज के आचार्यत्व में देशभर के 41 विद्वान सुबह-शाम दो पारियों में आहुतियां अर्पित करवाएंगे। यज्ञ में देश के सभी प्रमुख शहरों में महंत, पीठाधीश्वर, महामंडलेश्वर और विद्वान पधारेंगे।

आयोजन प्रवक्ता पं. राजकुमार चतुर्वेदी ने बताया कि 2 दिसंबर को दशविध स्नान, हेमाद्रि संकल्प औ प्रायश्चित हवन के साथ 3 दिसंबर को सुबह आठ बजे गलताजी से गाजेबाजे के साथ कलशयात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद मंडप प्रवेश, अरणि मंथन और मंडलार्चन होगा। चार दिसंबर को सुबह नौ से बारह तथा अपराह्न तीन से पांच बजे तक यज्ञ में आहुतियां अर्पित की जाएंगी। यह क्रम 28 दिसंबर तक चलेगा। 29 दिसंबर को दोपहर सवा बारह बजे अभिजीत मुहूर्त में संतों-महंतों के सान्निध्य में महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी। सोमवार को मंदिर परिसर में यज्ञशाला का निर्माण कार्य को अंतिम रूप दिया गया। कनक बिहारी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर सियारामदास महाराज के निर्देशन में कारीगरों ने यज्ञ कुंडों का निर्माण किया। यज्ञशाला में 20 कुंड तीन मेखला वाले और एक पद्म कुंड का निर्माण किया गया है। महायज्ञ में 90 क्विंटल तिल, 45 क्विंटल चावल, 10 क्विंटल जौ, 10 क्विंटल देशी चीनी, तीन क्विंटल औषधि, 15 क्विंटल घी मुख्य सामग्री रहेगी। इसके अलावा बड़ी मात्रा में नारियल का उपयोग होगा। इस प्रकार करीब तीन सौ क्विंटल सामग्री का हवन में उपयोग होगा। महायज्ञ में 90 क्विंटल तिल, 45 क्विंटल चावल, 10 क्विंटल जौ, 10 क्विंटल देशी चीनी, तीन क्विंटल औषधि, 15 क्विंटल घी मुख्य सामग्री रहेगी। इसके अलावा बड़ी मात्रा में नारियल का उपयोग होगा। इस प्रकार करीब तीन सौ क्विंटल सामग्री का हवन में उपयोग होगा।

12 टीमों ने खेली यूईएम इंटर कॉलेज क्रिकेट लीग

जयपुर । फिजियोथेरेपी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट उदयपुरिया मोड़ जयपुर के द्वारा 3 दिवसीय इंटर कॉलेज क्रिकेट लीग का आयोजन 24 से 26 नवंबर के बीच यूईएम यूनिवर्सिटी के क्रिकेट मैदान में किया गया। क्रिकेट लीग में निम्स यूनिवर्सिटी, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, महात्मा ज्योतिबा फूले कॉलेज, विनायक पीजी कॉलेज आदि की 12 टीमों ने हिस्सा लिया।

तीन दिनों तक चले दिलचस्प व जोरदार मुकाबलों के बाद फाइनल मैच जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी और विनायक पीजी कॉलेज के बीच खेला गया जिसमें विनायक पीजी कॉलेज की टीम विजई रही। विजेता टीम को ट्रॉफी और 15 हजार रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया जबकि रनर-अप टीम को ट्रॉफी व रुपए पांच हजार का नगद पुरस्कार दिया। लीग में राजस्थान रणजी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद असलम, खाटूश्यामजीमंदिर के ट्रस्टी डॉ.भरत सिंह चौहान, एसीपी राजेंद्र सिंह निर्वाण, एसएचओ विक्रांत शर्मा, बराला अस्पताल के निदेशक डॉ. हनुमान बराला, स्त्री रोग विशेष डॉ.शिखा मील बराला, री लाइफ हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. अवतार दोई, सेहत साथी फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. अविनाश सैनी समेत 30 अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढाई। फिजियोथैरेपी विभाग के अध्यक्ष डॉ .शांतनु शर्मा ने डॉ. इमरान खान, प्रो. हिमांशु शर्मा प्रो. हृदय बनर्जी व लाइब्रेरियन अरूप कुमार मन्ना को धन्यवाद दिया।

ARBiT
it happens here...

Electronic Greetings Day

With technology growing to be an ever more important component of our day to day lives over the last few decades and the fact that it's continuing to do so, the advent of electronic greetings became inevitable. You remember all of those sometimes cute, sometimes funny, and sometimes downright obnoxious electronic greeting cards that used to appear in your email inbox? Well, if you hadn't guessed it, there's actually a day devoted to electronic greetings. Fittingly, that day is known as Electronic Greetings Day.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
29 November 2022
A-B

The senior people contended that the juniors should wait their turn for promotion. The younger set claimed that since they were the true specialists they should be fast tracked to higher levels and the experienced cardiologists be returned to Medicine. The issue of Experience versus Qualified was not just academic. This was a power struggle. It is here that the administration did not put its mind to resolve the issue. Rules are made and modified as the situation arises. A firm re-designation in the specialty could have been made in the specialty for the experienced physicians for a specific period. By that time the 'oldies' would have retired and the youngsters matured to really be suitable for the higher posts.

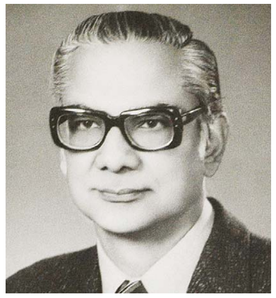

Dr GC Sharma, Surgeon Cum CT Surgeon.

Dr Ashok Panagaria, Neurologist.

Dr. Ramesh Roop Rai, Gastroenterology.

Dr LM Sanghvi, Physician Cum Cardiologist.

#SMS

Having Your Cake And Eating It Too (...2)

Dr Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Story teller

In the 1960's there was great desire amongst the practicing physicians and surgeons to gather experience by going to foreign countries on fellowships. It continued to be a practice to go abroad to USA and UK on Fellowships till the end of 1980's. They came back after their stints with great enthusiasm in the subjects they had trained in and desired to focus on the specialties. At the administrative level this was desirable and soon small specialty Units were created for these 'experienced' people. It was a double whammy. The patients were happy to be seen by specialists and the doctors were happy to be recognised as a new breed. The administration made a small distinction for these doctors. They created posts in the main specialty and added the specialty in brackets. For example, now a person who was primarily a Lecturer in Medicine would now be designated as Lecturer/Reader in Medicine (Neurology). Dr BM Sharma was such an example. The advantage of this designation was that the person was able to practice exclusively in the subject and the likelihood of transfer to another college in the state became rare in the absence of specialty Units. This system worked for a decade or so. The only problem that remained was that this group did not practice exclusively in the specialty They would continue to see patients with all sorts of ailments. A sort of having the cake and eating it too! There was a degree of avariciousness in them which did not do the specialty they represented any good.

Recognition

A new problem arose when in due course a post graduate degree was offered in sub-specialties (DM or MCh.). Young people went on to acquire these degrees immediately after completing MD/MS. When they came back they too wanted to be recognised as specialist on the basis of the degree and were quick to point out that they were better in knowledge and skills compared to the previous generation who were only partially qualified and were claimants on the basis of experience alone. Also the main point was that they were willing to be exclusive and see patients in their specialty.

This claim of the youngsters was genuine and became a huge administrative issue. So the government now created posts of Lecturer in all specialties and appointed these youngsters through the Rajasthan Public Commission (RPSC).

> There was an unwritten expectation that I would return to SMS and get going in building a Department of CT Surgery and create the first Open Heart Surgery Centre in the Public Sector in Rajasthan. I was at the age of 35 years, married with two lovely school going boys. I had old parents who needed care. My wife, Nirmal, was a Reader in Anaesthesiology.

Let us take for example the subject of Cardiology. Dr LM Sanghvi created interest amongst his juniors and soon Dr KC Kotia, Dr SK Sharma and Dr SN Mishra also began to claim that their experience in Cardiology entitled them to be designated as 'Bracketed' experts. A little later Dr Baldewa too was being identified as a bracketed cardiologist. He was acclaimed for his knowledge and ability to bring in new modalities like the echocardiogram into the Department OF Medicine. There was even an attempt to do cardiac catheterisation in the Radiology department. It was primitive but still a step forward. At the same time Dr Amrit Khalsa and Dr RK Madhok were the early fully qualified DM in Cardiology. They were even selected to Lecturer posts in Cardiology through the RPSC. The issue was how to adjust all and let the Cardiology expand.

The senior people contended that the juniors should wait their turn for promotion. The younger set claimed that since they were the true specialists they should be fast tracked to higher levels and the experienced cardiologists be returned to Medicine. The issue of Experience versus Qualified was not just academic. This was a power struggle. It is here that the administration did not put its mind to resolve the issue. Rules are made and modified as the situation arises. A firm re-designation in the specialty could have been made in the specialty for the experienced physicians for a specific period. By that time the 'oldies' would have retired and the youngsters matured to really be suitable for the higher posts.

This was the state of affairs in neurology (Dr BM Sharma -Dr Ashok Panagahria), Nephrology (Dr KS Ratnu- Dr SK Pareek), Gastroenterology (Dr Pokharna-Dr Ramesh Roop Rai). In some Departments it was an open battle while in others it was covert. In surgery too this situation was present in a slightly different format. The Departments of Urology, Plastic Surgery and Neuro surgery were also manned by experienced staff and the new qualified specialists clamoured for an overhaul with the removal of the present staff. However the battles were of a lesser nature as the youngsters who were specializing came much later. Dr KC Gangwal was the Urologist of experience and all those who followed him were his students and so there was no clamour to oust him. The other two specialists which had smooth sailing were Dr KC Sogani (Paediatric Surgery) and Dr BS Chandalia (Plastic Surgery). Dr MG Sarin (Neurosurgery) had no follower until Dr S R Dharkar was headhunted from Madhya Pradesh into the Department. There were no youngsters to claim the higher posts and in most circumstances they were succeeded by their own students.

CT Surgery

In Cardiothoracic surgery Dr GC Sharma was the only one to head two units at the same time. He was head of the General Surgery Department and at the same time head of a Cardiothoracic Unit. The staff under him was all from the General Surgery Cadre but there was one person who had a Lecturer in Surgery (CT Surgery) designation. Here when other qualified surgeons came in CT Surgery the issue ripened after Dr G C Sharma retired. Dr Goutam Sen was the senior-most qualified person but he held the primary designation of Lecturer in Surgery. Dr Karan Singh Yadav and Rama Kant Saxena who joined the CT Unit were selected as Lecturer in Cardiothoracic Surgery through RPSC. Hence their claim was that anybody with a bracket no matter how senior they may be was no more entitled to head the CT Unit (and the future CT Department). The situation had worsened because Dr Goutam Sen had already become a Reader in General Surgery and also became an M CH from AIIMS, New Delhi. He was sent on Deputation with the understanding that he would continue to develop the Cardio-thoracic department and in due course develop a full-fledged Department in CT Surgery.

The problem was that on paper the person who would head the department should not only be fully qualified but also have been selected as Lecturer in the specialty (CT Surgery) from the RPSC. This would mean Dr Goutam Sen would have to reappear for the Lecturer post in CT Surgery and forgo all his earlier ten year experience as Reader in General Surgery. This would make him junior to Dr K S Yadav and Dr R K Saxena. The administration was aware of this situation but did not have a ready solution which would do justice to both the groups. It was because at that time the government had abolished lateral entry into higher posts through RPSC. If they had continued to allow the entry into the higher posts through the RPSC this issue could have been amicably sorted out.

On a personal note this was time of immense mental anguish and turmoil in my life. I had the good fortune to be deputed to AIIMS for M CH in CT Surgery in 1976. This was with the consent and encouragement of DR GC Sharma who was then Principal SMS Medical College besides being Head of General Surgery and CT Surgery. I was even promoted to Reader in General Surgery during my deputation. There was an unwritten expectation that I would return to SMS and get going in building a Department of CT Surgery and create the first Open Heart Surgery Centre in the Public Sector in Rajasthan. I was at the age of 35 years, married with two lovely school going boys. I had old parents who needed care. My wife, Nirmal, was a Reader in Anaesthesiology.

I left them all and went through a very rugged training in AIIMS, New Delhi. Living in a hostel and being at work 24x7 was indeed a relentless task and training. On qualification, the anguish began when I was told that there was no post available for me in Jaipur and I was posted as Reader in General Surgery in JLN Medical College in Ajmer. This place had no facility for CT Surgery. I was not even given any hope of a posting later. I felt all my efforts were in vain. I would rust here and all my training would be a waste. It was with God's grace and encouragement of Nirmal and physician colleagues I decided to do all the possible CT Surgery in Ajmer until I returned to Jaipur. I was able to perform all closed cardiac and thoracic surgery there. I am not going to list the same but the numbers were sufficient to keep me going.

Experienced Vs. Qualified

The battle of the Experienced versus the Qualified continued in the corridors of power and each would also use their political clout to secure their positions. In case of CT Surgery the matter went to a Tribunal as well. The judgment was in favour of the qualified and designated surgeon. The Government solved the issue by creating a new post Of Professor in CT Surgery for Dr Karan Singh and let Dr Goutam Sen continue as Professor and Head of CT Unit. This was a onetime solution!

There was no clear solution even after this. Friction continued amongst the old and young in most specialty departments. The outcome was the younger qualified were given separate Units. The government devised a Napoleonesqe attitude. Napoleon had stated that if there was a contention the best method was to ignore it and let time and circumstances finally find a solution. It may not have been ideal but still workable. This was the general formula used in all specialties.

Unsettling Times

The older heads who were experienced retired in due course. In my case I retired voluntarily from Government Service to continue exclusive Cardio-thoracic Surgery at SDM Hospital.

I have often wondered if the administration had thought of solving the issue at all. Was it a trivial issue for them? They could have changed the rules even if it would have been hotly contested in the courts. I have a feeling that they enjoyed the strife occurring at the ground level and enjoyed the view of the ants struggling from their exalted seats on Olympus. Mind you I did meet one or two Secretaries to the Government who were concerned and gentlemen but most of them had an uncaring attitude. One particular person was a sadist and enjoyed the misery of the doctors.

It was nearly two decades of unsettling times. Today all the departments have only fully qualified faculty. There is, of course, a new head of super - duper specialty now seeking recognition. In Cardiology the interventionist are now diving into two parts - one for CABG and others for invasive management of heart defects and valve replacement. In Cardiac surgery there are two parallel systems. One is for adult Cardiac surgery and the others for new-born and children below the age of Fourteen years. These two streams will soon require administrative recognition.

Concluded

writetoarbit@rashtradoot.com

Dr RK Madhok, Cardiology.

Dr Goutam Sen Cardiovascular & Thoracic surgery.

Dr Karan Singh Yadav Cardiovascular and Thoracic Surgery.

Dr VS Baldewa Physician cum cardiologist.

#WORLD CUP DIARIES

When Kolkata Become Brazil's Second Capital

Boria Majumdar from Qatar

Brazil's 2002 World Cup win.

As in Kolkata, where a loss in cricket to arch-rivals Pakistan is perceived as a national calamity, in Brazil, anything less than the title of world champion is a national disaster. In the Brazilians, the Bengalis find their non-white clones.

When Brazil last won the title in 2002, this is how the victory was reported in the Kolkata press the next day, "India didn't play in the world cup. But they won it on Sunday night on the streets of Kolkata.

'Bra..aazil' – some sang, others shouted and still others hugged friends in delight. One man – a wizard called Ronaldo – had made their day.

Kolkata celebrated Brazil's record-breaking fifth world cup victory as if there was no tomorrow, living up to its reputation of being a true soccer-crazy city. Their faces were painted yellow and green, men and women dancing in the aisles and on the streets in unmitigated glee. From Netaji Indoor stadium, where thousands watched the match on a giant screen they marched on the streets of Kolkata and chanted 'Jai bolo guru Ronaldo holo boss', (Hail Ronaldo, he is the king) said a woman who came to sell muri-badam outside the stadium.

Kolkata's love for Brazil was inexplicable but ubiquitous. Without exception, the two sexes stood in unison saluting the best team in the world. For the moment, Kolkata had become the second capital of Brazil."

It is no surprise then that the city was rooting for Richarlison and Tite as Brazil took the field against Switzerland in Qatar trying to win a record 6th title.

For one who has grown up in Kolkata, and has been witness to the football-crazy nature of the city for years, these scenes were natural, they have been replicated over and over again in the course of the last two decades. Every Brazilian victory has been cheered and every defeat has left the city in a state of gloom. Why is it that fans in Kolkata mourn a Brazilian loss in football just as they mourn an Indian loss in cricket, and why is it that Kolkatans feel this way about players who hardly know a thing about their football?

Given the nature of the histories of Kolkata and Brazil – the inhabitants of both had been subject to exploitation – it is natural for the Kolkatans to prefer Brazil to other European powers. Having served as a British colony for almost 200 years, 1757–1947, Bengalis are, naturally, averse to supporting a football team of their former colonial masters, England, France, Holland, or Germany. This explains why, in the opening match of the 2002 World Cup between defending champions France and Senegal, almost all Bengalis cheered the latter, who was once a colony of the French. Just as in India, where cricket and Hindi films are perhaps the only symbols of national unity, in Brazil too, football is much more than an obsession: it is justly designated the country's 'official religion'.

Further, as in Kolkata, where a loss in cricket to arch-rivals Pakistan is perceived as a national calamity, in Brazil, anything less than the title of world champion is a national disaster. In the Brazilians, the Bengalis find their non-white clones, who can meet their dream of meeting the imperialists and neo-colonialists head-on.

Furthermore, Brazilian football, traditionally a working-class sport, is something the masses in Kolkata can identify with. Unlike Europe, where football is a full-fledged industry and academies and schools oversee the nurturing of talent, in both Brazil and Kolkata, given their economic conditions, such infrastructure is unthinkable. Unlike European stars – products of a sophisticated European football nurturing system – Brazilian stars learn by playing in the streets and local parks and in most cases make their way to the top by relying on exceptional talent alone.

Scientific training, proper diet, and systematic physical drills, part of the European footballing experience, have made Europe alien to most countries of South Asia. By contrast, Brazilian football involves skill, stamina, and passion attributes the working classes in Kolkata possess.

Cristiano Ronaldo.

With most Brazilian stars, who are soaring from lower middle-class households to become world icons, the poor, underprivileged young man in Kolkata, in attempting to emulate them, can still dream of conquering the world with his limbs alone. Add Pele's visit to Kolkata in 1977 and you will know why Prasun Bhattacharya, the poor, hard-working, small-town boy in the much acclaimed Moti Nandi novel, Striker, dreams of the Secretary of the Santos Football Club offering him a contract, having come all the way from Brazil.

***(Boria Majumdar** is the founder of RevSportz and is India's prominent sports journalist. A DPhil from Oxford University and is also a Rhodes scholar)*

Brazilian Football.

Indian Football.

Unusual Trivia

- The only solid elements that assume liquid form at room temperature are bromine and mercury. However, you can melt gallium by holding a lump in the warmth of your hand.
- Unlike many substances, water expands as it freezes. An ice cube takes up about 9% more volume than the water.
- If you pour a handful of salt into a full glass of water, the water level will actually go down rather than overflowing the glass.
- Similarly, if you mix half a litter of alcohol and half a litter of water, the total volume of the liquid will be less than one litter.

THE WALL

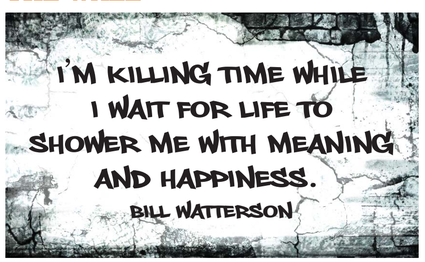

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

उचित मूल्य दुकानदारों को मानदेय देने की मांग

संविदा सेवानियम-2022 में नियमित करने को लेकर एसडीएम को मांग पत्र सौंपा

सादुलपुर, (निसं)। अधिकृत राशन विक्रेता नियोजक संघ शाखा राजगढ के कार्यकर्ताओं ने संघ के प्रदेश सचिव नेतराम भाटी के नेतृत्व में उपखण्ड राजगढ रणजीत बिजारणिया को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन सौंपकर राजस्थान प्रदेश के उचित मूल्य दुकानदारों को मानदेय दिये जाने एवं संविदा सेवानियम-2022 में नियमितिकरण में सम्मिलित करने सहित पाँच सूत्री माँगों पर कार्यवाही की माँग की है।

अधिकृत राशन विक्रेता नियोजक संघ शाखा राजगढ नेतराम भाटी, सुलेमान, सलीम, सतार मोहम्मद, श्रवण, सुलेमान खाँ डीसवाला व वासुदेव आदि ने एसडीएम राजगढ रणजीत बिजारणियों के नाम सौंपे ज्ञापन में बताया कि राजस्थान प्रदेश में लगभग 27000 राशन विक्रेता खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत उपभोक्ताओं में खाद्य सामग्री वितरण करने का कार्य में लगे हुए हैं और देश व प्रदेश में कोविड जैसी महामारी में भी राशन विक्रेताओं ने उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर सामग्री वितरण की है। जिसके तहत राज्य सरकार ने राशन विक्रेता को कोरोना वॉरियर में शामील करते हुए कोरोना से मृत्यू होने पर 50 लाख रूपये का अनुदान दिये जाने के आदेश प्रसारित किये गये थे, जिसके लिए संगठन आभारी है।

मांगों को लेकर एसडीएम राजगढ़ को ज्ञापन सौंपते अधिकृत राशन विक्रेता नियोजक संघ शाखा राजगढ़ के प्रदेश सचिव नेतराम भाटी व अन्य कार्यकर्ता।

इसके साथ-साथ नियमित मानदेय तीन हजार रूपये प्रतिमाह दिये जाने, संविदा अधिनियम 2022 के अन्तर्गत नियमितिकरण में शामिल किया जाने, पोष मशीन के नाम पर 15.21 रूपये की सरकार द्वारा की जा रही कटौति नहीं कर उसे बन्द करने, केन्द्र सरकार पर दबाव बनाकर खाद्य सुरक्षा अधिनियम में संशोधन कराकर खाद्य सामग्री पर 2 प्रतिशत छीजत देने का प्रावधान पोष मशीन में डाला जाने व वर्तमान में गेहूँ के एक क्विंटल की उतरवाई मजदूरी 6 रूपये सरकार द्वारा राशन विक्रेता को दी जा रही है, जबकि मंहगाई में मजदूरों ने अपनी उतरवाई की दर 10 रूपये प्रति क्विंटल करदी है और वो डीलर से प्राप्त कर रहे हैं, इसलिए गेहूँ की एक क्विंटल की उतरवाई 6 रूपये के स्थान पर 10 रूपये निश्चित किया जाने की माँग की है।

पुलिस अधिकारियों पर घर से बेघर करने का आरोप

गुलाब बाग धौलपुर में करीब 60 वर्ष पूर्व से रह रहा था बीपीएल परिवार

धौलपुर कलेक्टर से आवास की सुरक्षा की मांग करते परिवार के सदस्य।

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की ऑफिसर कॉलोनी गुलाब बाग धौलपुर के एक परिवार ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला कलेक्टर अनिल कुमार अठावाल को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कुछ पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों पर जानबूझकर घर से बेघर करने का आरोप लगाया है।

ज्ञापन में बताया गया है कि कुछ पुलिस अधिकारी व कर्मचारी जानबूझकर हमें घर से बेघर करने पर तुले हैं। हमारे घर गृहस्ती के समस्त

■ **जिला कलेक्टर से घर से बेघर नहीं करने की लगाई गुहार**

सामान को फेंकने के लिए पुलिस बल व महिला पुलिस बुलाकर हमें तंग परेशान किया जा रहा है। ज्ञापन देने आई महिला सुधा देवी पत्नी मोती सिंह निवासी ऑफीसर कॉलोनी गुलाब बाग धौलपुर ने बताया कि वह आर्थिक स्थिति से कमजोर एवं बीपीएल चयनित परिवार है। जो कि करीब 60 वर्ष पूर्व से यहां रहते चले आ रहे हैं।

महिला ने बताया कि अगले माह मेरी पुत्री की शादी विवाह का कार्यक्रम है, जो सर्दी से बचने के लिए हमने टीम शेड डाले जाने को लेकर थोड़ा सा निर्माण कार्य किया तो कुछ पुलिस अधिकारी हम गरीब परिवार को यहां से हटा कर हमारे सामान को फिकवाने की धमकियां दे रहे हैं। ज्ञापन में जिला कलेक्टर से घर से बेघर नहीं करने की मांग की है।

बाइक सवार मामा-भांजे करणी नहर में गिरे

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के जैतसर इलाके में सोमवार को गांव दो जीबी से जैतसर नरमा बेचने के लिए जा रहे मामा भानजा बाइक फिसलने से नहर में गिर गए। हादसे में मामा तैरकर नहर से बाहर निकल गया जबकि भानजे के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। नहर किनारे उसकी तलाश की जा रही है। मौके पर आसपास के इलाके के ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। इस बारे में जैतसर पुलिस को सूचना दी गई है।

नहर में गिरे युवक की तलाश की जा रही है। गांव दो जीबी का चुन्नीलाल नायक (40) अपने भानजे संजय (17) के साथ घर से नरमा बेचने के लिए निकला था। उसके पास करीब बीस-पच्चीस किलो नरमे की गांठ थी। नरमा लेकर दोनों जैतसर की तरफ बढ़ रहे थे। इसी दौरान गंगनहर की करणी जी वितरिका के पास पहुंचने पर मोटरसाइकिल अनकंट्रोल होकर नहर में गिर गई। मोटरसाइकिल पानी में गिरते ही चुन्नीलाल तैरकर बाहर निकल गया। उसका भानजा संजय तैर नहीं पाया।

■ **मामा तैर कर निकला, भांजे की तलाश जारी**

आसपास के लोगों ने मौके पर नहर में पड़ी मोटर साइकिल तो निकाल ली लेकिन संजय का पता नहीं लगा। नहर किनारे संजय की तलाश की जा रही है। मौके पर परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुटे हैं। नहर में कुछ दूरी पर जाल डालकर संजय को ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में किया जनसम्पर्क

सरदारशहर, (निसं)। सोमवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एवं पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने तहसील क्षेत्र के जसंगसर, भादासर दिखनादा, पाबूसर व कांगड में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी अनिल शर्मा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री गहलोत की जनकल्याण की योजनाओं को बताते हुए व दिवंगत विधायक पं भंवरलाल शर्मा द्वारा किये गये विकास कार्यो को ध्यान में रखते हुए अनिल शर्मा को भारी मतो से विजय बनाये व अनिल शर्मा को वोट देकर दिवंगत पं शर्मा को सच्ची श्रंद्धाजलि देने की अपील की। इस अवसर पर तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया, सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल, सादुलपुर विधायक कृष्णा पूनिया ने भी विचार व्यक्त किए।

मंत्री शेखावत ने किया शहीद की प्रतिमा का अनावरण

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत मां की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर अमिट छाप छोड़ जाते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति का प्रकाश मिलता रहता है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री शेखावत ठाम पंचायत लोरडी पंडितजी में अमर शहीद विजय सिंह सोलंकी के स्मारक और प्रतिमा अनावरण समारोह में सम्मिलित हुए। शेखावत ने वीर सपूत प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय विचारक, समाजसेवी, लेखक और दार्शनिक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने जोधपुर में महामंदिर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। शेखावत ने कहा कि ज्योतिबा फुले के विचार हर काल में प्रासंगिक रहेंगे। पूर्व जिला अध्यक्ष नरेन्द्र कछवाह, भाजपा के मण्डल अध्यक्ष, पार्षद, ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के सदस्यों, भाजपा कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों ने महान समाज सुधारक, देशभक्त ज्योतिबा फुले को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर श्रद्धा से याद किया।

आमजन से की मुलाकात :- केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को पाली और उदयपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करने के बाद जोधपुर पहुंचे और निज निवास पर आमजन से मुलाकात की। शेखावत ने लोगों के अभाव अभियोग सुने और यथासंभव समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया।

नगरपालिका ने अस्थाई दुकानों को हटवाया

मालपुरा, (निसं)। नगरपालिका शहरी क्षेत्र में रिक्त पडी करोडों रूपयों की सरकारी जमीन व सम्पति पर काबिज दबंग व प्रभावशाली अतिक्रमियों पर मेहरबान उपखण्ड प्रशासन व नगरपालिका प्रशासन ने शहर में अतिक्रमण हटाओं अभियान के नाम पर फुटपाथ किनारे अस्थाई वूलन कपडों की टेन्टो में दुकाने लगा परिवार का गुजर बसर कर रहे गरीबों की दुकाने हटा रोजगार छीनने का मामला सामने आया है।

मामले अनुसार शरद ऋतु शुरू होने के साथ ही गांव शहर में फेरी लगा अस्थाई दुकानों के माध्यम से गर्म कपडे बेच अपने परिवार की आजीविका कमाने वाले तकरीबन दो दर्जन से अधिक गरीब व मध्यम वर्ग के बाहरी लोगों ने शहर के जयपुर रोड सीनियर सैकेण्डरी स्कूल व खेल मैदान के सामने फुटपाथ किनारे अथवा रिक्त पडे भूखण्डों में टेन्ट व तम्बू गाढ अस्थाई शामीयानों में अथवा तिरपाल बिछा गर्म कपडों की अस्थाई दुकाने लगा अपने परिवार का गुजर बसर कर रहे थे।

बीते कई सालों से ये व्यक्ति मालपुरा शहर में इसी स्थान पर अस्थाई दुकाने लगा दो महीने तक गर्म कपडे से आजीविका कमाते आ रहे थे लेकिन शहर के कुछ लोगों ने व्यापार मंडल के नाम पर उपखण्ड व नगरपालिका प्रशासन को प्रार्थना पत्र दे इन गरीबों की अस्थाई दुकानों को हटवाने में कामयाब रहे। इतना ही नहीं व्यापार मंडल के नाम पर इन चंद लोगों के प्रार्थना पत्र पर पालिका के पार्षदों ने भी अपने हस्ताक्षर कर अपनी भागीदारी निभाई।

गहलोत ने अपनी कुर्सी बचाने में गुजारे चार साल: कटारिया

भाजपा की जन आक्रोश रैली एक दिसम्बर से

उदयपुर, (कासं)। गहलोत सरकार की जन विरोधी नीतियों के विरूद्ध भाजपा 1 से 14 दिसम्बर तक जन आक्रोश रैली निकाल कर आमजन को जागरूक करेगी। यह रैली जिला मुख्यालय से लेकर पंचायत एवं वार्ड स्तर तक निकाली जायेगी।

यह जानकारी सोमवार को यहां नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द्र कटारिया ने यहां भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि आक्रोश रैली के लिए 200 रथ तैयार कर लिए गए है जिन्हें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 1 दिसम्बर को हरी झंडी दिखाकर प्रदेश की 200 विधानसभाओं में रवाना करेंगे। आक्रोश रैली के दौरान तीन मुद्दों पर चर्चा होगी उनमें प्रदेश में फैला जंगलराज, भ्रष्टाचार और कुशासन प्रमुख है। पत्रकार वार्ता के दौरान कटारिया ने सीएम गहलोत पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि गहलोत ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए अपने सभी विधायकों को मुख्यमंत्री के अ धिकार दे दिए जिसके कारण प्रदेश में जंगलराज चल रहा है। महिलाएं सुरक्षित नहीं है। गैंग रैप के मामले में राजस्थान यूपी से भी आगे है। स्कूलों में अध्यापक और पुलिस थानो में पुलिस द्वारा रैली की घटनाएं आम हो गई है। भ्रष्टाचार चरम पर है और प्रदेश में शासन नाम की कोई व्यवस्था नहीं है। पूरे चार वर्ष गहलोत ने केवल अपना पद सुरक्षित रखने में गुजार कर प्रदेश के विकास को पीछे धकेल दिया।

कांग्रेस में ल रही कलह पर कटारिया ने कहा कि हालांकि यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है लेकिन गहलोत को अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना चाहिए। कटारिया ने सचिन पायलट की तरफदारी करते हुए कहा कि सचिन की क्षमता और योग्यता से ही कांग्रेस की सरकार बनी। उनके अध्यक्षकाल की मेहनत से कांग्रेस ने 21 सीटों से बढ कर 99 सीटों पर पहुंचकर प्रदेश में सरकार बनाई।

पार्टी के लिए मेहनत करने वाले ऐसे व्यक्ति को गद्दार कहना गहलोत की ओछी मानसिकता को दर्शाता है और वहीं उनके यह बिगड़े बोल यह साबित करते है कि उनकी कुर्सी जाने वाली है और उसी डर से अपने शब्दों से खींज निकाल रहे है। कटारिया ने कहा कि कांग्रेस की उठक पटक से प्रदेश में मध्यावधि चुनाव से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इस दौरान उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष चन्दग्रुप्त सिंह चौहान एवं अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

अवैध हथियार के दम की लूट

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर की ओड़ेला रोड स्थित ताल कॉलोनी में चोरों ने रविवार सोमवार की रात्रि को एक मकान को निशाना बनाते हुए 18 हजार रुपए की नगदी के साथ करीब 50 हजार रुपए के सोने चांदी के आभूषणों को पार कर दिया। चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद चोर पड़ोसी की बाइक को भी चुरा ले गए। थाने में पीड़ित ने मामला दर्ज कराया है।

एएसआई यादराम ने बताया कि ताल कॉलोनी का रहने वाला गफ्फार उम्र 24 पुत्र बदले ने थाने में मामला दर्ज कराया है। जिस मामले में पीड़ित ने बताया है कि रविवार रात को 3 अज्ञात चोरों ने उनके घर में घुसकर पत्नी को अवैध हथियार के दम पर धमका कर घर में रखे सोने चांदी के आभूषणों के साथ 18 हजार रुपए की नकदी को पार कर दिया। आरोपी महिला को धमका कर पड़ोस में रहने वाली नेत्रपाल की मोटरसाइकिल को लेकर फरार हो गए।

सिलिकोसिस से एक जने की मौत

गांव बांसी निवासी प्रेम सिंह को उपचार के लिए सीएचसी लाया गया था

वैर, (निसं)। प्रदेश में सिलकोसिस से होने वाली मौत थमने का नाम नहीं ले रही है। गांव बांसी में सिलिकोसिस बीमारी के चलते एक जने की मौत हो गई जिसका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम कार्रवाई करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

गांव बांसी निवासी प्रेम सिंह पुत्र फूल सिंह जाटव की देर शाम तबीयत खराब हो गई जिसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रेम सिंह सिलिकोसिस बीमारी से ग्रसित बताया जिसके शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवा दिया। सोमवार सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों द्वारा पोस्टमार्टम कार्यवाही करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि गांव बांसी निवासी कप्तान सिंह ने पुलिस में रिपोर्ट देकर अवगत कराया की उसका बड़ा भाई प्रेम सिंह पुत्र फूल सिंह जाटव सिलकोसीस बीमारी से ठासित था जिसकी मौत हो गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कार्रवाई करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

मृतक का सीएचसी पर पोस्टमार्टम कराती पुलिस।

सनसिटी रिसोर्ट में दुल्हनों को लेने आया हैलीकॉप्टर

चूरू के सनसिटी रिसोर्ट से दुल्हन की विदाई हेलीकॉप्टर में हुई।

चूरू, (कासं)। कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सीकर निवासी यूसुफ खां जेवली ने अपने दो बेटों की दोनो दुल्हनों को ससुराल लाने के लिए हैलीकॉप्टर भेजा।

यूसुफ खां के भांजे इस्माइल खां ने बताया कि मेरे मामा के बड़े बेटे इमरान की पिथीसर के यूसुफ की पुत्री जाहिदा की 27 नवम्बर को शादी हुई थी। वंही दूसरी तरफ मेरे मामा के छोटे बेटे नदीम की चूरू के वन विहार के रमजान मोयल की पुत्री नाजमीन के साथ 27 नवम्बर को शादी हुई थी। यूसुफ जेवली ने 28 नवम्बर को दोनो बहुओं को ससुराल लाने के लिए सुबह नौ बजे हैलीकॉप्टर भेजा था। साढ़े नौ बजे हैलीकॉप्टर दोनो दूल्हे व दुल्हनों को लेकर सीकर के लिए रवाना हुआ। शहर में दोनो दुल्हनों को लेने के लिए जब शहर में हैलीकॉप्टर आया तो लोगो के बीच चर्चा का विषय बन गया।

■ **दुल्हनों को लेने आये हैलीकॉप्टर बने कौतूहल का विषय**

बस की टक्कर से कम्पाउण्डर की मौत

करौली, (निसं)। एक निजी बस ने करौली-गंगापुर मार्ग पर पाटौर गांव में स्कूटी को टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी सवार आयुर्वेद विभाग में कार्यरत कंपाउंडर की मौत हो गई। मृतक का शव करौली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जिसका पोस्टमार्टम कर शव परिजनो को सुपुर्द कर दिया।

करौली अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई महेश शर्मा ने बताया कि गोपाल कर्णावत पुत्र रामसिंह 58 निवासी कर्मचारी कॉलोनी गंगापुर सिटी करौली के तुलसीपुरा स्थित आयुर्वेदिक औषधालय में कंपाउंडर के पद पर कार्यरत था। सोमवार प्रात: करीब 10 बजे कंपाउण्डर स्कूटी द्वारा गंगापुर से करौली आ रहा था। करौली आते समय एनएच 23 पर पाटौर गांव के पास करौली से गंगापुर की ओर जा रही एक निजी बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। बस की टक्कर से स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल को करौली अस्पताल लाया गया। जहां डॉ. ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी से घटना की सूचना कुडगांव थाना पुलिस और मृतक के परिजनों को दी गई है। मृतक का शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जिसका परिजनो की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कर शव सुपुर्द कर दिया। वही पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आठ सूत्री मांगों को लेकर जनक्रान्ति सेना का बीसलपुर से जयपुर पैदल मार्च शुरू

मालपुरा अस्पताल में ट्रोमा सेन्टर, खेल स्टेडियम निर्माण, कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना आदि मांग रखी

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र में आमजन से जुड़ी आठ सूत्री मांगों को लेकर जनक्रान्ति सेना ने सोमवार को बीसलपुर महादेव की पूजा कर जयपुर के लिए कूच किया। जनक्रान्ति सेना के संयोजक पूर्व उपजिला प्रमुख अवधेश शर्मा की अगुवाही मे हजारों महिला-पुरूषों ने बिसलपुर महादेव मंदिर मे पूजा अर्चना कर 150 किमी लम्बी पैदल मार्च पर निकल पडे।

टोडारायसिंह कस्बे में पहुंची पैदल मार्च में शामिल लोगों का जगह-जगह जोरदार स्वागत किया गया। अवधेश शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले, डॉ.भीमराव अम्बेडकर व महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विधानसभा क्षेत्र की आमजन से जुडी आठ सूत्री मांगों को लेकर जयपुर पैदल मार्च किये जाने का उद्देश्य बता आमजन से सहयोग की अपील की।

पैदल मार्च का पहला पडाव चामुण्डा माता मंदिर कुकड में रहा। अवधेश शर्मा बीते 20 साल से विधानसभा क्षेत्र की जनसमस्याए उठाते आ रहे है। क्षेत्र में लगातार 9 साल से भाजपा का विधायक व सांसद होने के बावजूद जनसमस्याओं के समाधान व क्षेत्र के विकास में शिथिलता बरतने से मालपुरा क्षेत्र के अवरूद्ध पडे विकास पर भी कई मृतबा आवाज उठाई।

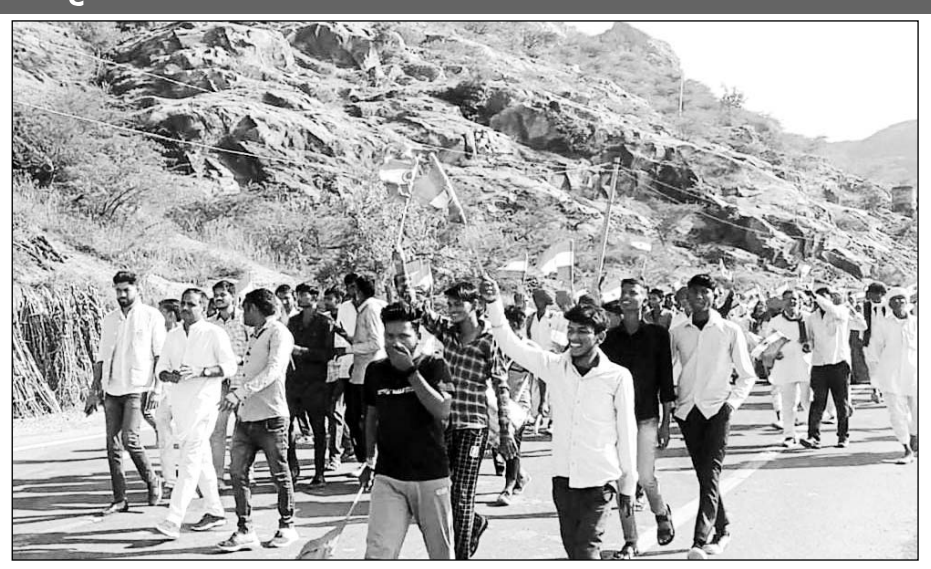

मालपुरा-टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र की आठ सूत्री मांगों को बजट में शामिल कराने की मांग को लेकर पैदल मार्च निकाला।

अवधेश शर्मा ने अपनी आठ सूत्री मांगों में बिसलुपर बांध का ऑवरफ्लो पानी टोरडी, चान्दसेन व रामसागर बांध में डलवाने, बिसलपुर पुलिया का निर्माण करवाने, टोडा मंडी को पूर्ण मंडी का दर्जा दे, ज्योतिबा फुले नामकरण करने, मालपुरा में खेल स्टेडियम निर्माण, कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना, मालपुरा अस्पताल में ट्रोमा सेन्टर, अविकानगर टॉल नांके को पैराफेरी क्षेत्र से बाहर स्थानान्तरित करने जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को आगामी बजट में शामिल करवाने को लेकर 150 किमी तक क्षेत्रवासियों के साथ पैदल मार्च कर जयपुर पहुंच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को ज्ञापन के जरिए अवगत करवाया जायेगा।

जनक्रान्ति सेना की पैदल मार्च में बिसलपुर से मोर तक कारवां बढता गया व अवधेश शर्मा को जनसमर्थन दे क्षेत्रवासियों में उनके साथ पैदल मार्च में शामिल हो अपना समर्थन दिया।

भारत के लिये टीम की घोषणा के लिये एक समय सीमा है और सच कहूं तो पूरी संभावना है कि मैं इसमें जगह नहीं बना पाऊंगा। वे निश्चित रूप से मुझे क्रिकेट खेलते हुए देखेंगे और अगर वे मुझे इस दौरे के लिये चुनते हैं तो वे निश्चित रूप से बड़ा जोखिम लेंगे। - **ग्लेन मैक्सवेल**

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज, भारतीय दौरे को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जो रूट

इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 23 दिसंबर 2022 को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के लिये होने वाली नीलामी में अपना नाम शामिल करेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रूट ने इससे पहले 2018 की नीलामी में भी अपना नाम शामिल किया था लेकिन उन्हें किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा। वह इसके अलावा इंग्लैंड के टी20 ब्लास्ट और ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स के लिये खेल चुके हैं। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने कहा कि रूट को एक बार फिर किसी भी फ्रेंचाइजी द्वारा न खरीदे जाने की आशंका है।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

एक ओवर में लगातार सात छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने गायकवाड़

अहमदाबाद, 28 नवंबर। महाराष्ट्र के रुतुराज गायकवाड़ विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में सोमवार को उत्तर प्रदेश के खिलाफ एक ओवर में सात छक्के जड़कर लिस्ट-ए क्रिकेट में ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन गये।

गायकवाड़ ने शिवा सिंह द्वारा फेंके गए 49वें ओवर में यह कीर्तिमान रचा। इस ओवर की पांचवीं गेंद नो बॉल होने के कारण शिवा को कुल सात गेंदें फेंकनी पड़ीं। गायकवाड़ ने सभी गेंदों पर छक्के लगाकर ओवर में कुल 43 रन जोड़े।

गायकवाड़ इसी के साथ सीमित ओवर क्रिकेट में एक ओवर में लगातार सात छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये। क्रिकेट के सभी प्रारूपों में एक ओवर में सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ली जर्मोन के पास है, जिन्होंने एक ओवर में आठ छक्के मारे थे। न्यूजीलैंड घरेलू क्रिकेट के 1989-90 सीज़न के दौरान प्रथम श्रेणी मैच के इस ओवर में 17 नो बॉल शामिल थीं और पूरे ओवर में कुल 77 रन बने थे। गायकवाड़ का 43 रन का ओवर लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे महंगा ओवर बन गया। इससे पहले 2018 में न्यूजीलैंड के घरेलू 50 ओवर के खेल में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के ब्रेट हैम्पटन और जो कार्टर ने भी एक ओवर में 43 रन जोड़े थे।

गायकवाड़ ने इसी ओवर में अपना दोहरा शतक भी पूरा किया। महाराष्ट्र के लिए पारी की शुरुआत करने उतरे गायकवाड़ ने इस पारी में 159 गेंदों पर 10 चौकों और 16 छक्कों की बदौलत नाबाद 220 रन बनाए, और अपनी टीम को 50 ओवर में 330 रन तक पहुंचाया।

केवल चार खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के मारने की उपलब्धि हासिल की है। इनमें दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स, भारत के युवराज सिंह, वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड और यूएसए के जसकरन मल्होत्रा का नाम शामिल है।

कैमरून ने सर्बिया को ड्रॉ पर रोका

अल-वाकराह (कतर), 28 नवंबर। कैमरून ने विन्सेंट अबूबकर (एक गोल, एक असिस्ट) की बदौलत सोमवार को फीफा विश्व कप 2022 के रोमांचक ग्रुप-जी मुकाबले में सर्बिया को 3-3 के ड्रॉ पर रोक दिया। कैमरून के लिये जीन चार्ल्स कैस्टेलेटो (29वां), अबूबकर (63वां) और एरिक मैक्सिम चौपो-मोटिंग (66वां मिनट) ने गोल किये। स्ट्राहिन्जा पावलोविच (45 1वां), सर्गेज मिलिनकोविच (45 3) और एलेक्सैंडर मिट्रोविच (53वां मिनट) ने सर्बिया के गोल जमाये।

कैमरून ने रोमांचक मुकाबले के 29वें मिनट में पहला गोल जमाकर सर्बिया को शांत रखा था। कैमरून 1-0 की बढ़त के साथ दूसरे हाफ में जाने वाली थी लेकिन पावलोविच और मिलिन कोविच ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में गोल करके मैच का रुख पलट दिया। दूसरे हाफ के सातवें मिनट में मिट्रोविच

ने भी गोल किया और सर्बिया की बढ़त 3-1 हो गयी। पहले मैच में स्विट्जरलैंड से हारने के बाद कैमरून एक और हार की ओर अग्रसर थी लेकिन अबूबकर उनके लिये संकटमोचक बनकर आये।

अबूबकर ने पहले 63वें मिनट में कैमरून का दूसरा गोल किया। इसके बाद चौपो-मोटिंग ने सर्बियाई बॉक्स के अंदर अबूबकर के असिस्ट की मदद से गोल करके स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। मैच के 89वें मिनट में मिट्रोविच ने कैमरून के खेमे में पहुंचकर गोल करना चाहा लेकिन वह गोलकीपर को पार नहीं कर सके।

अबूबकर दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में फील्ड पर आये थे लेकिन उनके योगदान ने कैमरून को फीफा विश्व कप में बरकरार रखा है। वह एक विश्व कप मैच में गोल और असिस्ट दोनों करने वाले पहले अफ्रीकी खिलाड़ी भी बन गये हैं। कैमरून का आखिरी ग्रुप-जी मुकाबला शनिवार को ब्राज़ील से होगा, जबकि सर्बिया को इसी दिन स्विट्ज़रलैंड का सामना करना है।

कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

मलागा, 28 नवम्बर। कनाडा ने टेनिस का वर्ल्ड कप कहे जाने वाले डेविस कप का खिताब जीत लिया है। उसने स्पेन के मलागा में खेले गए फाइनल मुकाबले में 28 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया। 121 साल पुराने इस टूर्नामेंट कनाडा को पहली बार ट्रॉफी चूमने का मौका मिला है। टीम इस टूर्नामेंट में 109 साल से खेल रही है। कनाडा की टीम 2019 के सीजन में उपविजेता रही थी। तब उसे राफेल नडाल की मौजूदगी वाले स्पेन ने हराया था। साथ ही हम टूर्नामेंट का इतिहास और इसमें भारत की स्थिति भी देखेंगे...उससे पहले देखिए कनाडाई टीम का परफॉर्मेंस रविवार को डेनिस शापोवालोव और फेलिक्स ऑगर अलियासिमे की जीत के दम पर कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से मात दी।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश श्रृंखला के लिये महिला टीम की घोषणा की

क्राइस्टचर्च, 28 नवंबर। न्यूजीलैंड ने बंगलादेश के खिलाफ घरेलू सीमित ओवर शृंखलाओं के लिये महिला टीम की घोषणा करते हुए अगले साल होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की तैयारियां शुरू कर दी हैं। अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबलों के लिए 15-खिलाड़ी टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी कप्तान सोफी डिवाइन को सौंपी गयी है। सुजी बेट्स, अमेलिया केर, जेस केर, मैडी ठीन और हेले जेन्सेन इस टीम के साथ अपना अनुभव साझा करेंगी, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज जेस मैकफैडेन इस शृंखला में पदार्पण कर सकती हैं। फरवरी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले यह न्यूजीलैंड की आखिरी सीरीज होगी। मुख्य कोच बेन सॉयर को उम्मीद है कि उन्हें यहां कुछ सकारात्मक नतीजे देखने को मिलेंगे। सॉयर ने कहा, "हमने अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए पिछले कुछ महीनों में एक खाका तैयार किया है कि हम कैसे खेलना चाहते हैं, खासकर टी20 प्रारूप में। यह दौरा अपने काम को जारी रखने और उन योजनाओं को आजमाने एवं बदलाव करने का एक शानदार अवसर होगा।"

न्यूजीलैंड स्क्वाड : सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, एडेन कार्सन, लॉरेन डाउन, मैडी ठीन, ब्रुक हॉलिडे, हेले जेन्सेन, फ्रान जोनास, अमेलिया केर, जेस केर, जेस मैकफैडेन, मौली पेनफोल्ड (केवल वनडे), हन्ना रोवे (केवल वनडे), जॉर्जिया प्लिमर (केवल टी20), ली ताहुहू।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 42-30 से हराया

इंचियोन (दक्षिण कोरिया), 28 नवंबर। भारत की सीनियर महिला हैंडबॉल टीम ने 19वीं एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में सोमवार को अपने चौथे लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को 42-30 से हराया। भारत की ओर से भावना ने सर्वाधिक 16 गोल दागे, जबकि मेनका ने 12 गोल किये। शालिनी ठाकुर ने आठ जबकि सोनिका ने पांच गोल का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेम्मा बके ने सर्वाधिक 11 गोल किये। इसके अलावा हैना ने सात और चोले वॉन ने पांच गोल दागे। मेनका को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया।

पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक रवैया जारी रखेगी इंग्लैंड : मैकुलम

रावलपिंडी, 28 नवंबर। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में आक्रामक रवैये के साथ खेलना जारी रखेगी। मैकुलम ने पाकिस्तान आने के बाद अपनी पहली संवाददाता सम्मेलन में कहा, घर से दूर जाकर जीतना सबसे बड़ी उपलब्धि है जिसे आप एक टेस्ट खिलाड़ी और एक टेस्ट टीम के रूप में हासिल कर सकते हैं। हम समझते हैं कि हम किस चुनौती का सामना कर रहे हैं, लेकिन यह अच्छा है। आप इसीलिए तो खेलना चाहते हैं। आप आसान चुनौतियां नहीं चाहते हैं। मैं वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे नहीं पता कि हम सीरीज जीतेंगे या नहीं, लेकिन मैं दावा कर सकता हूं कि जब कप्तान (बेन स्टोक्स) 48 घंटे में यहां आयेंगे तो वह कहेंगे कि सीरीज में कोई ड्रॉ नहीं होगा। इंग्लैंड 17 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है और यह बतौर कोच मैकुलम का पहला विदेशी दौरा भी है। मैकुलम-स्टोक्स की अगुवाई में इंग्लैंड ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अपना रवैया बदला है, और उन्हें पिछले सात में से छह मुकाबलों में जीत भी मिली है। मैकुलम ने कहा, हम निश्चित रूप से मैच को परिणाम तक पहुंचाने के लिये जोर देंगे। यह हमारा दायित्व है कि लोग मैच का आनंद लेकर लौटें। अगर हम हार जाते हैं, तो हमें पता होगा कि पाकिस्तान हमसे बेहतर खेला। मुझे उम्मीद है कि हम अच्छा खेलेंगे और अगर हम हार जाते हैं तो भी ठीक है। हम अवसर, चुनौती और आतिथ्य का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कुछ हफ्तों में हर कोई कहेगा कि यह एक अद्भुत शृंखला रही है।

घाना ने रोमांचक मुकाबला जीता, कोरिया विश्व कप से बाहर

अल रैयान (कतर), 28 नवंबर। घाना ने मोहम्मद कुद्दूस के दो गोलों की बदौलत सोमवार को फीफा विश्व कप 2022 के रोमांचक ग्रुप-एच मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। एजुकेशन सिटी स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में विजेता टीम के लिये मोहम्मद सालिसू (24वां) और कुद्दूस (34वां, 68वां मिनट) ने गोल किये। चो गुए-सुंग (58वां, 61वां) ने कोरिया के दोनों गोल जमाये।

पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद कोरिया गुए-सुंग के गोलों की बदौलत मैच में वापस आ गया था, लेकिन कुद्दूस के गोल ने एक बार फिर घाना को बढ़त दिला दी। इसके बाद कोरिया ने स्कोर बराबर करने के कई प्रयास किये लेकिन घाना के गोलकीपर लॉरेंस अतिज़िगी ने उन्हें एक बार भी कामयाब नहीं होने दिया और अपनी टीम के लिये बहुमूल्य तीन अंक सुनिश्चित किये।

करो या मरो मुकाबले में कोरिया ने अच्छी शुरुआत की लेकिन सालिसू ने घाना को शुरुआती बढ़त दिलाई। मैच के 23वें मिनट में सालिसू ने जॉर्डन एयू से पास लेकर उसे गोल में पहुंचा दिया। मैच के 34वें मिनट में जॉर्डन ने कुद्दूस को पास दिया और घाना

ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद गुए-सुंग कोरिया को मैच में वापस लेकर आये। उन्होंने 57वें मिनट में ली कांग के क्रॉस को हेडर से घाना के गोल में पहुंचाया। पांच मिनट बाद उन्होंने जिन सू के क्रॉस पर यही कारनामा दोहराते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

छह मिनट के अंतराल में दो गोलों के साथ कोरिया ने आक्रामक रुख अपना लिया था लेकिन कुद्दूस एक बार फिर घाना की मदद के लिये आगे आये। मैच के 67वें मिनट में इनाकी विलियम्स बाईं ओर से आये क्रॉस को किक करने से चूक गये, जिसके बाद कुद्दूस ने कोरियाई रक्षण को छकाते हुए बॉल को नेट में पहुंचाया। मैच के आखिरी 20 मिनटों में कोरिया ने पूरी आक्रामकता अपनाई लेकिन अतिज़िगी ने शानदार तरीके से गोलपोस्ट की रक्षा की और कोरिया को एक गोल के अंतर से हारना पड़ा। कोरिया दो मैचों में एक ड्रॉ और एक हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है, जबकि घाना एक जीत और एक हार के साथ ग्रुप-एच में पुर्तगाल के बाद दूसरे स्थान पर है। कोरिया को अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में शुक्रवार को पुर्तगाल का सामना करना है जबकि घाना इसी दिन उरुग्वे का सामना करेगी।

पाकिस्तान टेस्ट सीरीज की कमाई बाढ़ पीड़ितों को दान करेंगे स्टोक्स

रावलपिंडी, 28 नवंबर। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने पाकिस्तान टेस्ट शृंखला की अपनी मैच फीस पाकिस्तानी बाढ़ पीड़ितों के लिए दान करने की घोषणा की है। स्टोक्स ने सोमवार को ट्वीट किया, साल की शुरुआत में बाढ़ से पाकिस्तान को तबाह होते देखना बहुत दिल का झकझोरने वाला पल था और इससे देश एवं देशवासियों पर गहरा प्रभाव पड़ा है। इस खेल ने मुझे जीवन में बहुत कुछ दिया है और इसके बदले में कुछ लौटाना बहुत जरूरी है जो क्रिकेट से भी आगे जाता हो। मैं इस टेस्ट सीरीज की अपनी मैच फीस पाकिस्तानी बाढ़ पीड़ितों के लिए दान करूंगा। इस साल जून में आई मूसलाधार बारिश पाकिस्तान के इतिहास में सबसे गंभीर बाढ़ का कारण बनी। बाढ़ में 3.3 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जबकि 1700 से ज्यादा लोगों की जान चली गयी थी। स्टोक्स ने उम्मीद जताई कि उनका यह प्रयास बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों को फिर से बसाने के काम आयेगा। इंग्लैंड क्रिकेट टीम 17 साल बाद टेस्ट सीरीज खेलने के लिये पाकिस्तान आयी है। तीन मैचों की शृंखला की शुरुआत एक दिसंबर को रावलपिंडी टेस्ट के साथ होगी।

मैरी कॉम चलाएंगी कैंसर की शुरुआती जांच अभियान

हैदराबाद 28 नवंबर। अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट (एओआई) ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट आयोग की अध्यक्ष मैरी कॉम को कैंसर के शुरूआती लक्षणों की जांच अभियान चलाने के लिए चुना गया है। एओआई दक्षिण एशिया में 16 कैंसर अस्पतालों का संचालन करने वाली सबसे बड़ी कैंसर अस्पतालों में से एक है।

एओआई ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इस अभियान का उद्देश्य पूर्वोत्तर सहित देश भर में कैंसर का जल्द पता लगाने और नियमित जांच के बारे में जागरूकता फैलाना है, जहां कैंसर की सबसे अधिक घटनाएं होती हैं। एनसीआरपी की रिपोर्ट 2020 के अनुसार, भारत में हर साल लगभग दस लाख नए कैंसर के मामले सामने आते हैं और फिर भी नियमित जांच पर जागरूकता का स्तर बहुत कम है।

कैंसर के लक्षणों का जल्द पता लगाने के लिए एओआई ने मैरी कॉम के साथ मिलकर सार्वजनिक स्वास्थ्य हित में एक लघु फिल्म लॉन्च की है। इस फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे कैंसर के शुरुआती लक्षणों को जानकर इस रोग से जल्दी से निपटा जा सकता है और यह फिल्म 'थिंक बिफोर टाइम' और 'एक्ट बिफोर टाइम' जैसे शब्दों का उपयोग करके कैंसर के लिए नियमित स्क्रीनिंग पर जनता का ध्यान आकर्षित करती है। मैरी कॉम ने कहा,जैसे हमें एथलीट के लिए हर स्थिति में अच्छी तरह से तैयार रहना महत्वपूर्ण है। ठीक वैसा ही कैंसर के साथ है जहां शुरुआती निदान पाकर इस रोग से बचने में कामयाब साबित हो सकते हैं। नियमित स्क्रीनिंग से कुछ कैंसर का जल्द पता लगाया जा सकता है।

एथलीट कॉम ने कहा,नियमित स्क्रीनिंग के माध्यम से मैं कैंसर से संबंधित जागरूकता फैलाने और प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त बनाने की उम्मीद करती हूं ताकि वे अच्छी तरह से तैयार हो सकें एवं स्वस्थ जीवन जी सकें। एओआई कैंसर का जल्द पता लगाने के लिए नियमित रूप से अपनी 16 इकाइयों में मुफ्त कैंसर जांच शिविर आयोजित करता है।

शुरुआती पहचान के बारे में बात करते हुए, सीटीएसआई, दक्षिण एशिया के ग्रुप सीईओ डॉ जगप्रग सिंह गुजराल ने कहा, हमें

नाम परिवर्तन

मैं, नं. 15506663W एल.डी. ध्रुवज्योति बेजबरूवा (Dhrubajyoti Bezbaruah) निवासी बारमखीबाहा, पोस्ट मखीबाहा, तह. टिहू, जिला-नलबाड़ी (असम) मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पिताजी का नाम फटिक चन्द्र सिल एवं माताजी का नाम पद्मिनी सिल गलत दर्ज है सही नाम फटिक शील एवं पद्मिनी शील है। शपथ पत्र नं. 3357, दिनांक 28.11.2022

अंतिम अरदास

सरदार गुरदर्शन पाल सिंह कपूर सुपुत्र स्व. सरदार जोगिंदर पाल सिंह कपूर निवास- B-81, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर का अकाल चलाणा 26.11.2022 को हो गया है। अंतिम अरदास 29.11.2022 मंगलवार को गुरुद्वारा राजा पार्क में दोपहर 12.00 से 1.00 बजे होगी। शोकाकुल: परविंदर कौर (पत्नी), बरिंदर सिंघर-नरेश चंद्र सिंघर (बहन-बहनोई), मनमीत कपूर-रामदास अरोड़ा, मिना कौर-गगनदीप सिंह (पुत्री-दामाद) एवं समस्त परिवार 9850169993, 9460371318

सीआईएसएफ ने जीता सुपर-6 का उद्घाटन मैच

नयी दिल्ली, 28 नवंबर। सीआईएसएफ प्रोटेक्टर ने सोमवार को फुटबॉल दिल्ली सीनियर डिवीजन लीग के पहले सुपर-6 मुकाबले में शास्त्री एफसी को 5-0 से मात दी। नेहरू स्टेडियम पर खेले गये दिन के दूसरे मैच में नेशनल यूनाइटेड ने गढ़वाल डायमंड को 2-1 से हराया।

सुपर-6 के उद्घाटन मैच की विजेता सीआईएसएफ को खाता खोलने के लिये एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। मैच के 61वें मिनट में जतिंदर ने पहला गोल जमाया, जिसके बाद गोलों की झड़ी लग गयी। राकेश के आत्मघाती गोल और शक्ति, संतोष और मनिंदर के गोलों से सीआईएसएफ ने जीत को आसान बनाया। संतोष को मैन आफ द मैच आंका गया।

दिन के दूसरे मैच में नेशनल यूनाइटेड के लिये दिविज ने गोल जमाया, जबकि गढ़वाल का गोल राहुल रावत ने किया। मुकाबला टक्कर का रहा लेकिन गढ़वाल के रक्षक आकाश मलिक का आत्मघाती गोल निर्णायक साबित हुआ। सीनियर डिवीजन लीग के सुपर-6 चरण में मंगलवार को अहबाब एफसी को दिल्ली टाइगर से खेलना है।

द्रोणाचार्य ने मिस्टर ओलंपिया में क्वालीफाई करने वाले शिष्यों को किया सम्मानित

नयी दिल्ली, 28 नवम्बर। द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित भुपिंदर धवन के जिम द्रोणाचार्य द जिम ने अपने शिष्यों मुकेश सिंह, सुरिन्दर सिंह और ऋतेश डोगरा को अमेरिका के लास वेगस में आयोजित मिस्टर ओलंपिया प्रो मीट में क्वालीफाई करने के लिये सम्मानित किया है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के क्वालीफायर में अनेक देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जहां मुकेश ने कांस्य पदक जीता। नयी दिल्ली में आयोजित एक समारोह में उक्त खिलाड़ियों का सम्मान करते हुए स्वास्थ्य एवं फिटनेस केंद्रों की शृंखला के संचालक भूपेन्द्र धवन ने इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

जितने मौके मिल रहे है उनमें बेहतर परफॉर्मेंस दूं : शुभमन गिल

वर्ल्ड कप में ओपनर की बात पर शुभमन गिल का कहना-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। मैं अभी वर्ल्ड कप के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मेरी कोशिश है कि अभी मुझे जितने मौके मिल रहे हैं उनमें बेहतर परफॉर्मेंस दूं।भारतीय ओपनर शुभमन गिल ने यह बात न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द किए जाने के बाद कही। गिल भले ही वर्ल्ड कप के बारे में न सोच रहे हों, लेकिन पिछले कुछ महीनों में बतौर ओपनर उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर खुद को रेस में ला दिया है। वसीम जाफर, आकाश चोपड़ा, अजीत अगरकर जैसे पूर्व क्रिकेटर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं और उन्हें वर्ल्ड कप स्क्वॉड में देखना चाहते हैं।

इससे एक सवाल सीधे तौर पर खड़ा होता है। वह यह कि क्या रोहित शर्मा, शिखर धवन और केएल राहुल जैसे ओपनर्स के रहते हुए गिल को वर्ल्ड कप टीम में जगह मिलेगी? अगर जगह मिल जाती है तो वे किसके साथ ओपनिंग कर सकते हैं।इसी सवाल का जवाब इस स्टोरी में तलाशने की कोशिश करते हैं।

जूनियर क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले गिल को भारत के लिए वनडे खेलने का पहला मौका 2019 में 20 साल की उम्र में ही मिल गया था। हालांकि, उस साल वे सिर्फ दो मैच खेल सके और सिर्फ 16 रन बना पाए। 2020 में गिल को 1 वनडे मिला जिसमें उन्होंने 33 रन बनाए। 2021 में गिल को एक भी वनडे नहीं मिला। तब लगने लगा कि पंजाब का यह बल्लेबाज सिलेक्टर्स के रडार से बाहर हो गया है। तभी 2022 में उनकी किस्मत पलटी। टीम के रेगुलर कैप्टन रोहित शर्मा ने जब-जब आराम लेने का फैसला किया गिल को बतौर ओपनर टीम में जगह मिली। इस साल उन्होंने 11 मैच खेले और 78.12 की औसत से 625 रन बना दिए। स्ट्राइक रेट भी 104.16 का रहा। गिल का ओवरऑल वनडे करियर ऊपर दी गई तस्वीर में देख सकते हैं। आगे टीम के रेगुलर ओपनर रोहित शर्मा और शिखर धवन के हालिया प्रदर्शन पर नजर डालते हैं।

रोहित शर्मा ने 2019 वनडे वर्ल्ड कप में पांच शतक जमाए थे। उसके बाद उनकी फॉर्म गिरती चली गई। 2021 से वे बिल्कुल भी लय में नहीं दिखे हैं। इस दौरान वे 9 मैच खेले और एक में भी शतक नहीं जमा पाए। रोहित वनडे ही नहीं टी-20 क्रिकेट में भी आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं। उनके खराब खेल का खामियाजा भारत ने पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में भी भुगता है। हालांकि, रोहित टीम के कप्तान हैं और पूरी संभावना है कि 2023 वनडे वर्ल्ड कप में टीम इंडिया उनकी अगुआई में ही उतरेगी। लिहाजा रोहित का बतौर ओपनर खेलना तय दिख रहा है।

रोहित की गैरहाजिरी में शिखर धवन को लगातार भारतीय टीम की कप्तानी करने का मौका मिल रहा है। धवन ने बतौर कप्तान बल्लेबाजी भी अच्छी की है। टी-20 और टेस्ट टीम से बाहर किए जा चुके धवन 2021 से अब तक 50-50 ओवर की क्रिकेट में 24 मैचों में 44.71 की औसत से 939 रन बना चुके हैं। इसमें 9 हाफ सेंचुरी भी शामिल हैं।

संक्षिप्त

भगवान की आस्था ही जीवन है : कमल

निवाई, (निसं)। छोटी बरथल में स्थित बैरवा मोहल्ले में सोमवार को बाबा रामदेव एवं शंकर भगवान की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कमल बैरवा द्वारा विधिवत पूजा अर्चना करके बाबा रामदेव एवं शंकर भगवान की मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कमल बैरवा ने कहा कि भगवान की आस्था ही जीवन है। उन्होंने कहा कि ईश्वर की पूजा से स्वर्ग की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर संरक्षक भंवर लाल, सरपंच जगदीश बैरवा, चिरंजीलाल बैरवा, रामेश्वर ठेकेदार, लादूलाल बैरवा, भागचंद मामा, नाथूलाल बैरवा, मदनलाल बैरवा, बाबूलाल मूंडिया सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

अन्न प्राशन संस्कार आयोजित

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत झिलाय में रविवार को गायत्री शक्ति पीठ में भारतीय संस्कृति के अनुरूप 2 जोडे को पुंसवन और 1 दम्पत्ति के बालक को अन्न प्राशन संस्कार यज्ञ रूप भगवान का गायत्री परिवार के सानिध्य मे आयोजित कर सराहनीय पहल की हैं। इस कार्यक्रम में कम्पाउन्डर राधेश्याम शर्मा, मोर वाले व सीताराम शर्मा वैध जामडोली, आयोजन आचार्य व सहायक आचार्य बनवारी मिश्रा की मुख्य भूमिका रही। इस अवसर पर संभागी दम्पत्तियों को गायत्री परिवार के संरक्षक गंगा सिंह, मुख्य यजमान सीताराम कांटिया, सत्यनारायण वर्मा, शिवनारायण गुर्जर, घनश्याम जांगिड, बनवारी सोनी, राकेश मिश्रा ने परिवार के रुप में सम्मानित कर शुभाशीष प्रदान किया।

ट्रेक की टक्कर से महिला घायल

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के रेलवे स्टेशन पर दोपहर में फुलेरा से रेवाडी की ओर जाने वाली सवारी गाडी की चपेट में आने से एक महिला घायल हो गई जिसे जयपुर रैफर किया गया है। महिला की जेब में मिली पर्ची के आधार पर कॉल करने पर महिला की पहचान दुल्हेपुरा निवासी 35 वर्षीय संतोष देवी पत्नी रामवतार जाट के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने बताया महिला के पति की करीब 1 महीने पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी तभी से महिला मानसिक अवसाद में चल रही है। श्रीमाधोपुर रेलवे स्टेशन पर कैसे पहुंची यह भी उन्हें पता नहीं। महिला रेल से टकराकर प्लेटफार्म व ट्रेन के बीच में आने से एक पांव की अंगुलियां कट गई व सर में चोट है। जिसे घायल अवस्था में जयपुर रैफर किया गया है। महिला के तीन बेटियां ही बताई जा रही है व परिवार की स्थिति भी दयनीय है।

मारपीट के मामले में तीन गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। लामबाहरिसिंह थाना क्षेत्र के मोरला गांव में घर में घुसकर बंधक बना मारपीट करने के मामले में थाना पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी भागीरथ सिंह ने बताया कि 12 नवम्बर को मोरला निवासी प्रेम देवी गुर्जर की और से दी रिपोर्ट मे बताया कि उसके घर मे घुसकर कुछ लोगो ने मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान घर मे मौजूद एक रिश्तेदार को भी बंधक बनाकर मारपीट की गई। मामले मे कालू,विश्राम व गजानन्द को गिरफ्तार किया गया।

दहशत फैलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

बहरोड/नीमराना, (निसं)। जिला पुलिस भिवाडी क्षेत्र के बहरोड उप पुलिस अधीक्षक वृत्त अधिकारी आनंद राव तथा थाना अधिकारी बहरोड वीरेंद्रपाल सिंह के द्वारा जाब्ते के साथ गश्त के दौरान जैनपुरबास स्कूल ग्राउंड के पास से पूर्व में किसी समारोह में अवैध हथियारों के प्रदर्शन से दहशत फैलाने वाले हवाबाज रजत उर्फ रामफल पुत्र रामसिंह निवासी जैनपुरबास अंतरराज्यीय आपराधिक गैंग आरोपी को एक पिस्टल तथा दो जिंदा कारतूस के साथ धर दबोचा।

पेयजल आपूर्ति प्रातः 6 से 7 बजे तक

निवाई, (निसं)। सर्दी के मौसम को देखते हुए जलदाय विभाग द्वारा पेयजल आपूर्ति का समय में बदलाव किया गया है। जन स्वास्थ्य अभियात्रिकी विभाग के सहायक अभियंता नितिन जैन ने बताया कि शरद ऋतु को देखते हुए 30 नवंबर से आगामी आदेश तक शहर में पेयजल आपूर्ति सुबह 6 से 7 बजे तक कर दी गई है।

दिन में कृषि कनेक्शन पर थ्री फेज बिजली देने की मांग को लेकर प्रदर्शन

दत्तवास पावर हाउस पर दिन में कृषि कनेक्शन पर थ्री फेज बिजली देने की मांग को लेकर किसानों ने नारेबाजी की।

- सर्दी में किसान फसलों के बीच में खड़े होकर सिंचाई करने के कारण बीमार पड़ रहे हैं
- रात में जहरीले कीड़ों के काटने का भय बना रहता है

निवाई, (निसं)। उपखंड के उपतहसील दत्तवास के गांवों के किसानों ने दत्तवास पावर हाउस पर दिन में कृषि कनेक्शन पर थ्री फेज बिजली देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने दिन में कृषि कनेक्शन पर थ्री फेज बिजली देने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की।

सूचना पर सहायक अभियंता मौके पर पहुंचकर किसानों की समस्याएं सुनकर ज्ञापन लिया। उन्होंने दिन में बिजली की मांग को लेकर उच्चाधिकारियों को अवगत कराने का आश्वासन दिया लेकिन किसान अभी भी संतुष्ट नहीं होने के कारण धरने पर बैठे हैं।

दत्तवास जीएसएस के अध्यक्ष ममता देवी ने बताया कि अभी रबी फसलों की सिंचाई का कार्य चल रहा है लेकिन रात में थ्री फेज बिजली देने से फसलों की सिंचाई में काफी परेशानी हो रही है।

इससे दत्तवास, हिंगोनिया, रायदामोदरपूरा, मोठूका, बाढ रामपुरा, लक्ष्मीदामोदरपुरा, जगसरा, कुरावदा, सीपुरा, लुनेरा, हाथाथली उर्फ गणेशपुरा सहित कई गांवों के किसान परेशान हैं। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में कई किसान फसलों के बीच में खडे होकर रात में सिंचाई करने के कारण बीमार पड रहे हैं और रात में जहरीले कीडों के काटने का भय बना रहता है।

महात्मा फूले का जन्मदिन 'सामाजिक क्रांति दिवस' के रूप में मनाने की मांग

जयपुर, (निसं)। रूक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक डॉ रमेश बैरवा ने शोषित पीड़ित, मजदूर, किसाने वर्ग के सच्चे हितैषी एवं आमजन के लिए शिक्षा के प्रबल समर्थक क्रांतिकारी समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फूले के जन्मदिवस पर 11 अप्रेल को शिक्षण संस्थाओं सहित सरकारी कार्यालयों में 'सामाजिक क्रांति दिवस' केरूप में मनाये जाने की मांग को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन भेजा है। रूक्टा डेमोक्रेटिक मांग करता है कि राजस्थान में भी महात्मा फूले के जन्मदिन 11 अप्रेल को स्कूल, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों सहित सरकारी कार्यालयों में सामाजिक क्रांति दिवस के मनाये जाने के आदेश प्रसारित करे एवं पाठ्यक्रम में भी महात्मा ज्योतिराव फूल के विचार, दर्शन एवं जीवन संघर्ष के बारे में पढ ाया जाये।

उचित मूल्य दुकानदारों को मानदेय देने की मांग को लेकर ज्ञापन

- पोष मशीन के नाम पर 15.21 रुपये की सरकार द्वारा कटौति बन्द करने की मांग, गेहूं के एक क्विंटल की उतरवाई मजदूरी 6 रुपए की बजाये 10 रुपए प्रति क्विंटल की मांग

टोंक (निसं)। राजस्थान राज्य अधिकृत राशन विक्रेता नियोजक संघ ने राजस्थान प्रदेश के उचित मूल्य दुकानदारों को मानदेय दिये जाने एवं संविदा सेवानियम 2022 में नियमितिकरण में सम्मिलित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एडीएम को ज्ञापन दिया।

संघ के भगवान दास अजमेरा, ब्लाक अध्यक्ष शकील अहमद, मो. अजमल, राज बहादूर सिंह, किशन गोपाल गुर्जर, छीतरलाल गुर्जर, छोटी सिंह सोलंकी, कमलेश कुमार शर्मा, राधेश्याम शर्मा, मनोज सिंधी, राकेश कुमार, मुजाहिद अली आदि ने दिए ज्ञापन में बताया कि राजस्थान प्रदेश में लगभग 27000 राशन विक्रेता खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत उपभोक्ताओं में खाद्य सामग्री वितरण करने के कार्य में लगे हुए है और देश व प्रदेश में कोविड जैसी महामारी में भी राशन विक्रेता ने उपभोक्ता के घर-घर जाकर सामग्री वितरण की है।

इसके तहत आपकी सरकार ने राशन विक्रेता को करोना वारियर में शामिल करते हुए कोरोना से मृत्यु होने पर 50 लाख का अनुदान दिये जाने के भी आदेश प्रसारित किये गये थे। जिसके लिए संगठन आपका सदैव आभारी रहेगा। उन्होंने आगामी बजट के लिए मांग की है कि निश्चित मानदेय 30 हजार रुपए प्रतिमाह दिया जावे। संविदा अधिनियम 2022 के अन्तर्गत नियमितिकरण में शामिल किया जावे। पोष मशीन के नाम पर 15.21 रू. की सरकार द्वारा जो कटौति की जा रही है वो बन्द की जावे।

केन्द्र सरकार पर दबाव बनाकर खाद्य सुरक्षा अधिनियम में संशोधन कराकर खाद्य सामग्री पर 2 प्रतिशत छीजत देने का प्रावधान पोष मशीन में डाला जावे। वर्तमान में गेहूं के एक क्विंटल की उतरवाई मजदूरी 6 रुपए सरकार द्वारा राशन विक्रेता को दी जा रही है जबकि महंगाई में मजदूरों ने अपनी उतरवाई की दर 10 रुपए प्रति क्विंटल कर दी है और वो डीलर से प्राप्त कर रहे है। इसलिए गेहूँ की एक क्विंटल की उतरवाई 6 रुपए के स्थान पर 10 रुपए निश्चित किया जाना चाहिये। हमारी मांगों को स्वीकार करते हुए 27000 राशन डीलरों को राहत पहुंचाई जाएं।

खिलाड़ियों का उज्जवल भविष्य बनाने के लिए सिंथेटिक ट्रैक बनाने की घोषणा

- अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का उत्साह से शुभारंभ

राजगढ , (निसं)। राजगढ़ के राजकीय महाविद्यालय में तीन दिवसीय एथलेटिक प्रतियोगिता का उत्साह एवं उल्लास के साथ क्षेत्रीय विधायक जोहरी लाल मीणा के मुख्य आतिथ्य में शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने छात्रा वर्ग दौड स्पर्धा में प्रतिभागी खिलाड़ी छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

विधायक जोहरी लाल मीणा ने ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े महाविद्यालय में अध्यनरत खिलाड़ी छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य बनाने के लिए सिंथेटिक ट्रैक बनाने की घोषणा की। उन्होंने राजगढ़ महाविद्यालय में हो रही अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाडी छात्र छात्राओं को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन की बात कही। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभा रहे शारीरिक शिक्षकों से निर्विवाद एवं बेदाग फैसलों से राजगढ़ क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करने का आव्हान किया। प्राचार्य डॉ राव सज्जन सिंह ने महाविद्यालय के बाहर लगे ट्रांसफार्मर एवं दुर्घटना का सबब बने पेड को हटाने की मांग की।

विधायक जोहरी लाल मीणा (कोटी में) के मुख्य आतिथ्य में एथलेटिक प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

उन्होंने सभी खिलाड़ी छात्र-छात्राओं से धैर्य एवं अनुशासन के साथ लक्ष्य प्राप्ति के प्रति सजग रहने का आव्हान किया। कार्यक्रम में एसडीएम ओमप्रकाश मीणा ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने खिलाड़ी छात्र-छात्राओं से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर तक रोशन करने का आव्हान किया। आयोजन सचिव जीएल मीणा के नेतृत्व में विधायक जोहरी लाल मीणा, राजेंद्र सिंह राठौड, मत्स्य विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षक गंगा सहाय गुर्जर, बृज विश्वविद्यालय के निरंजन लाल गुर्जर, एवं पंचायत समिति सदस्य एन एल वर्मा का माल्यार्पण से स्वागत किया। इस अवसर पर पूरणमल मीना, डॉ रजनी मीणा, डॉ रतिराम, सुमेर सिंह, आंचल मीणा, संकाय सदस्य, खेल प्रभारी, दल प्रभारी, खिलाडी छात्र-छात्राएं एवं निर्णायक गण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.देशराज वर्मा ने किया।

एमएसएमई विषय पर व्याख्यान

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय राजकीय एलबीएस पीजी महाविधालय में सोमवार को महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एमएसएमई विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता डॉ.मीनू चोटिया ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की भारतीय अर्थव्यवस्था में आवश्यकता एवं उनके महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रभात शर्मा ने एण्टरप्रेन्योषिप पर प्रकाश डाला एवं उद्यम, उद्यमी एवं उद्यमिता के अर्थ बताते हुए इसे भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार बताया। वर्तमान वैश्विक प्रतिस्पर्धी युग में उद्यमिता के साथ जुडकर रोजगार सृजन की आवश्यकता पर बल दिया। प्राचार्य डॉ. उर्मिल महलावत ने सूक्ष्म, लघु उद्योगों के विकास की महत्ती आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान युग में उद्योगों से जुडकर युवा रोजगार अर्जन कर सकते है एवं दूसरों को भी रोजगार प्रदान कर सकते है। इस दौरान डॉ.मधु नागर, महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ.शोभा जौहरी, डॉ.अनुपमा सक्सैना, मनीषा बोराड व डॉ.पदमा मीणा सहित अन्य मौजूद थे।

18 माह से फरार चल रहा हत्या का आरोपी गिरफ्तार

- हत्या के आरोपी को खेतों में करीब 1 किलोमीटर पीछा कर पकड़ा
- जयपुर ग्रामीण एसपी ने पुलिस टीम को उक्त कार्यवाही के लिए नगद पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र देने की घोषणा की

फुलेरा, (निसं)। पुलिस मुख्यालय एवं जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक मनीष अग्रवाल के द्वारा अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू दिनेश कुमार शर्मा के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी सांभरलेक लक्ष्मी सुधार के सुपरविज में सांभरलेक थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार द्वारा पुलिस की एक टीम गठित कर हत्या के मामले में 18 माह से अधिक समय से फरार चल रहे अभियुक्त सीताराम जाट को गिरफ्तार किया।

वृत्ताथिकारी लक्ष्मी सुथार ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि थाना सांभरलेक के ग्राम त्योदा में 9 मई 2021 को नमक कारोबारी (व्यापारी) हनुमान ठोलिया निवासी त्योदा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इसके लिए हनुमान ठोलिया को राजीनामा करने के बहाने उसके घर से थोडी दूरी पर सांभर लेक के किनारे बुलाकर उस पर लाठियों-सरियों से ताबडतोड वार कर घायल कर दिया और घायल होने पर गाडियों से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। उक्त हत्याकाण्ड की योजना बनाने ओर उसको अंजाम देने के मुख्य सूत्रधार भंवर खैरवा और राजू नेहरा थे। जिसमे से भंवर खैरवा, राजू नेहरा सहित 8 मुख्य आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था लेकिन सीताराम व अन्य अभियुक्त घटना के बाद से ही फरार चल रहे थे।

जिनमें से सीताराम पुत्र मंगलाराम जाति जाट 36 वर्ष निवासी ढाणी टीबावाली तन भासिंहपुरा थाना क्षेत्र फुलेरा को पुलिस की गठीत टीम ने सोमवार को खेतों में करीब 1 किलोमीटर पिछा कर धरदबोच कर गिरफ्तार किया है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक मनीष अग्रवाल ने पुलिस टीम की उक्त कार्यवाही के लिए हौसला अफजाई के हेतु नगद पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र दिये जाने की घोषणा की है।

गर्म वस्त्र पाकर खिले चेहरे

लालसोट, (निसं)। पंचायत समिति क्षेत्र के राजकीय उत्कृष्ट उच्च प्राथमिक विद्यालय नागल अभयपुरा में भामाशाह द्वारा जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को निशुल्क गरम जर्सी निर्मित यूनिफार्म के वितरण के बाद छात्रों के चेहरे खिले नजर आए। प्रधानाध्यापक ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम नागल अभय पुरा के भामाशाह खादी ग्रामोद्योग अधिकारी से सेवानिवृत्त लादुराम शर्मा द्वारा छात्र छात्राओं को गर्म वस्त्र वितरित किए। राजकीय विद्यालय में यूनिफार्म गर्म वस्त्र का वितरण स्थानीय लालपुरा ग्राम पंचायत के पीईईओ चौथमल मीणा की मौजूदगी में कराया गया। इस दौरान भामाशाह एवं मौजूद शिक्षा अधिकारियों द्वारा राजकीय विद्यालय में अध्ययनरत जरूरतमंद छात्र छात्राओं को इस कडाके की ठंड में बचने के लिए गर्म वस्त्र एवं पाठ्य पुस्तक सामग्री जैसी जरूरत की चीजों को वितरण कर उनकी जरूरत पूरी करने के लिए प्रेरित किया गया एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस पुनीत कार्य में आगे आने के लिए आव्हान किया गया।

भामाशाहों ने सरकारी स्कूल के 50 बच्चों को गणवेश वितरित की

बहरोड/नीमराना, (निसं)। बहरोड कस्बे की भारत विकास परिषद शाखा बहरोड द्वारा क्षेत्र के बनहड गांव के राजकीय उच्च विद्यालय में जरूरतमंद गरीब बच्चों को परिषद के द्वारा नई पहल की शुरुआत करते हुए भामाशाह के सहयोग से गणवेश वितरण कार्यक्रम के तहत 50 विद्यार्थियों को गणवेश वितरित कर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया। इस दौरान भारत विकास परिषद शाखा बहरोड के कोषाध्यक्ष राकेश मुच्छल, उपाध्यक्ष विजय शर्मा, प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार यादव एवं बनहड स्कूल प्रधानाध्यापिका मीना यादव, अध्यापक बस्तीराम, अरविंद पंच, पूर्व प्रधानाध्यापक अमर सिंह तथा लोकेश यादव, हितेश शर्मा एवं विद्यालय का स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद रहे।

श्रीजी विवाह महोत्सव का आयोजन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। नगर के आराध्य देव श्री गोपीनाथ मंदिर में श्रीजी विवाह महोत्सव का आयोजन हुआ। दोपहर 2 बजे श्रीजी की शाही लवाजमें एवं जीवंत झांकियों के साथ बारातियों सहित शोभायात्रा निकाली गई।

बाराती भी शोभायात्रा में बैंड-बाजे की भक्ति धुन व संकीर्तन पर नाचते-गाते चल रहे थे। बारातियों एवं शोभायात्रा पर कस्बे के अलग-अलग मार्गो में नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा कर जगह-जगह स्वागत किया गया। शाम को गोधूली बेला में फूलों से सजाए गए मण्डप में श्रद्धालुओं की साक्षी में हिंदू रीति-रिवाज व पूरे नेगचार के साथ श्रीजी का विवाह संपन्न हुआ। मंदिर में शाम 5 बजे से भण्डारा प्रसाद का आयोजन हुआ जिसमें हजारों श्रद्धालु पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। रात को भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर महंत डॉ. मनोहरशरणदास, मंदिर सेवायत बद्रीनारायण पारीक, कालूराम सैनी, निरंजन कयाल, परमेंद्र कानूनगो, प्रकाश चंद सैनी, कालू सैनी, शिंभूदयाल सैनी सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

सार-समाचार

फागी एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

फागी, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर संचालित राजकीय महाविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष खुशबू नरूका के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने उच्च शिक्षा मंत्री एवं मुख्य प्रबंधक के नाम फागी एसडीएम को अपनी विभिन्न मांगों के समाधान को लेकर ज्ञापन सौंपा। छात्र संघ अध्यक्ष खुशबू नरूका ने बताया कि एसडीम को सौंपे ज्ञापन के माध्यम से छात्र शक्ति ने बताया कि महाविद्यालय में व्याख्याताओं के रिक्त पद होने से व्याख्याता की कमी है। इससे विद्यार्थियों की पढ ाई बाधित हो रही है साथ ही महाविद्यालय से फागी रोडवेज बस स्टैंड की दूरी काफी दूर होने से छात्र-छात्राएं कॉलेज समय से नहीं पहुंच पाते हैं। ज्ञापन के माध्यम से उक्त समस्याओं पर गौर करते हुए समस्या का समाधान करने की मांग की है। छात्रसंघ अध्यक्ष खुशबू नरूका ने ज्ञापन के माध्यम से उच्च अधिकारी को चेतावनी देते हुए बताया कि शिक्षकों की कमी एवं कॉलेज परिसर के सामने बस स्टॉप की कमी को जल्द से जल्द पूरा नहीं किया गया तो समस्त छात्र शक्ति ने अधिकारों की लडाई सडक पर लडने की चेतावनी भी दी। इसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में कोमल यादव, जीतू बैरवा, किरण बैरवा, नरेंद्र सिंह, वर्षा ब्रहमभट्ट, करमा चौधरी, आरती सहित अनेक छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

चलती बोलेरो में लगी आग, जलकर खाक

बस्सी, (निसं)। बस्सी इलाके के जयपुर-आगरा हाइवे स्थित मोहनपुरा के पास चलती बोलेरो गाडी में अचानक आग लग गई। आग से बोलेरो गाडी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि फाइनेंसकर्मी बोलेरो गाडी को लेकर दौसा से जयपुर की ओर जा रहे थे। मोहनपुरा के पास पहुंचने पर बोलेरो में अचानक आग लग गई। आग की तीव्रता इतनी तेज़ थी कि कुछ ही देर में बोलेरो को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इधर, सूचना के आधा घण्टे बाद दमकल जयपुर घाटगेट फायर स्टेशन से गाडी पहुंची जब तक बोलेरो पूरी तरह से खाक हो चुकी थी

एसडीएम को किसानों ने ज्ञापन सौंपा

उनियारा, (निसं)। कचरावता के किसानों ने उनियारा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर ठेकेदार द्वारा डीपी लगवाने की अरदास लगाई।वही किसानों ने ठेकेदार पर डीपी लगवाने के लिए अवैध राशि लेने तथा नहीं देने पर नाजायज रूप से परेशान करने का भी गंभीर आरोप लगाया है। सौंपे गए ज्ञापन में किसानों ने बताया कि कृषि विद्युत कनेक्शन हेतु वर्ष 2013 में आवेदन किया था इनका डिमाण्ड जमा कर ठेकदारों द्वारा लाइन डाल दी गई थी किन्तु उक्त लाईन पर डी.पी नहीं लगाई गई। विभाग में डी.पी लगवायें जानें के संबंध में विद्युत विभाग में जानकारी लेने गये तो वहाँ किसी ने भी स्पष्ट जवाब नहीं दिया तथा ठेकेदारों द्वारा डी.पी लगाने हेतु अवैध राशि की मांग की। उक्त लाईन को बिछे तथा समस्त कार्य हुए करीब 20 दिन से भी ज्यादा समय हो गया है तथा बार बार डी.पी लगायें जाने हेतु ठेकेदारों द्वारा अवैध रूप से मोटी राशि की मांग कर नाजायज रूप सें परेशान किया जा रहा है ! जिससे सभी काफी परेशान है तथा विद्युत कनेक्शन चालू नहीं होने के कारण फसल आदि सूखने के कागार पर है। इससे किसानों के भूखें मरने की स्थिति उत्पन्न होने की पूर्ण सम्भावना बनी हुई है। इस कारण उक्त व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करते हुए डी. पी लगवाई जाएं।

एनसीसी कैडेट्स ने श्रमदान किया

खैरथल, (निसं)। स्थानीय जवाहर नवोदय विद्यालय में एनसीसी दिवस कार्यक्रम में कैडेट्स द्वारा श्रमदान किया गया। सहायक एनसीसी अधिकारी द्वितीय (एएनओ) शंभूदयाल कुलदीप के नेतृत्व में विद्यालय प्राचार्य केके जोशी के करकमलों से तथा नेशनल कैडेट्स कोर्प्स द्वारा विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण किया गया। एनसीसी के सभी विद्यार्थियों द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया गया। इसके अलावा एनसीसी का उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व गुणों के साथ संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक पूल बनाना है।

योजनाओं के बारे में जागरूक किया

पावटा, (निसं)। बाबा भूतनाथ जोहडा धाम व भोमिया के जोहडा में कार्यरत इंदिरा गांधी शहरी रोजगार श्रमिकों को राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। राजीव गांधी युवा मित्र विकास यादव ने बताया कि चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना में बहुत से लोग चिकित्सा लाभ लेकर पुन: काम पर लौट रहे हैं। हर उस पात्र व्यक्ति को योजनाओं का आज सम्पूर्ण लाभ मिल रहा है। ऐसे श्रमिकों को भी जानकारी दी ज्योंकि मदद कि आस लगाए बैठे हैं। उन तक योजनाओं कि जानकारी नहीं पहुँच पाती हैं। ऐसे में हर वर्ग के लोगों को योजना से सम्बन्धित जानकारी हर घर घर राजीव गांधी युवा मित्र देंगे। राजस्थान सरकार कि जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे पालनहार, इंदिरा गांधी पोषण योजना, राजश्री उडान योजना, सिलिकोसिस नीति योजना, निशुल्क दवा योजना सहित तमाम योजनाओं कि महिलाओं को जानकारी दी गई। इस मौके पर राजीव गांधी युवा मित्र महेंद्र भग्गा,मुनेश यादव, भारत सिंह, विकास, सुरेन्द्र, ग्यारसी लाल बुनकर, सहित अधिकतर महिला श्रमिक मौजूद थी।

नाबालिगा को बरामद करने की मांग

टोंक, (निसं)। शहर कोतवाली क्षेत्र से करीब एक माह से घर से लापता नाबालिक पुत्री का कोई पता नहीं चलने पर परिजनों सहित लोगों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर शीघ्र नाबालिग को बरामद करने की मांग की है। कांग्रेस नेता मो. एहसान बाबा के नेतृत्व में पीडित पिता मोहम्मद इफ्तेखार पुत्र मुख्तारुज्जमा निवासी शफात मस्जिद के पास, बिलाल कॉलोनी टोंक, इसरार, सुफियान, मो.रफीक, मो. परवेज, समीना, इनाम अली आदि ने ज्ञापन में बताया कि 1 नवम्बर 2022 की रात्रि को पीडित की 16 वर्षीय नाबालिक पुत्री घर पर अपनी माता और छोटे भाईयों के साथ सो रही थी, रात को जब 2 बजे करीब उसकी पत्नी समीन उठी तो पुत्री को नहीं दिखने पर घर पर तलाश किया, जिका घर में भी पता नहीं चलने पर रातभर व सुबह तक सभी जगह तलाश किया परन्तु कुछ पता नहीं चला। इस पर 2 नवम्बर को पुलिस थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी। परन्तु करीब एक माह का समय बीते जाने के बाद नाबालिग पुत्री को बरामद नही किया और ना कोई पता लगा गया। इस मामले में बहुत की शिथिलता बरती जा रही है। लापता नाबालिग को तुरंत बरामद कराने की कार्यवाही की जाएं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

IDFC FIRST Bank

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	22276030	गृह ऋण	1. राजेश कुमार 2. भगवती शर्मा	21.09.2022	20,04,929.52/-	प्लाट नं. 62 के भाग का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 111.11 वर्गगज अर्थात 92.89 वर्ग मीटर, "भौमिया नगर" निवारू रोड़, जयपुर (राज.), और सीमायें हैं- पूर्व-अन्य भूमि, पश्चिम-रोड़ 30 फिट चौड़ी, उत्तर- प्लाट नं. 61, दक्षिण-प्लाट नं. 63

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चो, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

ह./-
प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

दिनांक- 29.11.2022
स्थान- राजस्थान

इस अस्थिर कांग्रेस सरकार के प्राण कब निकल जाएं पता नहीं: सतीश पूनिया

भाजपा द्वारा राजस्थान के सभी विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाने वाली जन आक्रोश रैली की तैयारी के सिलसिले में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया डूंगरपुर पहुंचे

- **बेणेश्वर धाम में डॉ. पूनिया ने महायज्ञ में आहूति दी और कहा, 2018 में कांग्रेस का विघटन शुरू हुआ, राजभवन में दो-दो मुख्यमंत्रियों के नारे लगे मंत्रिमंडल के गठन को लेकर झगड़ा हुआ।**
- **राहुल गांधी राजस्थान यात्रा पर आ रहे हैं, उनसे एक सवाल पूछना चाहता हूँ कि, आपने कहा था, कांग्रेस सत्ता में आएगी तो 10 तक गिनती गिनेंगे और किसानों का सारा कर्जा माफ कर देंगे, लेकिन 1700 दिन हो गए, कर्जा माफ नहीं किया।**

डूंगरपुर/जयपुर, 28 नवम्बर (का.सं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने डूंगरपुर पार्टी जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के इतिहास में इस तरीके की नकारा, निकम्मी, अकर्मण्य, भ्रष्ट और अराजक सरकार नहीं देखी, इससे पहले भी कांग्रेस की सरकार थी। 2018 में कांग्रेस का जो विघटन शुरू हुआ, जब राजभवन में मुख्यमंत्री की शपथ के बाद भी दो-दो मुख्यमंत्रियों के नारे लगे, उसके बाद लगातार मंत्रिमंडल के गठन को लेकर झगड़ा, सचिवालय में किसको कौन सा कमरा मिले, इसका झगड़ा, गाड़ी किसको कैसी मिले इसका झगड़ा और अतत: परिणीति यह हुई कि करोना का दंश झेल रही जनता के साथ यह सरकार या तो भेदभाव कर रही थी या लापरवाही कर रही थी। अब हालत यह है कि इस अस्थिर कांग्रेस सरकार के प्राण कब निकल जाएं, पता नहीं।

भाजपा की ओर से राजस्थान के 200 विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाने वाली जन आक्रोश यात्रा की तैयारियों को लेकर सोमवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया डूंगरपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बेणेश्वर धाम के पवित्र प्रांगण में आयोजित श्री हरि मंदिर स्वर्ण शिखर प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महायज्ञ में सम्मिलित होकर अनुष्ठान में आहुति दी।

पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि 2018 में अलवर के थानागाजी गैंगरेप की गूंज पूरे देश में हुई, अलवर की निर्भया गैंगरेप की गूंज हुई और कोई दिन ऐसा नहीं होता जब अखबार रंगे नहीं होते दुष्कर्म, गैंगरेप हत्या, लूट इत्यादि घटनाओं से। क्या दृश्य होगा जब कोई नवजात के शव को श्वान नोंचता हो, वो भी सरकारी अस्पताल में। वो क्या विडंबना रही होगी जब भूख से बिलखती कोई अबला रोटी मांगती है, एम्बुलेंसकर्मी से और वहीं एम्बुलेंस कर्मी उस महिला से दुष्कर्म करते हैं। क्या परिस्थिति रही होगी जहां मुख्यमंत्री विराजते हैं उससे कुछ दूर धर्मान्तरण हो रहा हो। क्या तकलीफ रही होगी जब किसी साधु या पुजारी को या तो जलने पर मजबूर होना पड़ा या उसको जला दिया, यह राजस्थान की कानून व्यवस्था की बानगी है, राजस्थान ऐसा लगता है कि अपराधों की राजधानी हो गया है।

उन्होंने कहा, दूसरा बड़ा मसला है कि राहुल गांधी यहां यात्रा करने आ रहे हैं, लेकिन मैं उनसे एक सवाल पूछना चाहता हूं कि आपने यह कहा था कि जब कांग्रेस सत्ता में आएगी तो 10 तक गिनती गिनेंगे और राजस्थान के सारे किसानों का सारा कर्जा माफ कर देंगे। चार वर्ष हो गए, दिन तो 10 कहे थे, लेकिन 10 से भी कहीं ज्यादा 1700 दिन हो गए, लेकिन किसानों का कर्जा माफ नहीं किया। अब राजस्थान की धरती पर कदम रखें तो उस वादे को याद करें।

जनाक्रोश रैली की तैयारियों का जायजा लेने डूंगरपुर गए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बेणेश्वर धाम में श्री हरिमंदिर स्वर्ण शिखर प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लिया व महायज्ञ में भी शामिल हुए।

तीसरा बड़ा मसला रोजगार का है। उन्हीं के जन घोषणा पत्र में रोजगार की बात बेरोजगारी भत्ता की बात कही गई थी। पर 70 लाख बच्चों ने परीक्षा दी है राजस्थान में, लेकिन नतीजा क्या हुआ रीट , जेईएन, फार्मासिस्ट, लाइब्रेरियन की जितनी नौकरियां थी उसमें नौकरी का आंकड़ा तो बताया सदन में एक लाख, परीक्षा दी 70 लाख ने, 69 लाखों बच्चों के भविष्य के बारे में कोई रोडमैप सरकार के पास नहीं है। उसमें कोढ में खाज का काम यह हुआ कि नकल जैसे एक संगठित अपराध ने राजस्थान के नौजवानों के भविष्य को उनके सपनों को चकनाचूर करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि एंटीइनकंबेंसी, जिसे जनता का सरकार विरोधी रुझान कहते हैं, भी एक मुद्दा है। लेकिन मैं इसको खाली सत्ता विरोधी रुझान ही नहीं बोलता हूं, इसको जनआक्रोश बोलता हूं और इसलिए यह जो जन आक्रोश अभियान है, यह जनता की उन्हीं चीजों को मुखर करने के लिए किया है। सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे1 दिसंबर से लेकर 14 दिसंबर तक, हम लोग 2 करोड़ लोगों से जनसंपर्क करेंगे, दो सौ विधानसभा क्षेत्रों में 75 हजार किलोमीटर 200 तक रथ चलेंगे, पार्टी के कार्यकर्ता जनता से जनसंपर्क करेंगे। सभी विधानसभाओं में प्रभारी एवं सह-प्रभारी तैनात कर दिए गए हैं, जो मंडल और बूथ स्तर तक संगठनात्मक ढांचा तय करेंगे। इस माध्यम से 5 लाख कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण सक्रिय सहभागिता होने वाली है।

जन आक्रोश यात्रा के माध्यम से संपूर्ण राजस्थान में 20 हजार चौपाल सभाएं एवं 20 हजार नुक्कड़ सभाएं तय की गई हैं।

एक दिसंबर को जन आक्रोश यात्रा का आरंभ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रथों की रवानगी से जयपुर से करेंगे, पूरे प्रदेश में 200 विधानसभा क्षेत्रों तक 200 रथ जाएंगे। 2 दिसंबर को जिलों से, 3 और 4 को विधानसभाओं से जन आक्रोश रथ यात्रा शुरू होंगी और लगातार 14 दिसंबर तक हर घर तक, हर दरवाजे तक कार्यकर्ता जाएगा, और इस जन विरोधी कांग्रेस सरकार की नाकामियों को लोगों तक पहुंचाएंगे।

'क्या आप गहलोत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि यह स्पष्ट हो गया है कि, राहुल गाँधी की ना तो चुनाव ना ही राजनीति और उसके परिणाम पर फोकस करने में कोई रुचि है।

ए.आई.सी.सी. के वरिष्ठ पदाधिकारी यात्रा में व्यस्त हैं तथा ए. आई. सी.सी. का संचालन रिमोट कंट्रोल से हो रहा है। राहुल गाँधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के मंच पर कमलनाथ, दिग्विजयसिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता विद्यमान थे।

रोचक बात यह है कि, राहुल गाँधी जो कहते हैं और असलियत में जो हो रहा है उसमें उन्हें कोई विरोधाभास नज़र नहीं आता। ज्योतिरादित्य सिंधिया के बारे में पूछे गए इस प्रश्न पर, कि क्या लौटने पर पार्टी में उनका स्वागत होगा, राहुल गाँधी ने कहा, जो लोग पार्टी छोड़कर गए हैं यदि उन्हें रिश्वत दी गई है तो उनका लौटना मुश्किल होगा।

राहुल गाँधी मूलतः यात्रा के बारे में अपना सोच आगे बढ़ाने पर फोकस कर रहे थे और कि, यात्रा में उनकी इतनी दिलचस्पी क्यों है। लेकिन वरिष्ठ नेताओं का कहना है, संगठन की उपेक्षा का नतीजा पार्टी को चुकाना पड़ रहा है, चुनावी राजनीति के संदर्भ में।

जबरन धर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल नहीं है। केन्द्र का यह जवाब उस याचिका पर आया है, जो कपटपूर्ण धर्म-परिवर्तन तथा डराने-धमकाने तथा उपहारों एवं मौद्रिक लाभों के जरिये छलपूर्वक प्रलोभन देकर धर्म-परिवर्तन करने के खिलाफ दायर की गई है। केन्द्र ने कहा कि इसका धर्म-परिवर्तन अनुच्छेद14, 21 तथा 25 का उल्लंघन करता है। केन्द्र ने एक शपथ-पत्र पेश किया, जिसमें जबरन धर्म-परिवर्तन के खिलाफ गंभीर कदम उठाये जाने का संकल्प लिया है। केन्द्र ने कहा कि जबरन धर्म-परिवर्तन के खिलाफ कानून लाना आवश्यक है ताकि समाज के कमजोर वर्गों को इससे बचाया जा सके। केन्द्र सरकार ने कहा कि याचिकाकर्ता ने ऐसे बहुत सारे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जहाँ छल-कपट, धोखाधड़ी, बल प्रयोग, प्रलोभन या अन्य ऐसे ही तरीकों से देश के कमजोर वर्गों का धर्मान्तरण संगठित, नियोजित तथा परिष्कृत तरीके से किया गया है। केन्द्र ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ''प्रचार'' शब्द में किसी व्यक्ति के धर्म के परिवर्तन का अधिकार निहित नहीं है, इस शब्द का प्रयोग सकारात्मक अर्थ में, अपने सिद्धांतों का निरुपण करके अपने धर्म का प्रसार करना है।

केन्द्र ने कहा कि वह इस याचिका में उठाये गये मुद्दे की गंभीरता से परिचित है, तथा समाज के कमजोर वर्गों, जिनमें महिलायें तथा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग शामिल हैं, के अधिकारों के संरक्षण के लिये कानून बनाना जरूरी है। नौ राज्य इस विषय पर पहले ही कानून बना चुके हैं। ये राज्य हैं- ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक तथा हरियाणा।

14 नवम्बर को सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि जबरन धर्मान्तरण ''बहुत गंभीर मुद्दा'' है तथा इससे देश की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। अदालत ने केन्द्र से कहा कि इस बावत अपना रुख स्पष्ट करे कि जबरन धर्मान्तरण को रोकने के लिये क्या-क्या कदम उठाये जा सकते हैं।

'एक अच्छे ''गॉल्फर'' की भांति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एल्बेट्रॉस। तीसरे नम्बर का सबसे अच्छा शॉट होता है बर्डी, जो कि दुर्लभ होता है। उससे बेहतर है बड़ा ''बर्ड'' ईगल जो और भी ज्यादा दुर्लभ है और उससे भी बेहतर है एल्बेट्रॉस।

मैं कहूंगा कि उन्होंने शुरूआत कई प्रकार के ''बर्डी'' शॉट्स से की। वे ना केवल महलों से निकल कर सड़कों पर उतरे बल्कि आम लोगों, निर्धन से भी निर्धनतम से भी घुल मिल गए। निश्चित रूप से अमीर लोग भी उनके साथ आए जैसे रिया सेन, अमोल पालेकर।

हिन्दुस्तान टाइम्स की एन्टरटनमैंट डैस्क ने खबर दी थी कि रश्मि देसाई और आकांक्षा पुरी भी शनिवार को भारत जोड़ो यात्रा में राहुल के साथ चली तीनों की तस्वीरें व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इसके अलावा महाराष्ट्र में रिया सेना से पहले पूजा भट्ट और रितेश देशमुख भी यात्रा में शामिल हुए। अब नैशनल मीडिया भी इस नए गॉल्फर को देख रहा है और फॉरेन मीडिया जो उनकी वाक को नेहरूवादी जुमला करार देकर खारिज कर रहा था वह भी अपनी टी.वी. टीम भेज रहा है यात्रा कवरेज करने के लिए जैसे बी.बी.सी.।

बी.बी.सी. रिपोर्टर ने कहा ''भाजपा ने राहुल की यात्रा को ऐसा मिशन कह कर खारिज कर दिया जिसमें ऐसे देश को जोड़ने की बात कह रहे हैं जो कभी भी टूटा नहीं था लेकिन गत 75 दिनों से कई बॉलीवुड एक्टर, कई शिक्षाविद्, एक्टिविस्ट यहां तक विपक्षी नेता, जो कांग्रेस के घोर विरोधी थे, वे भी गांधी के प्रति समर्थन जताने के लिए यात्रा में शामिल हो रहे हैं।'' उक्त रिपोर्टर ने गांधी के साथ हजारों किलोमीटर का सफर कर रहे लोगों से बात की। ''हैदराबाद के एक मैनेजमैंट कंसलटैंट, जिसने वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वोट दिया था, ने बताया कि वह यहां इसलिए है क्योंकि मौजूदा सरकार से उसका मोहभंग हो गया है। दम्पती जो पुणे में आईस्क्रीम पार्लर चलाता था, ने विरोध का बैनर उठाया है उनका दावा है कि यह भारत के विश्वविद्यालियों का राजनैतिक करण है। कई ग्रामीणों ने कहा वे तो सिर्फ उत्सुक हैं और देखने आए हैं। क्योंकि जहां हम रहते हैं वहां कभी इतना बड़ा कोई कार्यक्रम नहीं हुआ।'' मध्य प्रदेश में उनके भाषण में आदिवासियों की भारी भीड़ ने देखा कि, ''भले मानुस'' राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी की जातिवादी, सवर्ण वादी, आदिवासी विरोधी नीतियों का पर्दाफाश कर दिया किस प्रकार मोदी आदिवासियों को वनवासी के रूप में परिभाषित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा ''आप आदिवासी हैं। ''इस पर ना तो ना तो ऊंगली उठाई गई ना मुट्ठी लहराई गई और ना ही मोदी के बाप-दादा का नाम लिया गया।

राहुल ने कहा, आप आदिवासी हैं इसका क्या मतलब है इसका मतलब है कि आप भारत के मूलभूत निवासी हैं।

इसका अर्थ है कि जब भारत में कोई नहीं रहता था आप तब भी यहां थे। इसलिए आप इस देश के पहले नागरिक हैं इसलिए आपके साथ बेहतरीन व्यवहार होना चाहिए। लेकिन आपको इससे वंचित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, मैंने सुना है नरेन्द्र मोदी आपके लिए ''वनवासी'' शब्द का प्रयोग करते हैं। इसका अर्थ है कि आप समाज के अंग नहीं हैं आप जंगल में रहते हैं। लेकिन सरकार ने जंगल के अधिकार, जमीन, पेड़ सब निजी सैक्टर को बेच दिया है। तो जब जंगल नहीं होंगे आप भी समाज के अंग नहीं होंगे, आप जंगल का हिस्सा भी नहीं रह जाएंगे क्योंकि जंगल होंगे ही नहीं।'' उन्होंने थोड़ी देर ही बोला इस समय वे अकेले थे उनके पीछे बात-बात पर ''तालियां'' चिल्लाने वाला कोई ''यस मैन'' भी नहीं था। विडियो में मैंने राहुल गांधी जिंदाबाद या हमारा नेता कैसा हो, राहुल गांधी जैसा हो, का नारा नहीं सुना।

राहुल ने किसी भी तरह की तारीफ या समर्थन नहीं मांगा, वे चाहते थे कि उनकी बात लोगों तक पहुंचे, अंत में उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है मैंने जो कहा आप समझ गए होंगे? ओह हाँ आपके चेहरे से लगता है कि आप समझ गए हैं। जयहिंद।''

साफ कहूँ तो मैंने कभी भी किसी नेता को ऐसा करते नहीं देखा यहां तक कि इंदिरा गांधी को भी नहीं, जबकि वो भीड़ खींचना जानती थीं। खेलते रहो राहुल, अच्छा गॉल्फ चल रहा है और मैं आपके लाखों प्रशंसकों में से एक हूँ।''

बजरी खनन स्थल पर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया

- **आरोप है कि, बजरी लीज़ धारक बनास में अवैध रूप से बजरी खनन कर रहे हैं, जिससे जलस्रोत सूखते जा रहे हैं।**
- **गुस्साए ग्रामीणों व किसानों ने ना केवल बजरी खनन रूकवा दिया बल्कि खनन कर रहे वाहनों में तोड़-फोड़ भी की।**

टोंक, 28 नवम्बर (निसं)। बनास नदी क्षेत्र के प्रतिबंधित क्षेत्रों में बजरी लीज धारक द्वारा खनन करने से आक्रोशित ग्राम वजीरपुरा, लहन, बोरदा, अहमदपुरा, नया गांव, पालडा के आक्रोशित किसानों व ग्रामीणों ने बजरी खनन स्थल पर पहुंच कर जमकर हंगामा किया और बजरी खनन करने वाले वाहनों में तोड़फोड़ भी कर दी। इससे ग्रामीण व बजरी लीज़ धारक के कर्मी आमने-सामने हो गए।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लीज़धारक की माईनिंग विभाग, प्रशासन व पुलिस विभाग से मिलीभगत है और वह अवैध रुप से प्रतिबंधित क्षेत्र में बजरी खनन कर रहा है और बनास में बजरी खनन से उनके जलस्त्रोत सूखते जा रहे है और बेतरतीब खनन किया जा रहा है। इसको लेकर प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई तो आक्रोशित ग्रामीण खनन स्थल पर पहुंच गए और उनके आक्रोश के चलते खनन कार्य को रोकना पड़ा। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई साथ ही ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध खनन फिर से करते हैं तो ग्रामीण ''पि रे'' नदी में उतरेगे।

जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद फिर से बजरी खनन चालू हुई है। ग्रामीणों व किसानों का बजरी लीज़ धारक नियम कायदे कानूनों की धज्जियां उड़ाकर खनन कर रहा है। ग्राम वजीरपुरा, लहन, बोरदा, अहमदपुरा नया गांव, पालडा के किसान व ग्रामीण नदी में उतर गए और जमकर हंगामा किया। आक्रोशित भीड़ ने ना केवल बजरी खनन रुकवा दिया बल्कि खनन कर रहे वाहनों में तोडफोड भी की। इससे वजीरपुरा के बनास नदी इलाके में हालात तनावपूर्ण हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही बजरी लीज़धारक के अन्य कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित ग्रामीणों से वार्ता की। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद आक्रोशित भीड शांत हुई। भीड में शामिल किसान और ग्रामीणों का आरोप है कि बजरी लीज धारक के लोग नदी में चेकपोस्ट लगा अहमदपुरा की रवन्ना रसीद के नाम पर वजीरपुरा और मोलाईपुरा जैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में पुलिस, प्रशासन और खनिज विभाग की मिलीभगत से बनास में बजरी निकालने का काम कर रहे है। ग्रामीणों का आरोप है कि नियम कायदे कानूनों को ताक में रखकर किए जा रहे अवैध बजरी खनन से उनके क्षेत्रों के पानी के कुँए और अन्य जल स्त्रोत पूरी तरह से सूखने के कगार पर आ गए हैं, जिससे कृषि कार्यो में भी मुश्किल होने लगी है। आक्रोशित ग्रामीणों ने लीजधारक को चेतावनी दी है कि यदि प्रतिबंधित क्षेत्र में खनन किया गया तो फिर से ग्रामीण नदी में उतरेंगे।

राष्ट्रपति शी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर काम करता है। इण्डो पैसफिक क्षेत्र में चीन के आर्थिक संबंध कुल मिलाकर चीन केन्द्रित रहे हैं जिसमें उसका अधिकांश कारोबार चीन के साथ हुआ है। यदि कैनेडा के शेष एशियाई देशों के साथ किए गए व्यापार को भी जोड़ लिया जाए, तो वह भी चीन के साथ हुए व्यापार की मात्रा से कम पड़ जाता है। कैनेडा अब चीन के अलावा एशिया के शेष देशों के साथ व्यापक व्यापार चाहता है और उसने इन देशों के लिए 750 मिलियन डॉलर का इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमैंट प्रोग्राम बनाया हे। यह जी-7 देशों के उस वृद्धि किए गए 600 बिलियन डॉलर के इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लान का हिस्सा होगा जो उन्होंने चीन के दबदबे का मुकाबला करने को लेकर एशिया के शेष देशों के लिए बनाया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर की इस पहल को चीन के बैल्ट एण्ड रोड (बी.आर.आई.) प्रोग्राम का विकल्प माना जा रहा है। शी जिनपिंग के बी.आर.आई. के तहत लाए गए भारी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट्स को प्राप्त करने वाले कई देश कर्जे के जाल में फंस चुके हैं। परिणामस्वरुप इन प्रोजैक्ट्स के प्राप्तकर्ता देश विपरीत प्रतिक्रियाएँ देने को बाध्य हैं।

चीन के द्वारा बी.आर.आई. के तहत विशाल प्रोजैक्ट्स लाए गए थे जो आर्थिक रूप से टिकाऊ साबित नहीं हुए। परिणामस्वरुप जिन देशों ने ऋण लेकर इन प्रोजैक्ट्स पर काम किया था, अब वे ऋण उनके गले की फांस बन चुके हैं। ये प्रोजैक्ट्स अन्य देशों के अलावा श्रीलंका और पाकिस्तान में गंभीर आर्थिक बदहाली ला चुके हैं। चीन के राष्ट्रपति अभिमानी रुख और चीन का उभरता दबदबा बड़े देशों के साथ उसके संबंधों को खतरे में डाल रहा है। यद्यपि छोटे देशों के लिये चीन एक दुर्जेय शक्ति हो सकता है, लेकिन की धारणाएं बड़े देशों को उससे घृणा करने के अवसर प्रदान कर रही है। अत: वैकल्पिक गठबंधन बन रहे हैं जिनका परिणाम अन्ततः चीन के साथ अधिक विवादास्पद रुख के रूप में हो सकता है। चीन की संप्रभुता की धारणाओं के कारण एक नई वैश्विक व्यवस्था उभर रही है।

अल्पसंख्यक छात्र को आतंकवादी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से यह क्रॉस क्वेश्चन किया कि वह उसे आतंकवादी कैसे कह सकते हैं। वायरल हुए एक वीडियो क्लिप में छात्र को प्रोफेसर से यह प्रश्न करते सुना जा सकता है उन्होंने बिना किसी प्रूफ के उसे आतंकवादी क्यों कहा। प्रोफेसर इस प्रश्न का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सके और उन्होंने सिर्फ कुछ अपूर्ण उदाहरण दिए जो छात्र के गले नहीं उतरे। इस पूरी घटना से हर कोई बेखबर रहता लेकिन सोशल मीडिया की वजह से यह प्रकाश में आ सकी। एक बार ट्वीट किए जाने के बाद पोस्ट वायरल हो गई। इसके बाद बैंगलोर के मनिपाल इन्स्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी ने प्रोफेसर को निलम्बित करने के बाद घटना की जांच शुरु की दी।

यूनिवर्सिटी सूत्रों के अनुसार प्रोफेसर को जांच पूर्ण होने तक के लिए शिक्षण कार्य से प्रतिबंधित कर दिया गया है। घटना तीन-चार दिन पूर्व हुई और गत रात्रि ट्वीट आने के बाद ही यूनिवर्सिटी को इसकी जानकारी मिली। इस संबंध में एक जांच कमेटी गठित कर दी गई है। यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने मीडिया कर्मियों को बताया कि ''छात्र के साथ काउन्सलिंग की गई है। ऐसी घटनाओं के लिए हमारी ज़ीरो-टॉलरेंस पॉलिसी है। हम जांच के बाद उचित कार्यवाही करेंगे।

एम.आई.टी. बैंगलोर ने भी ट्वीट किया कि ''संस्थान इस घटना को लेकर पहले ही जांच शुरु कर चुका है और जांच पूर्ण होने तक संबंधित शिक्षक को पढ़ाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। हम सबको यह बताना चाहते हैं कि संसीान इस प्रकार के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं कर सकता और इस एक मात्र घटना को संस्थान की नीति के अनुरूप संभाला जाएगा।

ट्वीट में आगे कहा गया है कि ''संस्थान को इस बात का गर्व है कि उसके कैम्पस में एक सर्वाधिक योग्य छात्र संगठन है और वह जाति, धर्म, क्षेत्र या लिंग से परे सबके साथ समान व्यवहार कर हमको संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।''

महाराष्ट्र के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टिप्पणी कर दी थी। उन्होंने कह दिया था, ''जब सावित्री बाई का विवाह हुआ था, उस समय वे 10 साल की थी तथा उनके पति ज्योतिबा 13 वर्ष के थे। कल्पना कीजिये कि ये लड़का-लड़की शादी के बाद क्या करते होंगे? वे क्या सोचते होंगे?'' अभी एक माह पूर्व भी, राज्यपाल कोश्यारी ने उस समय फिर एक अप्रिय टिप्पणी कर दी थी, जब उन्होंने लोगों को जीवन गुरु के महत्व को समझाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा था, ''दार्शनिक-कवि समर्थ रामदास (शिवाजी के गुरु) के बिना, कोई भी व्यक्ति शिवाजी को नहीं जान पाता।'' भाजपा के कुछ वर्गों में यह धारणा बनती जा रही है कि कोश्यारी के पद पर बने रहने से विपक्षी नेताओं को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा को नुकसान पहुँचाने का मौका एवं आधार मिल जायेगा। तथा इन चुनावों के बाद 2024 में अति महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव तथा राज्य विधानसभा चुनाव होने हैं।

समलैंगिक को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसार किरपाल के नाम को ''पुनर्विचार'' के लिए सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम को भेजा गया है। तथापि, मैमोरेण्डम ऑफ प्रोसीजर के प्रावधानों के तहत यदि केन्द्र सरकार को कोलीजियम द्वारा नाम पुनः भेजा जाता है तो सरकार को उसे मंजूरी देनी पड़ेगी। किरपाल, पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) बी.एन. किरपाल के पुत्र हैं। इण्डिया अहेड के अनुसार उनको अस्वीकार किए जाने का एक कारण यह प्रतीत होता है कि इस 50 वर्षीय एडवोकेट के पार्टनर एक विदेशी है। उसने आगे जोड़ा कि इन्टैलीजेंस ब्यूरो के अनुसार उनके पार्टनर सिक्योरिटी के लिए एक रिस्क हो सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट कोलीजियम द्वारा किरपाल के नाम को अक्टूबर 2017 में पहली बार मंजूरी दी गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट इसको लेकर चर्चा में तीन बार विलम्ब कर चुका है। मार्च 20121 में सी.जे.आई. एस.ए. बोबड़े ने विधि मंत्री रवि शंकर प्रसाद को लिखकर यह पूछा था कि क्या यह मामला इसलिए लंबित है कि किरपाल समलैंगिक है। हालांकि नवम्बर 2021 में तत्कालीन सी.जे.आई. एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने पदोन्नति के लिए किरपाल के नाम को मंजूरी दी थी। किरपाल ने एक टी.वी. न्यूज नैटवर्क को इस माह की शुरुआत में बताया था ''मैं समझता हूं कि सरकार अब भी किसी एक विचार के खिलाफ है या धारा 377 के बारे में उसका कोई मत है। यह धारा समलैंगिकता या सम यौन व्यवहार को अपराध मानती है। सरकार ने धारा 377 को अपराध मुक्त करने का कभी विरोध नहीं किया, लेकिन साथ ही उन्होंने ऐसा कोई शपथ पत्र भी कभी प्रस्तुत नहीं किया, जिसमें यह कहा गया हो कि इस धारा को अपरामुक्त किया जाए।

चीन में लॉकडाउन के विरोध में जनता सड़कों पर उतरी

बीजिंग, 28 नवंबर। चीन में करोना संक्रमण की रोकथाम के लिए देश की साम्यवादी सरकार द्वारा अपनायी गयी सख्त नीति के खिलाफ राजधानी बीजिंग सहित देश के विभिन्न शहरों में लोगों ने प्रदर्शन शुरू किए हैं। जनता लॉकडाउन और आने-जाने के प्रतिबंधों को हटाने की मांग कर रही है और साथ ही चीन की साम्यवादी पार्टी के शासन का भी विरोध शुरू हो गया है। लोग राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं। चीन में चल रहे प्रदर्शन बीजिंग से शुरू होकर तेजी से लॉन्चो, शियान, चोंगकिंग, वुहान, झेंगझोऊ,आदि शहरों तक फैल गये हैं।

'जजों की नियुक्ति का कोलीजियम सिस्टम 1991 में शुरू हुआ'

विधि मंत्री रिजिजू के अनुसार, इससे पहले सरकार ही जजों की नियुक्ति करती थी, अतः कोलीजियम सिस्टम संविधान की देन नहीं है, जजों के निर्णय की देन है

- **सुप्रीम कोर्ट विधि मंत्री की इस टिप्पणी से काफी विचलित हुआ तथा एडवोकेट जनरल व सॉलिसिटर जनरल को चेतावनी दी कि, अगर जजों की नियुक्ति का मामला अकारण लटकता रहा तो, सुप्रीम कोर्ट को मजबूरन इस मुद्दे पर निर्णय पारित करना पड़ेगा।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच चल रही तनातनी आज उस समय उभरकर फिर सामने आ गई, जब सर्वोच्च न्यायालय ने जजों की नियुक्ति की कोलीजियम-व्यवस्था पर केन्द्रीय विधि मंत्री किरेण रिजिजू द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई तथा कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिये था। न्यायालय ने केन्द्र द्वारा उच्चतर न्यायपालिका में जजों की नियुक्तियों में विलम्ब किये जाने के मुद्दे की ओर भी संकेत किया।

जजों की नियुक्ति की इस व्यवस्था पर कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने अंधाधुंध प्रहारों पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, ''जब किसी उच्च पद पर बैठा हुआ कोई व्यक्ति ऐसा कहता है ....ऐसा नहीं होना चाहिये था।'' रिजिजू, जो इस बात को लेकर अपने असंतोष को मुश्किल से ही छुपा पाते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय में जजों की नियुक्ति के मामले में सरकार की कुछ खास नहीं चलती है, ने हाल ही में वर्तमान नियुक्ति-तंत्र पर ताजातरीन हमला बोला तथा कहा कि कोलीजियम व्यवस्था संविधान के ''प्रतिकूल'' (एलिअन) है।

रिजिजू ने कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विवेक से ही, अदालत के एक फैसले के जरिये, कोलीजियम का सृजन किया था। उन्होंने कहा कि 1991 से पहले, सारे जजों की नियुक्ति सरकार ही किया करती थी।

टाइम्स नाउ समिट में बोलते हुए, कानून मंत्री ने कहा कि भारत का संविधान हर व्यक्ति के लिये, विशेष रूप से सरकार के लिये, एक ''पवित्र दस्तावेज'' है।

उन्होंने पूछा कि, ''आप यह अपेक्षा कैसे कर सकते हैं कि केवल अदालतों या कुछ जजों द्वारा लिये ऐसे निर्णय, जो संविधान के प्रतिकूल हो, का समर्थन देश कैसे करेगा।''

केन्द्र की ओर प्रस्तुत सॉलिसिटर जनरल के इस कथन कि ''कभी-कभी मीडिया की रिपोर्ट गलत भी होती है'' को विशेष तवज्जो देते हुये, अदालत ने कहा: ''मि. अटॉर्नी जनरल, मैंने सारी प्रैस-रिपोर्टों की अनदेखी कर दी है, लेकिन यह कथन एक ऐसे व्यक्ति की तरफ से एक इन्टरव्यू के दौरान आया है, जो अभी उच्च पद पर आसीन है। .....मैं और कुछ भी नहीं कह रहा हूँ। अगर हमें कुछ कहना पड़ा तो हम उसे निर्णय (के रूप) में कहेंगे।'' जस्टिस कौल ने केन्द्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी को जवाब देते हुए कहा।

नियुक्तियों में विलम्ब के बिन्दु पर अदालत ने पूछा कि नैशनल जुडिशियल ऑफ अपॉइन्टमेंट्स कमीशन (एन.जे.ए.सी.) अपनी कसौटी पर खरा नहीं उतरा है क्या यही कारण है, जिससे सरकार प्रसन्न नहीं है, तथा इसीलिये नामों पर स्वीकृति नहीं दे रही है।

कोलीजियम की सिफारिशों पर सरकार ने कुंडली मार के बैठने पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि केन्द्र, अपनी आपत्तियाँ बताये बिना, नामों को वापस नहीं कर सकता। अदालत ने किसी न्यायिक फैसले की चेतावनी भी दे दी। बैंच ने कहा, ''कृपया इसका समाधान कर दीजिये तथा इस मामले में हमें कोई न्यायिक फैसला लेने के लिये बाध्य मत कीजिये।''

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, ''जमीनी वास्तविकता यह है कि नामों की स्वीकृति नहीं दी जा रही है। (न्यायिक) तंत्र कैसे काम करेगा? कुछ नाम तो पिछले डेढ़ साल से लम्बित हैं।''

अदालत ने आगे कहा, ''ऐसा हो नहीं सकता आप नामों को रोक नहीं सकते इससे समूचा तंत्र प्रभावित हो रहा है। और कई बार आप सूची से कुछ नाम छाँट लेते हैं और अन्य नामों को स्वीकृति नहीं देते हैं। इससे आप प्रभावी तरीके से वरिष्ठता को भंग कर देते हैं''.

सर्वोच्च न्यायालय ने आगे कहा कि कई सिफारिशें चार महीने से लम्बित हैं तथा उनकी समय सीमा पार हो गई है। अदालत ने कहा कि टाइम लाइन का तो पालन करना ही होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि एक वकील, जिसके नाम की सिफारिश की गई थी, की मृत्यु हो चुकी है तथा एक अन्य वकील ने अपनी सहमति वापस ले ली है।

अदालत ने एटॉर्नी जनरल तथा सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वे उच्चतर न्यायपालिका के लिये सर्वोच्च न्यायालय कोलीजियम द्वारा अभिशंसित नामों की स्वीकृति देने में विलम्ब से संबंधित अदालत की भावनाएं केन्द्र तक पहुँचा दें।

जब अटॉर्नी जनरल तथा सॉलिसिटर जनरल ने यह आश्वासन दिया कि वे इस मामले की गहराई तक जायेंगे, उसके बाद अदालत ने इस प्रकरण को 8 दिसम्बर की सुनवाई तक के लिये स्थगित कर दिया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA

जल्दी करें या मौक़ा गँवाएँ*

सीमित अवधि ऑफ़र्स, सिर्फ़ आपके लिए।

बड़ी बचत **S-PRESSO ₹46 000*** **WAGONR ₹46 000*** **ALTO ₹46 000***

ऑफ़र सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

S-PRESSO WAGONR ALTO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: JAIPUR CITY: PREM MOTORS PVT. LTD: CORPORATE PARK, GOPAL BARI, AJMER ROAD: CALL: 4511111, 9785034000. JAIPUR-VKI, ROAD NO.8: CALL: 4411111, 9785023000. **AURIC MOTORS PVT LTD.:** MANSAROVAR: CALL: 8929207471. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: CALL: 9209056789. **VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2727000, 7340045958. AJMER ROAD: CALL: 4065555, 9660000363. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** ADARSH NAGAR: CALL: 4074444, 9549650361. BANIPARK: CALL: 4072222, 2201365, 8698003009. **SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.:** MALVIYA NAGAR: CALL: 2523400, 8302890000. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2793924/5/6/7, 4110100, 9772210902. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9773364861. LALSOT: CALL: 9773364863. BANDIKUI: CALL: 9773364864. MAHWA: CALL: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9773364865. UNIARA: CALL: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058401166. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058406655. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794167. TUNGA: CALL: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **AJMER: RELAN MOTORS:** CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO:** CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS:** CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS:** CALL: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES:** CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES:** CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS:** CALL: 8955664400. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. KHANPUR: CALL: 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: CALL: 6377715171. AHORE: CALL: 9015900500. SAYLA: CALL: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: CALL: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS:** CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS:** MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS:** CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES:** CALL: 01482-264061, 264144, 09795945333, 09950512555. **CHAMPION CARS:** CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY:** CALL: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/ Rural offer (wherever applicable) on S-Presso (Petrol- V & V+ variants only), WagonR (1.2 L Petrol- all variants except AGS) and Alto 800 (Petrol- all variants except STD). *Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 30th November 2022 or till stocks last, whichever is earlier.